MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 23 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-53

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन पर भड़के मोदी, बोले-

कांग्रेसी पहले से ही नंगे

मेरठ, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए।

मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है।

मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें टीएमसी, डीएमके या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे।

इससे पहले, मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी। 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पूरे सफर में दो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जबकि बाकी का सफर एलिवेटेड होगा। मेट्रो बेगमपुल से मेरठ साउथ तक जाएगी। इसमें 7 स्टेशन बनाए गए हैं। मेट्रो का किराया 20 से 60 रुपए, जबकि रैपिड रेल का 20 से 210 रुपए तक होगा।

पीएम मोदी ने कहा- मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन, इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में 5 ही शहरों में मेट्रो थी। आज 25 से ज्यादा

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com
21 Feb 2026 - Page 1

कांग्रेस का नंगा नाच

एआई समिट के दौरान 'शर्टलेस' प्रदर्शन, तेलंगाना के युवा भी शामिल

नयी दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ शर्टलेस (कपड़े उतारकर) प्रदर्शन ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस घटना ने विरोध के अधिकार और राष्ट्रीय गरिमा के बीच संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। देशवासियों को आज भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के वे शब्द याद आते हैं, जिनमें उन्होंने कहा था कि कोई भी राजनीति राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकती। अगर राजनीति देशहित को नुकसान पहुंचाने लगे, तो वह राष्ट्र के लिए कैंसर की तरह विनाशकारी बन जाती है। शुक्रवार को जो हुआ है, वह उसी चिंता को दोहराता है। जिस तरह यूथ कांग्रेस के नेताओं ने मोदी विरोध में अपने कपड़े उतारकर एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन किया, उसे राजनीति नहीं कहा जा सकता। वह राजनीति जो भारत के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाए, जो देश को अपमानित करे, जो लोकतंत्र की छवि पर दाग

शहरों में मेट्रो चलने लगी है। मोदी ने कहा- जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे।

मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी

उन्होंने कहा- हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। हम इसे भी सहन कर लेंगे। लेकिन, कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि ये एआई ग्लोबल समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, न ही उस समय भाजपा का कोई नेता वहां था। ▶10पर

जुबली हिल्स में रफ्तार का कहर

फेरारी की चपेट में 4 कारें

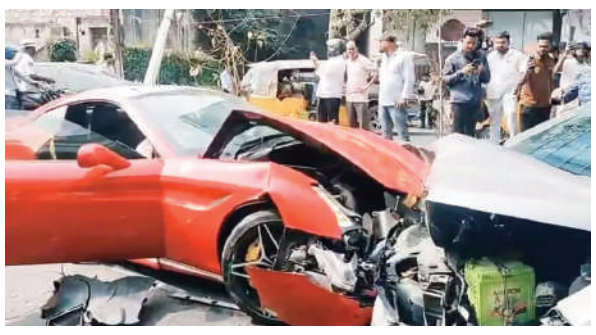

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के पॉश इलाके जुबली हिल्स रोड नंबर 45 पर स्थित फिल्म अभिनेता और विधायक नंदमुरी बालकृष्णा के आवास के पास रविवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। एक तेज रफ्तार फेरारी कार अनियंत्रित होकर कई वाहनों से जा टकराई, जिससे चार कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और तीन लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक युवक बेहद तेज गति से फेरारी चला रहा था, तभी उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। लक्जरी कार सड़क से उतरकर किनारे खड़े वाहनों और बाइकों की कतार में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वहां खड़ी चार कारें मलबे में तब्दील हो गई और इलाका किसी युद्ध क्षेत्र जैसा नजर आने लगा।

हादसे के वक्त फेरारी में एक युवक और एक युवती सवार थे। गनीमत रही कि टक्कर होते ही कार के एयरबैग खुल गए, ▶10पर

ओवैसी की गाड़ी पर ओवर स्पीडिंग के 6 चालान

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से जुड़े एक वाहन के खिलाफ यातायात नियमों के उल्लंघन के कई मामले सामने आए हैं। तेलंगाना पुलिस के ई-चालान रिकॉर्ड के अनुसार, उक्त वाहन पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत ओवर-स्पीडिंग (तेज रफ्तार) के छह चालान लंबित हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक, इन सभी उल्लंघनों के लिए कुल लंबित राशि 6,210 है। पुलिस डेटाबेस से पता चलता है कि वाहन द्वारा बार-बार गति सीमा का उल्लंघन किया गया है, जिसके कारण ये चालान जारी किए गए। एक जन-प्रतिनिधि होने के नाते, समाज में ▶10पर

राजा नहीं तो शिवाजी भी नहीं

निर्मल में प्रतिमा अनावरण को लेकर तनाव, विधायक हिरासत में

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेदक पुलिस ने रविवार दोपहर को विधायक टी. राजा सिंह को उस समय एहतियातन हिरासत में ले लिया, जब वे छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए निर्मल जिले की ओर जा रहे थे।

जब राजा सिंह निर्मल के रास्ते में थे, तब पुलिस ने शंकरमपेट के पास उनकी कार को बीच रास्ते में ही रोक दिया। इसके बाद उन्हें एहतियातन हिरासत में लेकर शंकरमपेट स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के चलते इलाके में काफी गहमागहमी बनी रही।

पुलिस की इस कार्रवाई को 'ज्यादती' बताते हुए राजा सिंह ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विपक्षी दलों के सदस्यों को जनता द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने से रोककर उनका गला घोंट रही है। राजा सिंह ने सरकार की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि इस प्रकार की गिरफ्तारियां लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनभावनाओं से जुड़े कार्यक्रमों में बाधा डालना सरकार की नकारात्मक मानसिकता को दर्शाता है। राजा सिंह ने स्वयं को रेवंत औवेसी खान कहकर धर्म बदलने का मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार एमआईएम के इशारों पर नाच रही है। उन्होंने कहा कि यदि शिवाजी महाराज नहीं होते तो आज हिन्दू नहीं होते। ▶10पर

राव हाउस अरेस्ट

उपद्रवग्रस्त बांसवाड़ा जाने से रोका

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव को रविवार को बांसवाड़ा जाने से पहले उनके तारनाका स्थित आवास पर नजरबंद कर लिया गया। पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर बोलारम थाने स्थानांतरित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, श्री राव पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ कमारेड्डी जिले के बांसवाड़ा जाने की तैयारी में थे। उनका कार्यक्रम क्षेत्र में हाल ही में दो समूहों के बीच हुई झड़पों के मद्देनजर था। श्री राव बांसवाड़ा में के. वेंकट रमणा रेड्डी से मुलाकात करने और हिंसा में घायल लोगों के परिजनों से मिलने वाले थे। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उन्हें एहतियातन नजरबंद किया गया था। ▶10पर

ट्रंप के घर पर हमले की कोशिश, हमलावर ढेर

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के वेस्ट पाम बीच स्थित मार-ए-लागो परिसर के बाहर देर रात सुरक्षा उल्लंघन की गंभीर घटना सामने आई। यूएस सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय के एक डिप्टी द्वारा की गई गोलीबारी में 20 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक को परिसर की परिधि के निकट संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया था। उसके हाथ में एक फ्यूल कैन था और उसके पास शॉटगन जैसा दिखने वाला हथियार भी मौजूद था। सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक की गतिविधियां सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत चिंताजनक थीं। सुरक्षा एजेंसियों ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद गोलीबारी हुई। ▶10पर

तेलंगाना में 166 मेडिकल स्टोरों को नोटिस

फर्जी क्लिनिक पर छापा

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने राज्य भर में चलाए गए एक विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान बड़ी अनियमितताएं पाए जाने पर 166 मेडिकल स्टोरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने इन दुकानों के ड्रग लाइसेंस निलंबित या रद्द करने सहित कड़े विभागीय कदम उठाने की सिफारिश की है।

डीसीए का यह अभियान मुख्य रूप से उन मेडिकल स्टोरों पर केंद्रित था, जिन पर कोडीन-आधारित कफ सिरप, अल्प्राजोलम टैबलेट और अन्य नियंत्रित दवाओं को अवैध रूप से बेचने का संदेह था। कई दुकानों पर बिना पंजीकृत डॉक्टर के पर्चे के दवाएं बेची जा रही थीं। सेल्स रिकॉर्ड न रखना, बिल जारी न करना और शेड्यूल एच1 रजिस्टरों का रखरखाव न करना जैसी कमियां पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई स्टोरों पर पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाएं दी जा रही थीं। इसके अलावा, खरीद चालान और अन्य अनिवार्य दस्तावेजों के रखरखाव में भी भारी अनियमितताएं देखी गईं। विभाग ने चेतावनी दी है कि गैर-चिकित्सीय या नशे के उपयोग के लिए दवाओं का वितरण ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत गंभीर अपराध है।

एक अन्य मामले में, विभाग ने हनमकोंडा जिले के श्यामपेट गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापेमारी की। यहाँ से 35,000 मूल्य की अवैध रूप से संग्रहित दवाएं जब्त की गईं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड और ट्रामाडोल इंजेक्शन शामिल थे। अधिकारियों ने आगाह किया कि एंटीबायोटिक दवाओं की इस तरह अंधाधुंध बिक्री से एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

औषधि नियंत्रण प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लाइसेंस ▶10पर

सिकंदराबाद छावनी विलय मामले में राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से जगी उम्मीदें

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद छावनी के नागरिक क्षेत्रों को अलग कर उन्हें ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में विलय करने की लंबे समय से लंबित मांग को अब एक नई गति मिली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औपचारिक रूप से इस मामले का संज्ञान लेते हुए इसे उचित कार्रवाई के लिए रक्षा मंत्रालय को भेज दिया है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम की जानकारी राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा सिकंदराबाद छावनी के विधायक श्री गणेश नारायणन को एक पत्र के माध्यम से दी गई है। सचिवालय ने विधायक द्वारा पूर्व में लिखे गए पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए इस कदम की पुष्टि की है। सचिवालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है, कृपया भारत के राष्ट्रपति को संबोधित अपने 1 फरवरी के पत्र का संदर्भ लें। उक्त पत्र को भारत सरकार के रक्षा सचिव को उचित ध्यान और आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रेषित कर दिया गया है।

नागरिक क्षेत्रों को छावनी बोर्ड के नियंत्रण से हटाकर नगर निगम में शामिल करने की मांग दशकों पुरानी है। राष्ट्रपति द्वारा इस मामले में व्यक्तिगत रुचि लेने और इसे सीधे रक्षा मंत्रालय को संदर्भित करने से स्थानीय निवासियों में बेहतर नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास की उम्मीद जगी है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हवाई हमला, आतंकी ठिकानों को बनाया निशाना

काबुल/इस्लामाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने रविवार तड़के अफगानिस्तान पर हवाई हमला कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है।, उधर, अफगानिस्तान में कहा जा रहा है कि पाकिस्तान ने देश के कई हिस्सों में बेवजह बमबारी कर आम लोगों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, सूचना मंत्रालय ने शनिवार आधीरात बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया। मंत्रालय के मुताबिक, अफ़गानिस्तान के आतंकी इस्लामाबाद, बाजौर और बन्नू में हुए हमलों में शामिल हैं। इससे पहले, अफगान मीडिया ने कहा कि पक्तिया और नंगरहार प्रांतों में आतंकवादियों के ठिकानों पर धमाके सुने गए। पक्तिया के नंगरहार और मुर्गा बाजार में हुए धमाकों में आतंकवादियों का ढांचा पूरी तरह से तबाह हो गया। पाकिस्तान के युद्धक विमानों ने अलग-अलग इलाकों में हवाई हमले किए। हताहतों के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नंगरहार के खोगयानी, खेल और बेहसूद जिलों में धमाके हुए, जिससे आतंकवादियों के ठिकाने नष्ट हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमले में एक ही परिवार के 23 सदस्य मलबे में दब गए। इनमें से चार अब तक सुरक्षित बाहर निकल आए हैं। बाकी अभी भी लापता हैं। यह हमला शनिवार आधी रात के आसपास हुआ। पाकिस्तान ने नंगरहार प्रांत के तीन और पक्तिका प्रांत के दो जिलों को निशाना बनाया। हमले के वायरल वीडियो में नंगरहार प्रांत में प्रभावित परिवार का एक सदस्य मलबे में अपने रिश्तेदारों को ढूंढता हुआ दिख रहा है। परिवार के एक सदस्य ने बताया, हमारे परिवार के 23 सदस्य मलबे में दबे हैं। अब तक हम चार निकल पाए हैं। बाकी अभी भी लापता हैं। उन्होंने कहा, हम किसान हैं। हमने पूरे दिन अपने खेतों में काम किया। शाम को अपना रोजा तोड़ा। अपनी चाची से बात की। जब हमला हुआ हम सब सो रहे थे । तालिबान ने अभी तक पक्तिका के बरमल, उरगुन जिलों और नंगरहार के बेहसूद, खोगयानी और गनी खेल जिलों की स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि यह हमले पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती हमलों के जवाब में किए गए।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका खामेनेई और उनके बेटे पर हमले का बना रहा प्लान, परमाणु ठिकाने भी निशाने पर

वाशिंगटन। वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव अब एक निर्णायक और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की व्यापक रूपरेखा तैयार कर ली है। दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि कूटनीतिक बातचीत के मौजूदा प्रयास विफल रहते हैं, तो अमेरिका कई हफ्तों तक चलने वाले भीषण हवाई और सामरिक हमले शुरू कर सकता है। इस सैन्य योजना के केंद्र में न केवल ईरान की सुरक्षा एजेंसियों के ठिकाने और विवादास्पद परमाणु सुविधाएं हैं, बल्कि कुछ अत्यंत आक्रामक विकल्पों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके संभावित उत्तराधिकारी व बेटे मोजतबा खामेनेई को भी सीधे तौर पर निशाना बनाने की बात कही गई है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि क्या अमेरिका केवल हवाई हमलों तक सीमित रहेगा या इसमें जमीनी सेना की भूमिका भी शामिल होगी। जंग के इन बादलों के बीच यूरेनियम संवर्धन को लेकर एक अप्रत्याशित कूटनीतिक हलचल भी देखी जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन एक ऐसे प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार है जिसमें ईरान को अत्यंत सीमित और केवल प्रतीकात्मक परमाणु संवर्धन की अनुमति दी जा सकती है।

मंगेतर की बेवफाई छुपाने के विरोध में डिटेक्टिव ने छेड दी कानूनी लडाई

नार्थ वेल्स। ब्रिटेन के एक प्रेमी को अपनी प्रेमिका के एक अन्य पुलिसकर्मी के साथ अवैध संबंधों को बारे में पता चला तो उसकी जिंदगी में भूचाल आ गया। ब्रिटेन के नार्थ वेल्स में रहने वाले डिटेक्टिव एंड्रू फियरान की मंगेतर और सहकर्मी रेबेका हट का एक पुलिसकर्मी के साथ अफेयर न सिर्फ उनसे छुपाया गया बल्कि पूरा पुलिस विभाग इसे दबाने में शामिल रहा। अब फियरान ने पूरे नार्थ वेल्स पुलिस विभाग के खिलाफ कानूनी लड़ाई छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रू फियरान और रेबेका हट दोनों डिटेक्टिव कान्स्टेबल थे और 2018 में शादी की योजना बना चुके थे। फियरान का दावा है कि रेबेका ने स्वीकार किया था कि उनका रिश्ता उसी पुलिस स्टेशन के डिटेक्टिव कान्स्टेबल शान पैरी के साथ चल रहा है, जहां वह काम करती थीं। फियरान ने इस मामले में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई, यह कहते हुए कि रिश्ता पुलिस स्टेशन में ही शुरू हुआ था। कोर्ट दस्तावेजों में उन्होंने आरोप लगाया कि शान पैरी महिलाओं के प्रति गलत व्यवहार करने वाला व्यक्ति है और कई सहकर्मियों ने उसे कार्रवाई से बचाने की कोशिश की। उस पर दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच भी ठीक से नहीं हुई और उसे कार्रवाई के बजाय दूसरे स्टेशन भेज दिया गया। बाद में 2019 में एक और शिकायत के बाद पैरी को नौकरी से निकाल दिया गया। फियरान का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया। तनाव और दुख की वजह से उन्होंने चार महीनों की छुट्टी ली। उन्होंने रेबेका पर घरेलू हिंसा, धोखाधड़ी और नियंत्रित करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए। मामले की जांच डिटेक्टिव सुप्रिटेंडेंट स्टीव विलियम्स को सौंपी गई, जिन्होंने रेबेका के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं समझी और उन्हें नौकरी पर वापस लौटा दिया। लेकिन अब फियरान का आरोप है कि विलियम्स खुद उस समय रेबेका के साथ रिश्ते में थे जब वे केस की जांच कर रहे थे।

बांग्लादेश के 43 नए सांसदों पर हत्या के मुकदमे, बीएनपी के आधे से अधिक सदस्य नामजद

ढाका। बांग्लादेश में हाल ही में संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजों के बाद सांसदों की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। देश के प्रमुख नागरिक संगठन सुशासन के लिए नागरिक (शुजन) द्वारा जारी एक विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, नवनिर्वाचित 43 सांसदों पर हत्या जैसे संगीन अपराधों के मामले दर्ज हैं। यह विश्लेषण सांसदों द्वारा दाखिल किए गए हलफनामों के आधार पर तैयार किया गया है, जो बांग्लादेश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण और धनबल के प्रभाव की ओर संकेत करता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख राजनीतिक दलों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जिसने इस चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है, के सांसदों पर सबसे अधिक कानूनी मामले दर्ज हैं। बीएनपी के निर्वाचित सदस्यों में से 50.24 प्रतिशत वर्तमान में विभिन्न आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

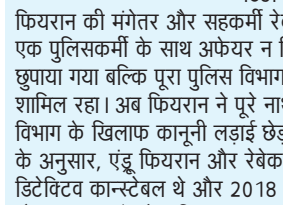

निकोलस मादुरो पर अमरिकी कार्रवाई से पड़ोसी देश गुयाना को हुआ जबरदस्त फायदा

नए खोजे गए कच्चे तेल क्षेत्र में निवेश करने के लिए बड़ी कंपनियों की लग गई लाइन

जार्ज टाउ, 22 फरवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिकी कार्रवाई से एक छोटे देश को बहुत फायदा हुआ है। मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला के पूरब में स्थित गुयाना देश की लाटरी लग गई क्योंकि उसके नए खोजे गए कच्चे तेल क्षेत्र में निवेश करने के लिए बड़ी कंपनियों की लाइन लग गई है। अमेरिकी कंपनी ने एक दशक पहले गुयाना के स्टैब्रोक ब्लाक समुद्री क्षेत्र में तेल के विशाल भंडार की खोज की थी। तेल की खोज से पहले गुयाना दक्षिण अमेरिका का एक बेहद ही गरीब देश था। 10 लाख से भी कम आबादी वाले गुयाना ने तेल बेचकर और रायल्टी से मिले पैसों से अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और 2019 में यह दो अंकों वाली अर्थव्यवस्था के साथ एक आर्थिक ताकत बनकर उभरा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन सबके बीच गुयाना को वेनेजुएला से लगातार धमकियों और क्षेत्रीय विवाद का सामना करना पड़ा। गुयाना और वेनेजुएला के बीच एक सदी पुराना क्षेत्रीय विवाद चला आ रहा है। निकोलस मादुरो गुयाना के एसेक्विबो क्षेत्र पर कब्जा करने की धमकी देते रहे थे और उन्होंने इस क्षेत्र में सैन्य और नौसैनिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश की थी। ये सारी रुकावटें गुयाना को परेशान कर रही थीं। गुयाना के तट के पास जब अरबों बैरल तेल मिलने की खबर सामने आई तब एसेक्विबो पर मादुरो के दावे और तेज हो गए थे, लेकिन अब गुयाना के रास्ते का कांटा मादुरो अमरिकी हिरास में हैं। बता दें इस साल की शुरुआत में ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सैन्य आपरेशन के जरिए मादुरो को अगवा करा लिया था। फिलहाल वह अमेरिका की जेल में हैं और उनके खिलाफ ड्रग्स और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले चल रहे हैं। मादुरो के जाने से गुयाना की सारी टेंशन ही खत्म हो गई है। एक्सान के सीईओ डैरेन वुड्स ने मादुरो के अगवा किए जाने के बाद कहा कि मादुरो के जाने से विवादित क्षेत्र में वेनेजुएला की नौसैनिक पेट्रोलिंग कम होगी और माहौल सही होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक वुड्स ने कहा कि कंपनी को अब अतिरिक्त क्षेत्रों में जाकर तेल खोजने का भी मौका मिलेगा। अमेरिकी कंपनी शेवरान भी अब गुयाना के तेल क्षेत्र का हिस्सा बन गई है। कंपनी ने पिछले साल एक्सान के साझेदार हेस कार्पोरेशन का अधिग्रहण पूरा कर लिया, जिसके पास स्टैब्रोक ब्लाक में 30फीसदी हिस्सेदारी थी।

बता दें गुयाना का समुद्री तेल क्षेत्र बहुत फायदेमंद संपत्ति माना जा रहा है जो साझेदार कंपनियों के लिए अरबों डालर का राजस्व दे सकता है। यहां तेल उत्पादन की लागत करीब 30 डालर प्रति बैरल आंकी गई है जो कि काफी कम है। इससे तेल उत्पादक कंपनियों को भारी फायदा होगा। पड़ोसी वेनेजुएला के साथ तनाव कम होने से गुयाना को भी फायदा होगा, क्योंकि विदेशी निवेशकों को अब गुयाना में निवेश को लेकर कम रिस्क उठाना पड़ेगा।

चीन में वायरल हुई क्लिंग रैप डाइट: युवा खा रहे प्लास्टिक में लपेटकर खाना

बीजिंग, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर अब चीन में एक अजीब और खतरनाक ट्रेंड तेजी से फैल रहा है, जिसे प्लास्टिक ईटिंग या क्लिंग रैप डाइट कहा जा रहा है। इस ट्रेंड में युवा अपने मुंह पर प्लास्टिक रैप लगाकर उसमें खाना डालते हैं, उसे चबाते हैं और फिर थूक देते हैं। दावा किया जाता है कि इससे बिना कैलोरी लिए दिमाग को फुल महसूस कराया जा सकता है और वजन नियंत्रित रहता है। टिकटाक, डौयिन और एक्स पर इसके वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं और लाखों व्यूज बटोर रहे हैं। चीन में जारी क्लिंग रैप डाइट को लेकर वीडियो तेजी से वायरल हुए हैं, जिस पर दुनियाभर में चर्चा आम हो गई है। इसे लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह ट्रेंड बेहद खतरनाक है।

नेशनल इंस्टिट्यूट आफ हेल्थ की स्टडी के अनुसार माइक्रोप्लास्टिक शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह पेट और आंत को प्रभावित कर सकता है, जिससे गैस, दर्द और मतली हो सकती है। प्लास्टिक के छोटे कण

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

सांस के जरिए शरीर में जाकर फेफड़ों में सूजन और खांसी का कारण बन सकते हैं। बीपीए जैसे केमिकल हार्मोन बैलेंस बिगाड़ सकते हैं और लंबे समय में लीवर और फेफड़ों में सूजन बढ़ा सकते हैं। मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर विशेषज्ञों की मानें तो ऐसा करने से मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर हो सकता है।

खाने के साथ अस्वस्थ संबंध और कैलोरी के डर से बार-बार खाना चबाना और थूकना ईटिंग डिसआर्डर का रूप ले सकता है। विशेषज्ञ स्पष्ट कहते हैं कि इससे वजन घटता नहीं है, बल्कि बाद में भूख बढ़ने और ओवरईटिंग का खतरा होता है। यूजर्स भी जता रहे चिंता सोशल मीडिया पर लोग भी चिंतित हैं। कई यूजर्स ने चेताया कि युवा खासकर महिलाएं इस खतरनाक ट्रेंड को अपनाकर स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ा सकती हैं। ऐसा नहीं करने और बेहतर तरीके से भोजन लेने का सुझाव भी दिया जा रहा है।

भारत के खिलाफ लश्कर-ए-तैयबा की नई रणनीति

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा द्वारा महिलाओं को आपरेशनल भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित करने की तैयारी करने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, संगठन ने महिला कैडर के लिए एक विशेष मरकज (आतंकी अड्डा) भवन के निर्माण तेज कर दिया हैं, जहां उन्हें आतंकवादी गतिविधियों और ओवर ग्राउंड वर्कर जैसी जिम्मेदारियों के लिए प्रशिक्षण देने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, अब तक आंतकी संगठन अपनी महिला विंग का इस्तेमाल मुख्य रूप से सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित रखता था। हालांकि, हालिया घटनाक्रम में महिला विंग प्रमुख इफ्फत सईद के बयान को नीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। उन्होंने कथित तौर पर इशारा किया कि महिलाओं को भविष्य में संगठन की सक्रिय और संवेदनशील भूमिकाओं में तैनात हो सकती है। जानकारी के मुताबिक, लश्क र के वरिष्ठ कमांडर कुख्यामत आतंकवादी अब्दुर रऊफ ने मरकज कुबा अल इस्लाम का दौरा किया था। बताया जा रहा है कि इस परिसर में पिछले कुछ महीनों से निर्माण कार्य जारी था और विशेष रूप से महिला कैडर की ट्रेनिंग के लिए विस्तार किया जा रहा है।

अमेरिका के जेपी मार्गन बैंक का अदालत में हलफनामा, 6 जनवरी को कैपिटल पर हमले के बाद ट्रंप के खाते बंद किए

वाशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के जेपी मार्गन बैंक ने पहली बार माना कि उसने 06 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हुए हमलों के बाद राजनीतिक और कानूनी नतीजों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी और उनके कई व्यापारिक बैंक खातों को बंद कर दिया था। इस कानूनी लड़ाई में यह सबसे बड़ा कुबूलनामा है।

यह बात इस हफ्ते बैंक और उसके सीईओ जेमी डिमन के खिलाफ ट्रंप के मुकदमे में कोर्ट में जमा किए गए हलफनामा में सामने आई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बैंक पर पांच बिलियन अमेरिकी डालर (भारतीय मुद्रा में लगभग 45,363.43 करोड़ रुपये) का मुकदमा किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उनके खाते राजनीतिक कारणों से बंद किए गए। इससे उनके व्यापार में रुकावट आई।

जेपी मार्गन बैंक के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डैन विल्केनिंग ने हलफनामा में लिखा, फरवरी 2021 में, जेपी मार्गन ने प्लेनटिफ को बताया था कि जेपी मार्गन के सीबी और पीबी में रखे गए कुछ खाते बंद कर दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पीबी और सीबी का मतलब जेपी मार्गन का प्राइवेट बैंक और कमर्शियल बैंक है। इससे पहले जेपी मार्गन ने

कभी यह नहीं माना था कि उसने राष्ट्रपति के खाते बंद किए हैं।

ट्रंप ने शुरू में जेपी मार्गन पर फ्लोरिडा स्टेट कोर्ट में केस किया। बैंक ने कोर्ट से आग्रह किया है कि केस को न्यूयार्क स्थानांतरित कर दिया जाए। ट्रंप ने बैंक पर व्यापारिक मानहानि का आरोप लगाया है। ट्रंप के वकीलों का आरोप है कि जेपी मार्गन ने राष्ट्रपति और उनकी कंपनियों को काली सूची में डाला। वकीलों ने बयान में कहा, एक बड़ी बात यह है कि बैंक ने मान लिया है कि उसने गैरकानूनी और जानबूझकर खाते बंद किए। ट्रंप आर्गनाइजेशन ने मार्च 2025 में क्रेडिट कार्ड की बड़ी कंपनी कैपिटल वन पर इसी तरह के कारणों और आरोपों के लिए केस किया था। इस केस का अभी निपटारा नहीं हुआ है।

बिगड़ैल प्रिंस की गिरफ्तारी स्टार्मर की डूबती नैया के लिए बनी लाइफ जैकेट

एंड्रयू की गिरफ्तारी नहीं, लंदन की सत्ता बचाने खेला गया मास्टर स्ट्रोक

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के राजघराने और सत्ता के गलियारों में मचा कोहराम अब उस मोड़ पर पहुंच गया है। प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी को भले ही कानून की जीत बताया जा रहा हो, लेकिन इसके पीछे छिपी राजनैतिक बिसात कुछ और ही बयां कर रही है। जब पीएम कीर स्टार्मर के चाणक्य पीटर मेंडेलसन का नाम कुख्यात जेफ्री एपस्टीन के साथ जुड़ा तो अचानक बिगड़ैल प्रिंस की गिरफ्तारी ने स्टार्मर की डूबती नैया के लिए लाइफ जैकेट का काम किया है। यह महज एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि लंदन की सत्ता बचाने के लिए खेला गया एक मास्टर स्ट्रोक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीटर मेंडेलसन, जिन्हें ब्रिटिश राजनीति में प्रिंस आफ डार्कनेस कहा जाता है। वह कीर स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सलाहकार थे लेकिन देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताए जा रहे हैं। मेंडेलसन पर आरोप है कि जब वह सरकार में बिजनेस सेक्रेटरी के पद पर तैनात थे, तब उन्होंने अपनी वफादारी अपराधी जेफ्री एपस्टीन को बेच दी थी। मेंडेलसन पर आरोप है कि उन्होंने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था, टैक्स पालिसी और मार्केट-सेंसिटिव डेटा से जुड़ी बेहद गोपनीय फाइलें एपस्टीन को दी थीं।

एपस्टीन फाइल्स से पता चला है कि 2008 में जब जेफ्री एपस्टीन को कानून ने यौन अपराधी घोषित किया था, उसके बाद भी मेंडेलसन उसके प्राइवेट जेट में सफर कर रहे थे। यही नहीं इस बात के भी सबूत मिले हैं कि मेंडेलसन, सच्चाई बाहर आने के बाद भी एपस्टीन के साथ प्राइवेट डील्स सेट कर रहे थे। प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी की टाइमिंग पर अब सवाल उठ रहे हैं। जब लंदन की सड़कों पर स्टार्मर के खिलाफ गद्दार के नारे लग रहे थे और उनके चीफ आफ स्टाफ मार्गन मैक्सविनी को मेंडेलसन की वजह से इस्तीफा देना पड़ा, ठीक उसी वक्त प्रिंस एंड्रयू को उनके घर से उठाया गया।

एंड्रयू पर आरोप है कि उनके जरिए चीनी जासूस यांग ने ब्रिटिश सरकार के उच्च स्तर तक पहुंच बनाई। यह राष्ट्रीय सुरक्षा में इतनी बड़ी सेंध थी कि कीर स्टार्मर की कुर्सी पर बन आई थी। एंड्रयू ने ट्रेड एनवाय रहते हुए जो डेटा लीक किया, उसे अगर कोई दुश्मन देश हासिल कर लेता, तो ब्रिटेन को घुटनों पर लाया सकता था। स्टार्मर ने एंड्रयू की गिरफ्तारी करवाकर जनता का ध्यान मेंडेलसन के कांड से हटाकर शाही परिवार की ओर मोड़ दिया है। बता दें फरवरी 2026 में जारी हुई लाखों पन्नों की एपस्टीन फाइल्स ने वो राज खोले हैं जिन्हें सालों से महल की दीवारों के पीछे दबाकर रखा गया था।

इन फाइलों ने साबित कर दिया कि मेंडेलसन और एंड्रयू, दोनों ही एपस्टीन के उस जासूसी नेटवर्क का हिस्सा थे जो दुनिया के सबसे ताकतवर लोगों को ब्लैकमेल करता था। खुद को पाक-साफ दिखाने के लिए स्टार्मर अब संसद में कह रहे हैं कि मुझसे झूठ बोला गया। उन्होंने मेंडेलसन से उनकी शाही पदवी छीनने के आदेश दे दिए हैं ताकि वे खुद को इस गद्दारी से अलग दिखा सकें।

दक्षिण से लेकर पूर्वोत्तर तक... क्या कांग्रेस की गिरती साख के लिए राहुल गांधी जिम्मेदार?

नई दिल्ली,22 फरवरी (एजेंसियां)। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के पार्टी में 'अपमान' का आरोप लगाते हुए इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस की लगातार गिरती राजनीतिक स्थिति और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका पर सवाल फिर से उठ खड़े हुए हैं। बोरा ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया, जिससे संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक कलह की बहस तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कई राज्यों में कांग्रेस की इकाइयां अंदरूनी गुटबाजी, आपसी अविश्वास और सहयोगी दलों के साथ तालमेल की कमी के कारण हाशिये पर सिमटती जा रही हैं। आलोचकों के अनुसार, शीर्ष नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया में कथित 'सुस्ती' और समय पर हस्तक्षेप न कर पाने की प्रवृत्ति पार्टी के लगातार क्षरण का कारण बन रही है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संतुलन को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही है। बताया जाता है कि राहुल गांधी की मुलाकातों के बावजूद मतभेद पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं।हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रतिभा सिंह गुटों के बीच प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर संघर्ष देखने को मिला। पार्टी ने राज्य इकाई भंग कर संतुलन साधने की कोशिश की, लेकिन असंतोष बना रहा।

दिल्ली में, जहां कभी शिला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक कांग्रेस की सरकार रही, पार्टी आज एकजुट

चेहरा पेश करने में नाकाम दिखती है। हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बीच मतभेदों ने 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया।

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। बाद में चरणजीत सिंह चन्नी को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन तब तक काफी क्षति हो चुकी थी।

उत्तर प्रदेश में संगठन भंग करने के बावजूद कांग्रेस पुनर्जीवित नहीं हो पाई। पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर असम और अरुणाचल प्रदेश में भी पार्टी अव्यवस्था का सामना कर रही है।

पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस से दूरी बना ली है। झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ गठबंधन भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सका।

बिहार में राजद के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को 'बोझ' के रूप में देखा गया। ओडिशा में संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच टकराव को 2023 में सत्ता गंवाने की बड़ी वजह माना गया। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पार्टी दो दशक से अधिक समय से भाजपा को चुनौती देने में विफल रही है।

तमिलनाडु में द्रमुक के साथ गठबंधन के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर मतभेद उभर रहे हैं, जिससे आगामी चुनावों से पहले असहज स्थिति बन रही है।

कुल मिलाकर, कई राज्यों में लगातार गुटबाजी, नेतृत्व संकट और सहयोगियों के साथ तालमेल की कमी ने कांग्रेस की स्थिति को कमजोर किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या पार्टी की मौजूदा चुनौतियों के लिए शीर्ष नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी की रणनीति और हस्तक्षेप की शैली जिम्मेदार है।

देश में नक्सलवाद अंतिम दौर में है, जल्द ही पूरी तरह समाप्त हो जाएगा : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली,22 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नक्सलवाद के खात्मे संबंधी बयान का समर्थन करते हुए भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम दौर में है और केंद्र सरकार की सख्त नीति के चलते यह जल्द पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि गृह मंत्री ने स्पष्ट किया है कि घुसपैठियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें भारत की धरती पर रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि घुसपैठियों को अपने देश वापस लौट जाना चाहिए, क्योंकि भारत की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि असम में भाजपा सरकार बनने के बाद नक्सलवाद को पांच साल के एजेंडे में शामिल कर निर्णायक रूप से समाप्त करने की दिशा में काम

किया जाएगा।इंडिया एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट अत्यंत सफल रहा और 'एआई फॉर ऑल' के नारे के साथ संपन्न हुआ। उनके अनुसार, इस कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ और विभिन्न देशों के प्रमुखों ने भाग लिया, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज हुई।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण आयोजन को विफल करने की कोशिश की। पहले राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते थे और अब देश के भीतर भी ऐसा ही कर रहे हैं।

शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और यहां तक कि एनएसए लगाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता का अर्थ देश का विरोध करना नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के इस रवैये की समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे विपक्षी दलों के नेताओं ने भी निंदा की है और कांग्रेस को इस मामले में देश से माफी मांगनी चाहिए।

एसआईआर प्रक्रिया पर बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि यह एक आवश्यक और पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले कई ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची में बने रहते थे जिनका निधन हो चुका था, जिससे फर्जी मतदान की आशंका रहती थी।

'माघ मेले में भी नाबालिगों का यौन शोषण', अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ एफआईआर में शिकायतकर्ता का दावा

लखनऊ,22 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज की पोक्सो अदालत के आदेश पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके एक सहयोगी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। यह एफआईआर पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाए हैं कि माघ मेले में भी नाबालिगों का यौन शोषण हुआ था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 351(3) के अलावा लैंगिक अपराधों से जुड़ी 6 अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य के खिलाफ शिकायत तुलसी कुंज के आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने दर्ज कराई।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि 14 और 17 साल के दो नाबालिग लड़कों का स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में खुद स्वामी और उनके साथियों ने एक साल से ज्यादा समय तक बार-बार यौन शोषण किया। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब दो नाबालिग पीड़ित माघ मेले के दौरान उनके (शिकायतकर्ता) पास आए, उन्हें अपने यौन शोषण के बारे में बताया और पुलिस सुरक्षा पाने में भी उनकी मदद मांगी।

एफआईआर में शिकायतकर्ता ने दावा किया, अविमुक्तेश्वरानंद के दोनों शिष्यों ने उन्हें बताया कि महाकुंभ 2025 और माघ मेला 2026 के दौरान भी उनके साथ यौन शोषण हुआ था। उनसे कहा गया था कि वे इसे 'गुरु सेवा' के तौर पर लें और भविष्य में उन्हें इसका लाभ मिलेगा।

आरोप लगाए गए हैं कि दोनों नाबालिगों को आश्रम में अकेले या साथ में बिना कपड़ों के सोने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें धमकी दी गई, और फिर रात में उनका यौन शोषण किया गया।

सत्ता में बैठे लोग संविधान को खत्म करने की साजिश में हमें इसके खिलाफ रहना होगा सजग : तेजस्वी यादव

पटना,22 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे हुए लोग आज बाबा साहेब के संविधान को खत्म करने की साजिश में लगे हुए हैं। उन्होंने लोगों से इसके खिलाफ सजग रहने का आह्वान किया। रविदास चेतना मंच के तत्वावधान में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास के राज्य स्तरीय 649वें जयंती समारोह को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद ने हमेशा अपने पुरखों को सम्मान दिया। लालू यादव ने पुरखों के विचारों के आधार पर समाज को आगे बढ़ाने का कार्य किया, जबकि आज भाजपा के लोग समाज में नफरत बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर देश को कमजोर करने वाले कार्यों में लगे होने का आरोप लगाया।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने संत

शिरोमणि गुरु रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तारपूर्वक अपनी बातें रखी।उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार ने 16 प्रतिशत आरक्षण से शोषितों, वंचितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को वंचित रखा है। हम लोगों ने जातीय आधारित गणना कराकर 65 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर सभी के साथ न्याय किया, लेकिन महागठबंधन सरकार के बदलते ही डबल इंजन सरकार ने आरक्षण को फंसाने का कार्य किया।उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, रविदास और कबीर के विचारों को स्कूलों के सिलेबस में शामिल करवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा तथा इसके लिए सदन के अंदर और बाहर आवाज बुलंद की जाएगी।

राजद नेता ने आगे कहा कि बिहार में गरीबों, शोषितों, ठेला वालों और सब्जी वालों के घरों और दुकानों को उजाड़ा जा रहा है।बिहार में शराबबंदी अभियान को विफल बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से माफियाओं को संरक्षित किया जा रहा है।

आरटीआई तंत्र को पुनर्जीवित करने की तैयारी में कांग्रेस, राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए इसे मूल स्वरूप में बहाल करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक कॉन्क्लेव आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है। पार्टी के एआईसीसी विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग के अध्यक्ष अभिषेक सिंघवी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरटीआई कानून को उसकी मूल ताकत और स्वरूप में बहाल करना पार्टी का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि कानूनी कदमों के साथ-साथ एक राष्ट्रीय कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूर्व अधिकारी, आरटीआई कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और नीति विशेषज्ञ शामिल होंगे। उन्होंने

बताया कि इस कॉन्क्लेव के बाद एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें सुझाव और निष्कर्ष शामिल होंगे। इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाएगा और इसे विभिन्न हितधारकों, विधायकों तथा नागरिकों के साथ साझा किया जाएगा।सिंहवी ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार द्वारा आरटीआई कानून को टुकड़ों-टुकड़ों में कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरटीआई अधिनियम ने देश में पारदर्शिता की नई दिशा दी थी, लेकिन अब इसे डेटा संरक्षण प्रावधानों के नाम पर सूचना दबाकर कमजोर किया जा रहा है।एआईसीसी विधि विभाग ने चार नए कार्यक्रमों की घोषणा की है, जिनका उद्देश्य युवा वकीलों के साथ जुड़ाव बढ़ाना, कानूनी नेटवर्क को पुनर्जीवित करना और आरटीआई कानून के कथित कमजोर किए जाने के खिलाफ आवाज उठाने वालों को मंच देना है।

इन पहलों में लीगल फेलोज़ प्रोग्राम, विधि-मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग का पॉडकास्ट सीरीज़, रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स और 'आरटीआई अधिनियम को पुनः प्राप्त करने' के लिए राष्ट्रीय कॉन्क्लेव शामिल हैं।सिंहवी ने कहा कि कांग्रेस सिविल सोसाइटी के साथ मिलकर आरटीआई कानून को कमजोर किए जाने के खिलाफ अदालत में याचिका दायर कर रही है और वह स्वयं इस मामले में अदालत में पेश होकर पैरवी करेंगे।इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि सिंघवी और उनकी टीम द्वारा प्रस्तावित पहलें पार्टी और उसकी विचारधारा के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इन कार्यक्रमों के लिए एआईसीसी की ओर से पूर्ण वित्तीय समर्थन का संकेत भी दिया।

सिंघवी ने बताया कि रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स के तहत प्रत्येक जिले में कम से कम पांच वकीलों का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, जो जरूरत पड़ने पर पार्टी नेताओं को कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से जमीनी स्तर के नेताओं को कानूनी सहयोग देने के लिए है, जो अक्सर धमकी और दबाव का सामना करते हैं।

शरद पवार को पुणे के अस्पताल में फिर कराया गया भर्ती, सांसद सुप्रिया सुले ने दी जानकारी

पुणे,22 फरवरी (एजेंसियां)। एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार को रविवार को फिर से अस्पलात में भर्ती कराया गया है। सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। सुप्रिया सुले ने पोस्ट में लिखा कि हम बाबा को आगे की जांच और हाइड्रेशन के लिए पुणे के रूबी हॉल अस्पताल में भर्ती करा रहे हैं। सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का धन्यवाद। इससे पहले 9 फरवरी को शरद पवार को गंभीर खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भतीजे श्रीनिवास पवार ने जानकारी दी थी कि रविवार रात को ये लक्षण बढ़ गए,

जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया। रूबी हॉल अस्पताल के प्रमुख पुरवेज ग्रांट ने बताया था कि शरद पवार को खांसी हो रही है। हम जल्द ही उनकी जांच करेंगे और आवश्यक उपचार तय करेंगे। हम उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर निर्णय लेंगे।

हाल ही में विमान दुर्घटना में अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद शरद पवार मुंबई के बारामती और पुणे स्थित अपने आवासों के बीच यात्रा कर रहे थे। शरद पवार का 2004 से पहले मुख कैंसर का ऑपरेशन हुआ था। पिछले कुछ वर्षों में एनसीपी-एसपी प्रमुख ने भारत और अमेरिका दोनों जगह इस बीमारी से संबंधित कई ऑपरेशन करवाए हैं।9 फरवरी को उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी थी कि बाबा को सीने में जकड़न हो गई है और उन्हें 5 दिन तक एंटीबायोटिक्स लेनी होगी। उन्होंने बताया था कि सौभाग्य से, उनके (शरद पवार) अन्य सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य हैं।

भारत सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना लॉन्च करने वाला दुनिया का पहला देश

गांधीनगर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात राज्य में सांप के डसने से होने वाली मौतों को कम करने के लिए गुजरात सरकार के पास जल्द ही राज्य में पाए जाने वाले जहरीले सांपों से ही बना एंटीवेनम उपलब्ध होगा। सर्पदंश से होने वाली मौतों को कम करने की दिशा में यह कदम काफी प्रभावी सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि गुजरात सरकार ने दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर शहर में सर्प अनुसंधान केंद्र (स्नेक रिसर्च इंस्टीट्यूट-एसआरआई) की स्थापना की है। इस संस्थान में गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले जहरीले सांपों को लाया जाता है। अभी इस संस्थान में लगभग 460 जहरीले सांपों को रखा गया है। सांपों की देखभाल और जहर निकालने की प्रक्रिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की गाइडलाइन का पालन किया जाता है। सांप से निकाले गए जगह को आधुनिक टेक्नोलॉजी के जरिए प्रोसेस कर पाउडर में बदला जाता है। इस पाउडर की नीलामी कर उसे लाइसेंस वाले एंटीवेनम बनाने वाले निर्माताओं को दिया जाएगा। गुजरात सरकार निर्माताओं द्वारा पाउडर से बनाए गए एंटीवेनम को खरीदेगी और राज्य के विभिन्न हॉस्पिटलों को सर्पदंश के उपचार के लिए एंटीवेनम की आपूर्ति करेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए गहन उपाय किए जा रहे हैं और इसके लिए गुजरात में पाए जाने वाले जहरीले सांपों से ही प्राप्त जहर से एंटीवेनम बनाने का अहम कार्य प्रगति पर है।

सर्प अनुसंधान केंद्र ने हाल ही में गुजरात में पाए जाने वाले चार प्रमुख जहरीले सांपों की प्रजातियों- इंडियन कोबरा, कॉमन क्रेट, रसेल्स वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर- के लायोफिलाइज्ड (पाउडर स्वरूप में) जहर की ई-नीलामी की। इस नीलामी में लाइसेंस वाले एंटीवेनम बनाने वाले निर्माताओं ने हिस्सा लिया। इस संस्थान में रखे और संभाले गए जहरीले सांपों से निकाले गए जहर की गुणवत्ता इतनी अच्छी थी कि इस जहर के लिए अनुमान से भी अधिक ऊंचे दाम मिले।सर्प अनुसंधान केंद्र के एक उच्च अधिकारी ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया, इंडियन कोबरा के जहर के लिए प्रति ग्राम 40,000 रुपए का आधार मूल्य निर्धारित किया गया था, लेकिन हमें प्रति ग्राम 44,000 रुपए प्राप्त हुए। सॉ-स्केल्ड वाइपर के जहर के लिए प्रति ग्राम 50,000 रुपए के आधार मूल्य के मुकाबले हमें 56,500 रुपए मिले। दूसरी प्रजातियों के लिए भी बेहतर प्रतिक्रिया के साथ ऊंचे दाम मिले।

सर्प अनुसंधान केंद्र के उपाध्यक्ष डॉ. डी.सी. पटेल ने कहा, सर्पदंश के उपचार में मुख्य चुनौती अलग-अलग क्षेत्र के हिसाब से सांप के जहर का बदल जाना है। कई बार दूर-सूदुर क्षेत्र से लाए गए जहर से बनाया गया एंटीवेनम कम प्रभावी सिद्ध होता है। इस समस्या के समाधान के लिए गुजरात सरकार ने सर्प अनुसंधान केंद्र की स्थापना की है और यहां गुजरात में पाए जाने

वाले जहरीले सांप की प्रजातियों से जहर एकत्रित कर एंटीवेनम तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। हमें उम्मीद है कि गुजरात में पकड़े गए सांप के जहर से बने एंटीवेनम सर्पदंश के उपचार में और अधिक कारगर साबित होंगे।डॉ. डी.सी. पटेल एक जनरल सर्जन हैं, और सर्पदंश के उपचार में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। वे धरमपुर में एक हॉस्पिटल चलाते हैं और सर्पदंश पीड़ितों का उपचार करते हैं। सर्पदंश के उपचार में उनकी सफलता की दर 98 फीसदी से अधिक है। उन्होंने पिछले 35 वर्षों के दौरान सांप के डसने के हर केस का दस्तावेजीकरण भी किया है।डॉ. पटेल ने आगे कहा, यहां रखे गए सांपों से प्राप्त किया गया जहर उच्च गुणवत्ता वाला है, क्योंकि हमारा संस्थान डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों का अनुसरण करता है। संस्थान द्वारा मुहैया कराए गए जहर से तैयार एंटीवेनम उपलब्ध होने से राज्य में सांप के डसने से होने वाली मौतों में कमी आने की आशा है।सर्प अनुसंधान केंद्र (एसआरआई), गांधीनगर स्थित गुजरात फॉरेस्ट्री रिसर्च फाउंडेशन (जीएफआरएफ) के अधीन कार्य करता है। वहीं, जीएफआरएफ, गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है। सर्प अनुसंधान केंद्र राज्य में सांप के डसने से होने वाली मौतों को कम करने के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और जनजागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करता है।

सर्प अनुसंधान केंद्र को आगामी समय में विश्व स्तरीय संस्थान बनाने की योजना बनाई जा चुकी है। वलसाड जिला कलेक्टर ने इस संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण और उससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 2.25 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। इस संस्थान को विश्व स्तरीय केंद्र के तौर पर विकसित करने के लिए 11.68 करोड़ रुपए का प्रस्ताव गुजरात सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।देश में एंटीवेनम बनाने के लिए सांप से जहर निकालने का काम अभी तमिलनाडु स्थित इरुला स्नेक कैचर्स इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. करती है। धरमपुर स्थित सर्प अनुसंधान केंद्र अब इस कार्य को करने वाला देश का दूसरा संस्थान बन गया है।भारत सर्पदंश एन्वेनोमिंग के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना बनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने मार्च 2024 में 'नेशनल एक्शन प्लान फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ स्नेकबाइट एन्-वेनोमिंग (एनएपी-एसई)' यानी सर्पदंश से फैलने वाले जहर की रोकथाम और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना लॉन्च की। यह व्यापक फ्रेमवर्क राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को अपनी कार्य योजना बनाने के लिए मार्गदर्शन देता है। इसका मुख्य उद्देश्य 2030 तक सांप के डसने से होने वाली मौतों और दिव्यांगता को 50 फीसदी तक कम करना है। गुजरात का सर्प अनुसंधान केंद्र इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।सर्प अनुसंधान केंद्र लोगों में सर्पदंश के बारे में जागरूकता फैलाने का काम भी करता है। अब तक लगभग 300 से अधिक स्थानीय स्नेक रेस्क्यूअर्स (सांप बचावकर्मी) और 23 जिलों में 1495 से अधिक डॉक्टरों एवं मेडिकल ऑफिसरों को सर्पदंश प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रयास, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तत्काल प्रतिक्रिया एवं उपचार के परिणामों में सुधार लाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

सर्प अनुसंधान केंद्र (धरमपुर) जागरूकता कार्यक्रम चलाता है। शिक्षकों को प्रशिक्षण देता है और स्थानीय पंचायतों के साथ मिलकर सांप से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर करने तथा सुरक्षित तरीकों को बढ़ावा देने का काम करता है। संस्थान ने 'स्नेक्स ऑफ वलसाड' नामक फोटोग्राफिक फील्ड गाइड प्रकाशित की है और इस संदर्भ में एक वृत्तचित्र भी तैयार किया है।

आर्यन खान को मिला बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर

सितंबर में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ने अपनी तेज-तर्रार कॉमेडी और दिलचस्प कहानी के कारण दर्शकों का ध्यान खींचा। ये शो नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 पर पहुंचा और ग्लोबल टॉप 10 (नॉन-इंग्लिश शो) में भी जगह बनाई। इतना ही नहीं, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर इसके पोस्टर दिखना इस बात का सबूत है कि ये सीरीज सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रही है।

सीरीज की जबरदस्त सफलता के बाद, आर्यन खान को 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के लिए 'बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला। ये अवॉर्ड उन्हें 75वीं सालगिरह के खास मौके पर दिया गया और उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सम्मानित किया गया। ये उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि है।

आर्यन खान ने इस सीरीज को खुद लिखा और डायरेक्ट किया। इसे गौरी खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया। इसमें लक्ष्य ललवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, सहेर, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए।

आर्यन खान ने अपने डेब्यू में ही फिल्म मेकिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की सफलता और बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड उनके करियर की बड़ी उपलब्धि है। सीएम देवेंद्र फडणवीस द्वारा सम्मानित होना उनके लिए गर्व का पल है और दर्शाता है कि नया टैलेंट इंडस्ट्री में तेजी से अपना मुकाम बना सकता है।हाल ही में उन्हें एनडीटीवी इंडियन ऑफ द ईयर 2025' में भी इसी सीरीज के लिए 'डेब्यू डायरेक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला था।

आर्यन खान ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से सफलता हासिल करने के बाद अब अपने पहले बड़े पर्दे के प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। यह फिल्म पूरी तरह से एंटरटेनिंग होगी और दर्शकों को मनोरंजन का पूरा अनुभव देने का दावा करती है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को 2026 में फ्लोर पर लाया जाएगा।

यह उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है क्योंकि यह उनके लिए बड़े परदे पर कदम रखने का मौका है। और इंडस्ट्री में उनकी पहचान को और मजबूत करेगा। फैंस इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं और बेसब्री से इसकी घोषणा और रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

माँ देने वाली थीं जहर : वैष्णवी मैकडोनाल्ड

शक्तिमान के जरिए वैष्णवी मैकडोनाल्ड घर-घर में जाना-पहचाना चेहरा बन गई थीं। लेकिन, एक्ट्रेस का बचपन बहुत ही स्ट्रगल से भरा हुआ है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने खराब एक्सपीरिएंस को शेयर किया। पेरेंट्स के बीच चल रहे लड़ाई-झगड़ों की वजह से वैष्णवी की शुरुआती पढ़ाई भी काफी प्रभावित हुई थी।

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा,'मां-बाप के झगड़ों की वजह से हम होटलों में रहते थे। हम एक होटल से दूसरे होटल जाते रहते थे। मैं स्कूल कैसे जा सकती थी। मैं पढ़ाई में बहुत अच्छी थी, मैं वैज्ञानिक बनना चाहती थी।'

वैष्णवी ने कहा कि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। एक्ट्रेस ने कहा कि जब उनका परिवार हैदराबाद के एक छोटे से घर में किराए पर रहने लगा और उनकी लाइफ थोड़ी अच्छी होने लगी। तभी अचानक से उनके पिता गायब हो गए थे।

वैष्णवी ने कहा,'14 साल की उम्र में मैंने भगवान से प्रार्थना करना शुरू किया, उनसे पूछा कि क्या उन्हें हमारी परेशानियां दिखाई नहीं दे रही हैं। दो-तीन महीने के अंदर ही मेरे पिता गायब हो गए। हम उनका पता नहीं लगा पाए।' एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी मां ने किसी से उधार पैसे लिए और उन्हें और उनकी बहन को लेकर मुंबई पहुंच गईं, ताकि अपने पति की तलाश कर सकें। इस दौरान वो एक लॉज में रहने लगीं। जब किराया देने और खाने के लिए पैसा नहीं बता तो उनकी मां ने तीनों की जान लेने का सोचा। वैष्णवी ने बताया कि जब मैं 16 साल की थी और मेरी बहन 12 की तब मैं हमें जहर खिलाने वाली थी। क्योंकि वो नहीं चाहती थीं कि हम किसी गलत हाथ में पड़ जाएं। वैष्णवी ने बताया कि उनकी मां काफी परेशान थीं और वो उन्हें एक चर्च में लेकर गईं। उसी एक पल के बाद उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया। एक्ट्रेस ने कहा कि एक अलौकिक अनुभव हुआ मुझे। ईश्वर की शक्ति को मैंने महसूस किया और रोने लगी।' जब वो घर वापस आए तो उन्हें अपने गेट पर नए-नए 100 रुपये के नोटों का एक बंडल मिला, बिल चुकाने के लिए उतने ही पैसे की जरूरत थी।

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी रिलीज से पहले ही घिरी विवादों में

27 फरवरी को रिलीज होने वाली फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' का टीजर सामने आते ही विवादों का दौर शुरू हो गया है। यादव समाज ने फिल्म के नाम और उसमें दिखाए गए कुछ सीन पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विरोध शुरू कर दिया है। वहीं इस बहस में फेमस यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव भी शामिल हो गए हैं।

यादव समाज का कहना है कि मनोरंजन के नाम पर किसी खास समुदाय की गरिमा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका आरोप है कि फिल्म में उनके समुदाय की छवि को गलत तरीके से दिखाया गया है। जिससे समाज की भावनाओं और सम्मान को ठेस पहुंचती है। समाज ने साफ कहा कि जब तक विवादित सीन हटाए नहीं जाते और कंटेंट में सुधार नहीं किया जाता है तब तक फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होने देंगे।

इस पूरे विवाद पर नजर रखते हुए एल्विश यादव ने अब चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'द' पर लिखा कि अगर फिल्म में ऐसा सीन है जिससे यादव समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचती है तो प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को सोच-समझकर बदलाव करना चाहिए। उन्होंने मेकर्स से उम्मीद जताई कि वे सभी चिंताओं को जिम्मेदारी से सुलझाएंगे और लोगों की भावनाओं का सम्मान करेंगे।

एल्विश यादव का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वजह ये है कि वे खुद यादव समुदाय से आते हैं और युवाओं के बीच उनकी अच्छी पैठ है। काफी समय से सोशल मीडिया पर लोग उनके रिएक्शन का इंतजार कर रहे थे। उनके दखल ने विवाद को और सुर्खियों में ला दिया है और फिल्म के मेकर्स पर दबाव बढ़ा दिया है। फिलहाल 'यादव जी की लव स्टोरी' की रिलीज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यादव समाज रिलीज रोकने पर अड़ा हुआ है और मेकर्स पर बदलाव करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि निर्माता-निर्देशक समाज की मांगों को मानते हैं और फिल्म में सुधार करते हैं या ये मामला कानूनी लड़ाई में बदल जाएगा।

44 साल के करण सिंह ग्रोवर ने की 3 शादी, 2 तलाक
जानिए उनके इश्कबाजी के किस्से

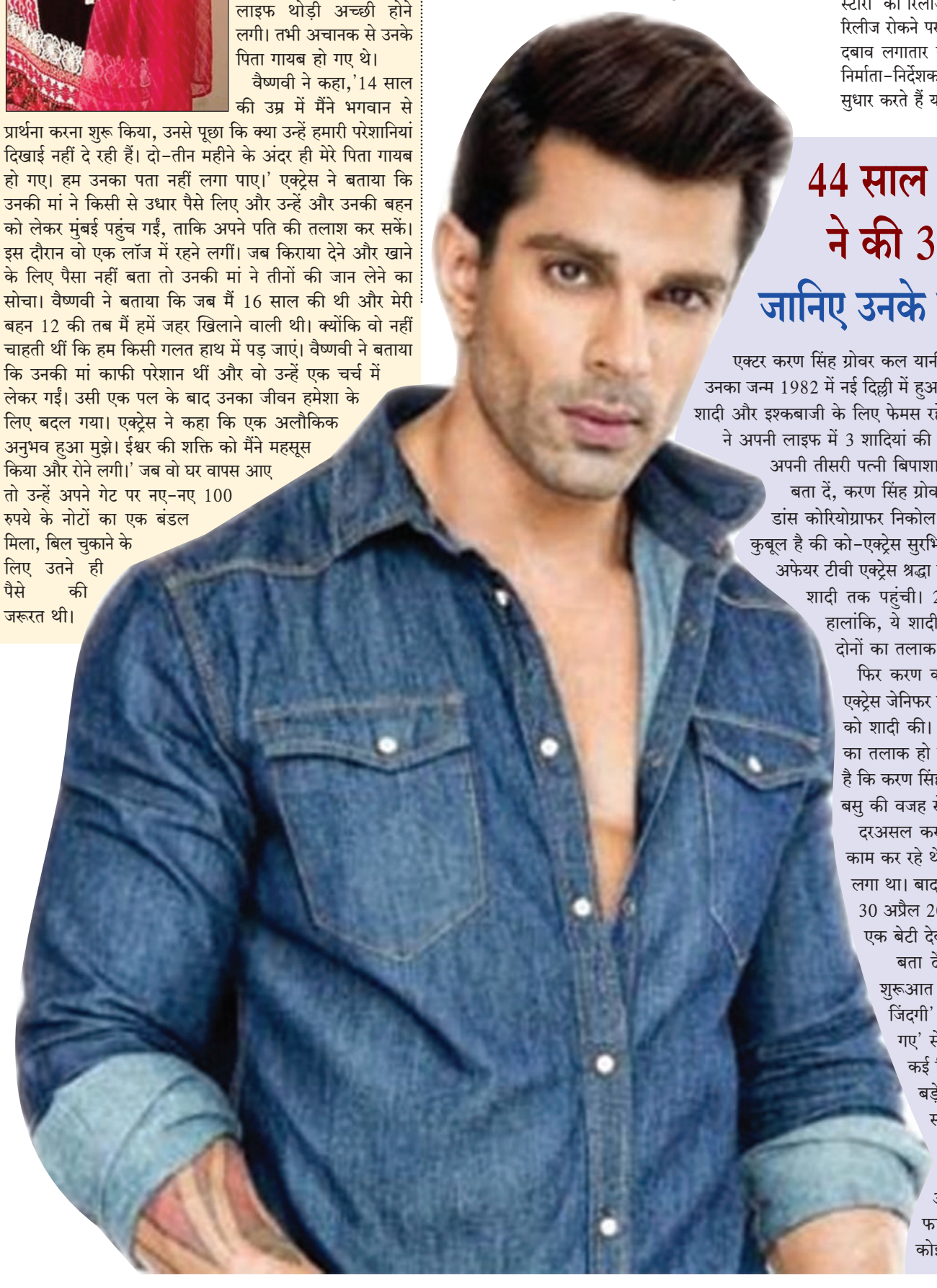

एक्टर करण सिंह ग्रोवर कल यानी 24 फरवरी को 44 साल के होने वाले हैं। उनका जन्म 1982 में नई दिल्ली में हुआ था। करण एक्टिंग से ज्यादा अपने अफेयर्स, शादी और इश्कबाजी के लिए फेमस रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि करन ने अपनी लाइफ में 3 शादियां की है। उनके 2 तलाक हो चुके हैं और अब वो अपनी तीसरी पत्नी बिपाशा बसु के साथ रहते हैं।

बता दें, करण सिंह ग्रोवर काफी आशिक मिजाज रहे हैं। उनका नाम डांस कोरियोग्राफर निकोल अल्वारेस के साथ जुड़ा। कहा जाता है कि कुबूल है की को-एक्ट्रेस सुरभि ज्योति से भी उन्हें प्यार हो गया था। उनका अफेयर टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा निगम के साथ रहा। दोनों के प्यार की मंजिल शादी तक पहुंची। 2 दिसंबर 2008 को कपल ने शादी की। हालांकि, ये शादी ज्यादा नहीं चल पाई और 10 महीने बाद दोनों का तलाक हो गया।

फिर करण को टीवी शो कसौटी जिंदगी की, की को-एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट से प्यार हुआ। दोनों ने 9 अप्रैल 2012 को शादी की। ये शादी 2 साल चली और 2014 में दोनों का तलाक हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसा कहा जाता है कि करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट की शादी बिपाशा बसु की वजह से टूटी थी।

दरअसल करण तब बिपाशा के साथ फिल्म 'अलोन' में काम कर रहे थे। उसी दौरान दोनों का नाम साथ जोड़ा जाने लगा था। बाद में करण ने जेनिफर से तलाक ले लिया और 30 अप्रैल 2016 को दोनों ने शादी की। 2022 को कपल एक बेटी देवी बसु सिंह के पेरेंट बने।

बता दें, करण सिंह ग्रोवर ने एक्टिंग करियर की शुरूआत एकता कपूर के टीवी शो 'कितनी मस्त है जिंदगी' से, लेकिन असली पहचान उन्हें 'दिल मिल गए' से मिली। इसके बाद उन्होंने 'कबूल है' और कई हिट टीवी शो में काम किया और छोटे पर्दे के बड़े स्टार बन गए। करण सिंह ग्रोवर ने टीवी सीरियलों के अलावा फिल्मों में भी काम किया। 2008 में उन्होंने फिल्म भ्रम से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके अलावा वे आईएम 24, अलोन, हेट स्टोरी 3 और फाइटर में काम किया। फिलहाल उनके पास कोई फिल्म का ऑफिस नहीं है।

उल्का गुप्ता फिल्म केरला स्टोरी 2 में आएंगी नजर

फिल्म 'द केरल स्टोरी' की कहानी ने दर्शकों के झकझोंर कर रख दिया था। अब इस फिल्म के मेकर्स ने दूसरे पार्ट का भी ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर 'द केरल स्टोरी 2' का फर्स्ट लुक शेयर किया गया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस उल्का गुप्ता नजर आने वाली हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कौन है ये हसीना।

उल्का गुप्ता टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2009 में टीवी शो '7 फेरे' से की थी।

इसके बाद उन्होंने कई पॉपुलर टीवी शोज और फिल्मों में काम किया। खास तौर पर टीवी सीरियल 'झांसी की रानी' में उनके अभिनय ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

उल्का ने महज 12 साल की उम्र में 'झांसी की रानी' शो में रानी लक्ष्मीबाई के बचपन, यानी मनु का किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्हें कई अवॉर्डस और सराहनाएं भी मिलीं है कम उम्र में ही उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था।

टीवी के अलावा उल्का गुप्ता ने तेलुगु, बंगाली और मराठी भाषा की फिल्मों में भी काम किया है उनकी यह फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' उनके फिल्मी करियर की दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म मानी जा रही है।

इसके अलावा वह बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर रणबीर कपूर सहित कई नामी कलाकारों के साथ भी काम कर चुकी हैं, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि है।

अपने अभिनय, मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने छोटे शहर से निकलकर बड़े पर्दे तक का सफर तय किया है, अब दर्शकों को 27 फरवरी का इंतजार है, जब 'द केरल स्टोरी 2' के जरिए उल्का एक बार फिर अपने अभिनय का जादू बिखेरती नजर आएंगी। बता दें उल्का सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। जहां वो आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है। इंस्टाग्राम पर उनके 507k फॉलोअर्स हैं।

शनि की राशि कुंभ में मंगल का गोचर: सभी राशियों पर पड़ेगा असर

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को ऊर्जा, साहस, पराक्रम और कार्यक्षमता का प्रतीक माना गया है। जब भी मंगल अपनी राशि बदलते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नौकरी, व्यापार, सामाजिक रिश्तों और मानसिक स्थिति पर भी साफ दिखाई देता है। पंचांग के अनुसार 23 फरवरी 2026 को रात 11 बजकर 33 मिनट पर मंगल शनि की राशि कुंभ में प्रवेश करेंगे। कुंभ राशि विचार, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों से जुड़ी मानी जाती है, ऐसे में मंगल का यहां आना कई लोगों के लिए तेजी और नए अवसर लेकर आएगा, जबकि कुछ राशियों को धैर्य और संयम से काम लेने की जरूरत पड़ेगी। इस गोचर का असर सभी 12 राशियों पर अलग-अलग रूप में देखने को मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए मंगल का यह गोचर कार्यक्षेत्र में तेजी लेकर आएगा। लंबे समय से जो प्रयास किए जा रहे थे, उनमें अब गति दिखाई दे सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और कुछ को पद से जुड़ा सम्मान भी मिल सकता है। व्यापार में प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी, लेकिन सही योजना से आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। आमदनी के साथ खर्च भी बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। पारिवारिक और निजी रिश्तों में समझ बेहतर होगी और आत्मविश्वास मजबूत बना रहेगा।

वृषभ राशि– वृषभ राशि के लोगों के लिए यह गोचर थोड़ा दबाव भरा रह सकता है। नौकरी में काम का बोझ बढ़ेगा और मन में असंतोष की भावना रह सकती है। व्यापार में पुराने तरीकों पर अड़े रहने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। खर्चों में बढ़ोतरी से बजट प्रभावित हो सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और रिश्तों में गलतफहमी से बचने के लिए संवाद पर ध्यान देना होगा।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों को करियर में धैर्य रखने की जरूरत पड़ेगी। तरक्की के अवसर मिलेंगे, लेकिन उनमें समय लग सकता है। व्यापार में मुकाबला तेज रहेगा, इसलिए रणनीति में बदलाव करना फायदेमंद रहेगा। धन से जुड़े मामलों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। निजी रिश्तों में अहंकार के कारण तनाव की स्थिति बन सकती है, इसलिए बातचीत में संयम रखना जरूरी होगा। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

कर्क राशि– कर्क राशि के लिए मंगल का कुंभ गोचर कुछ अस्थिरता ला सकता है। कार्यस्थल पर माहौल तनावपूर्ण रह सकता है और निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। व्यापार में रुकावटें सामने आ सकती हैं। खर्च बढ़ने से आर्थिक दबाव महसूस होगा। पारिवारिक और वैवाहिक रिश्तों में मतभेद की संभावना है। सेहत के मामले में थकान और मानसिक तनाव परेशान कर सकता है।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए यह गोचर सकारात्मक संकेत देता है। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं और बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ने का मौका मिलेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी और सामाजिक पहचान भी बढ़ सकती है। आमदनी के साथ खर्च भी रहेगा, लेकिन स्थिति नियंत्रण में रहेगी। परिवार में खुशी का माहौल बनेगा और सेहत सामान्य से बेहतर बनी रह सकती है।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों के लिए मंगल

का गोचर धीरे-धीरे सुधार लेकर आएगा। काम में फोकस बढ़ेगा और नौकरी में स्थिरता महसूस होगी। व्यापार में मुनाफा मध्यम रहेगा, लेकिन नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, हालांकि अनावश्यक खर्च से बचना जरूरी होगा। रिश्तों में समझ और सहयोग बना रहेगा।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों को मेहनत का फल मिलने की संभावना है। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन फैसले सोच-समझकर लेने होंगे। व्यापार में लाभ सीमित रहेगा, हालांकि नई योजनाओं पर विचार किया जा सकता है। धन का संतुलन बना रहेगा, लेकिन बचत कम हो सकती है। रिश्तों में मनमुटाव से बचने के लिए संवाद में सावधानी रखें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लिए यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। पारिवारिक माहौल में तनाव बढ़ सकता है और करियर में रुकावटें सामने आ सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाने में कठिनाई आ सकती है। व्यापार में अपेक्षा से कम लाभ होगा और खर्च बढ़ सकते हैं। निजी रिश्तों में बहस की स्थिति बन सकती है, इसलिए संयम जरूरी होगा।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए मंगल का यह गोचर शुभ संकेत देता है। करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं और आय में सुधार के संकेत हैं। व्यापार में नए प्रोजेक्ट मिलने से लाभ की स्थिति बनेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और भविष्य के लिए योजना बनाना आसान होगा। रिश्तों में तालमेल अच्छा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि – मकर राशि के लोगों को इस दौरान धैर्य रखना होगा। करियर में पहचान मिलने में समय लग सकता है और काम की गति धीमी रह सकती है। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पारिवारिक जरूरतों पर खर्च बढ़ सकता है। रिश्तों में बहस की संभावना है, इसलिए संतुलित रवैया अपनाना जरूरी होगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि में ही मंगल का गोचर होने से इस राशि के जातकों पर असर ज्यादा महसूस होगा। निजी और पेशेवर जीवन में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। करियर में बड़ी उपलब्धि पाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी होगी। व्यापार में फैसले सोच-समझकर लें, वरना नुकसान हो सकता है। आमदनी सीमित रह सकती है और खर्च बढ़ सकता है। रिश्तों में गलतफहमी से बचना जरूरी होगा।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के लिए यह समय आत्मविश्वास की परीक्षा ले सकता है। करियर में बड़ी सफलता मिलने की संभावना कम रहेगी, लेकिन प्रयास जारी रखने होंगे। व्यापार में मुनाफा सीमित रहेगा। आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। रिश्तों में भावनात्मक दूरी आ सकती है, इसलिए धैर्य और समझ से काम लेना जरूरी होगा। सेहत का ध्यान रखें और पर्याप्त आराम करें।

मंगल गोचर से कुंभ राशि में बनेगा पंचग्रही योग कन्या समेत अन्य राशियों का होगा मंगल ही मंगल

कुंभ राशि में 23 फरवरी मंगल के गोचर से पंचग्रही योग बनने जा रहा है। साहस और ऊर्जा के कारक मंगल के कुंभ राशि में गोचर से इस अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली योग का निर्माण होगा। जहां पहले से ही सूर्य, बुध, शुक्र और राहु विराजमान है। इन पांच ग्रहों का एक ही राशि में युति करना व्यापकर असर डालने वाला होगा। शनि की राशि कुंभ में बनने वाले पंचग्रही योग से मेष, वृष, कन्या, धनु और कुंभ राशि के जातकों को लाभ के अप्रत्याशित अवसर प्राप्त होंगे।

मेष राशि: कई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है

मेष राशि के 11वें भाव में पंचग्रही योग का निर्माण हो रहा है। इस दौरान आपको साझेदारी वाले कार्यों में जबरदस्त लाभ प्राप्त होगा। टीम वर्क से आपको सफलता प्राप्त होगी। इस दौरान आपको कई बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। करियर के लिहाज से यह अवधि आपकी महत्वकांशाओं की पूर्ति कराने वाली रहेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। कुंभ राशि में इन पांच ग्रहों की युति मेष राशि के व्यापारियों के लिए वरदान साबित होगी। आपको अपने नेटवर्क से अपार लाभ होगा और एक साथ कई रास्तों से धन प्राप्त होगा।

वृषभ राशि: नौकरी में प्रमोशन का योग

पंचग्रही योग वृषभ राशि के दसवें भाव में बनेगा। यह योग करियर में आपको बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरिक करेगा, जो आगे चलकर आपको मान-सम्मान दिलाएगा। इन ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपको नौकरी में प्रमोशन, और कोई बड़ी जिम्मेदारी प्राप्त हो सकती है। व्यापार बढ़ाने की सोच रहे जातकों के लिए यह अवधि अधिक लाभकारी रहने वाली है। आपके अनुभव को देखते हुए टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी भी आपको मिलती हुई दिख रही है। करियर में उन्नति और वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। कमाई में भी आपको उछाल देखने को मिलेगी।

मिथुन राशि: कई क्षेत्रों में मिलेगा लाभ

मिथुन राशि वालों की कुंडली के नौवें भाव में पंचग्रही योग का निर्माण होगा। ऐसे में करियर से जुड़ी यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। विदेश से जुड़ा व्यापार करने वाले जातकों को अच्छा मुनाफा होगा। पिछले जन्म के अच्छे कर्मों का भी आपको लाभ मिलेगा। पांच ग्रहों के एक साथ आने से कई क्षेत्रों में आपको लाभ मिलेगा। आपका झुकाव टेक्नोलॉजी, कानून और सामाजिक कार्यों में अधिक लगेगा। आर्थिक मामलों में शॉर्टकट की बजाय लगातार किए जा रहे प्रयासों से सफलता मिलेगी। शिक्षा से जुड़ी यात्राएं भी आपको करनी पड़ सकती हैं।

कन्या राशि: कानूनी मामलों में जीत मिलेगी

कन्या राशि वालों के छठे भाव में पंचग्रही योग बन रहा है। इस दौरान आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। इसके शुभ प्रभाव से आपको विरोधियों और कानूनी मामलों में जीत मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को सफलता प्राप्त होगी। पेशेवर जीवन के लिए इस पांचों ग्रहों की युति शुभ और लाभकारी रहने वाली है। हालांकि कुछ छोटे-मोटे खर्चे भी हो सकते हैं। इस का कुछ अधिक असर आपकी आर्थिक स्थिति पर नहीं पड़ेगा। पारिवारिक जीवन में थोड़ी जिम्मेदारियां बढ़ेंगे।

धनु राशि: निरंतर प्रयास से आय में वृद्धि होगी

धनु राशि के जातकों के लिए पंचग्रही योग तीसरे भाव में बन रहा है। इस दौरान आपका साहस और संवाद कौशल जबरदस्त रूप से बढ़ेगा। आप अपने आर्थिक फैसलों में सफल रहेंगे। करियर के लिहाज से कुंभ राशि में मंगल, सूर्य, बुध, शुक्र और राहु की युति आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खोलेगी। पत्रकारिता और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों का प्रभाव बढ़ेगा। निरंतर प्रयास से आपकी आय में वृद्धि होगी। धनु राशि के जातकों को जल्दबाजी से बचना होगा। बिना सोचे समझे लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

हथेली में मौजूद शनि पर्वत से जानें वर्तमान और भविष्य कैसा शनि पर्वत है भाग्यशाली होने का संकेत?

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिस प्रकार कुंडली में सभी ग्रहों की दशा देखकर व्यक्ति के स्वभाव, वर्तमान और भविष्य के बारे में पता लगाया जाता है। उसी प्रकार हस्तरेखा शास्त्र में हथेली पर मौजूद ग्रहों के पर्वतों का स्थान और स्थिति देखकर वर्तमान व भविष्य के बारे में पता लगाया जाता है। आज हम आपको हथेली पर मौजूद शनि पर्वत के बारे में बताएंगे जिसका स्थान मध्यमा उंगली के मूल में होता है। यह पर्वत हमारे जीवन से जुड़े कई रहस्य बता सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें शनि पर्वत के बारे में और साथ ही यह भी जानें की किस प्रकार का शनि पर्वत भाग्यशाली होने का संकेत देता है।

हथेली में विकसित शनि पर्वत

अगर हथेली में शनि पर्वत विकसित हो तो ऐसे जातक एकांत में रहना अधिक पसंद करते हैं। साथ ही, ये लोग जीवन में अपने लक्ष्य पर बहुत अधिक फोकस रखते हैं। इसी के चलते घर-गृहस्थी पर भी बहुत कम ध्यान दे पाते हैं। स्वभाव से ऐसे लोग गंभीर प्रवृत्ति के हो सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे लोग बढ़ती उम्र के साथ रहस्यवादी बनने लगते हैं।

हथेली में शनि पर्वत का अभाव

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हथेली में अगर शनि पर्वत का अभाव हो यानी वह अविकसित हो तो इन्हें जीवन में विशेष सफलता या सम्मान प्राप्त करने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी पड़ती है। कड़ी मेहनत के बावजूद अपेक्षित सफलता न मिलने से ये निराश भी हो सकते हैं।

पूर्ण रूप से विकसित शनि पर्वत

मध्यमा उंगली को भाग्य की देवी भी कहा जाता है। इसके पीछे का कारण है की इसी उंगली के मूल में भाग्य रेखा जाकर समाप्त होती है। ऐसे में अगर शनि पर्वत हथेली में पूर्ण रूप से विकसित हो तो ऐसे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। जीवन में ये लोग अपनी मेहनत और निरंतर प्रयास से बड़ी सफलता हासिल करते हैं। ऐसे लोग धन बचाने वाले और अचल संपत्ति में विश्वास रखने वाले होते हैं।

हथेली में अत्यधिक विकसित शनि पर्वत

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली में शनि पर्वत अत्यधिक विकसित हो तो ऐसे जातक अपने जीवन में कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं। अप्रिय कार्यों से इन्हें बचने की आवश्यकता होती है क्योंकि इस प्रकार के पर्वत को अच्छा संकेत नहीं माना जाता है। इस प्रकार के पर्वत पर पीलापन नजर आ सकता है।

शनि पर्वत का गुरु और सूर्य की ओर झुकाव

अगर शनि पर्वत गुरु पर्वत की ओर झुका हुआ हो तो इसे बहुत शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे जातकों को समाज में खूब मान-सम्मान और एक खास स्थान प्राप्त होता है। वहीं, अगर शनि पर्वत सूर्य की ओर झुका हुआ हो तो ऐसे लोग भाग्य पर अधिक भरोसा कर सकते हैं। इन्हें धन की कमी का सामना भी कई बार करना पड़ सकता है। व्यापार के क्षेत्र में सतर्क रहना आवश्यक होता है।

मार्गदर्शन तब तक अधूरा रहता है, जब तक आप बुद्धि-विवेक से सही निर्णय नहीं लेते

ज्योतिष, वास्तु और अध्यात्म प्राचीन विज्ञान है, जो ऊर्जा के सिद्धांतों पर आधारित है। आधुनिक समय में इन प्राच्य विद्याओं का प्रयोग वर्तमान सामाजिक गतिविधि एवं शिक्षा के साथ करने पर आज भी इनका प्रभाव लाभदायक होता है।

अपने सर्वश्रेष्ठ गुणों को जानो- अपनी विलक्षण योग्यता को प्रोत्साहित करो और बाक़ियों को सींचते रहो, सभी लोग किसी न किसी क्षेत्र में नाम कमा लेते यदि वे जानते कि वह क्या कुछ कर गुज़र सकते थे। ज्योतिष शास्त्र प्रत्येक व्यक्ति की सहायता करता है, ताकि वह अपने सर्वश्रेष्ठ गुणों को समाज के सामने प्रस्तुत कर सके। सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय का चयन करना हो, अथवा जीवनसाथी का सही चयन, ज्योतिष शास्त्र का मार्गदर्शन आपके लिए कल्याणकारी है।

अतिशयोक्ति से कभी कार्य मत कीजिए- अतिशयोक्तियों से सत्य का मान कम होता है और आप के विवेक पर संदेह होता है। विद्वानों के अनुसार दूरदर्शी लोग संयम से काम लेते हैं और नाप तोल कर बात कहते हैं। किसी भी चीज़ का अतिशय मूल्यांकन करना एक तरह का झूठ है, इससे अच्छी अभिरुचि और बुद्धिमत्ता की ख्याति को नुकसान पहुंच सकता है।

उपायों एवं अपने जीवन के रहस्यों को सार्वजनिक न करें- पाश्चात्य लेखकों का मानना है कि अधिक स्पष्ट होना न तो लाभदायक है और न ही रुचिकर। इसलिए तुरन्त अपना मत व्यक्त न करके आप लोगों को अनुमान लगाने के लिए छोड़ दीजिए। घोषित होने पर सभी संकल्प आलोचना को आमंत्रित कर बैठते हैं, यदि वे अच्छे सिद्ध न हुए तो आप का दुर्भाग्य दुगुना हो जाएगा।

अपने आसपास के लोगों के अनुरूप ढलिए- जिस चीज़ के लिए जितना प्रयास चाहिए उससे अधिक न कीजिए, प्रतिदिन दिखावा मत कीजिए, नहीं तो लोग ध्यान देना बंद कर देंगे, कोई न कोई नवीनता बची रहनी चाहिए।

विज्ञान के अनुसार जिस वस्तु को बनने में जितनी मात्रा की ऊर्जा लगी है, उस वस्तु को बिगड़ने या विध्वंस होने पर उतनी ही मात्रा की ऊर्जा निकलेगी। यानी जिस व्यक्ति या वस्तु से जितनी मात्रा का सुख मिलता है, उसके विपरीत होने पर या उसके अभाव से या उसके खो जाने पर उसी व्यक्ति या वस्तु से उतनी ही मात्रा का दुःख मिलेगा, न एक प्रतिशत कम न एक प्रतिशत ज्यादा।

शुभ अवसरों पर शगुन देते समय क्यों जोड़ा जाता है 1 रुपया

विवाह आदि में अथवा गुरु दक्षिणा अथवा पूजा-पाठ की दक्षिणा देते समय लोग अक्सर 500 रुपए की बजाय 501 रुपए, 100 के साथ 1 रुपया जोड़कर 101 रुपए इत्यादि देना शुभ मानते हैं, मात्र एक रुपया अतिरिक्त जोड़ देने से राशि शगुन बनकर कल्याणकारी हो जाती है। इस प्रक्रिया से शुभ शगुन देने वाले और शुभ शगुन लेने वाले दोनों की सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय रहती है और उनके बीच का संबंध भी मजबूत होता है। जब किसी राशि या संख्या के साथ 1 जोड़ा जाता है, जैसे 101, 501, 1101, 11 या 21, तो वह शून्य की निष्क्रियता से निकलकर सक्रियता की स्थिति में आ जाती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो कंप्यूटर की संपूर्ण भाषा बाइनरी सिस्टम पर आधारित है, जिसमें केवल दो संकेत होते हैं, 0 और 1, शून्य का अर्थ है निष्क्रिय अवस्था, एक का अर्थ है गतिमान अवस्था। जब कम्प्यूटर में किसी प्रोग्राम को 0 का संकेत मिलता है, तो वह समझता है कि प्रक्रिया रोकनी है, वहीं 1 का संकेत मिलने पर वह प्रक्रिया को जारी रखता है।

इसी ब्रह्माण्डीय सिद्धांत का रहस्य एवं महत्व ऋषि-महर्षियों को वर्षों पहले से पता था। प्राचीन भारतीय ऋषियों ने संख्याओं के इस विशेष प्रभाव को आमजनमानस में शुभ शगुन के रूप में प्रसारित किया। उनका मानना था कि किसी भी शुभ कार्य में पूर्णता के साथ निरंतरता का भाव अवश्य जुड़ना चाहिए। केवल 100 या केवल 500 एक पूर्ण संख्या है, पर उसमें 1 जोड़ने से वह आगे बढ़ने और चलते रहने का संकेत बन जाती है। यही कारण है कि शगुन में 1 रुपया अतिरिक्त जोड़कर दिया जाता है, ताकि भविष्य में भी आपसी संबंध, कार्य-व्यवहार, शुभ संकल्प रुकें नहीं, निरन्तर प्रगति की ओर आगे बढ़ते रहें।

इसी सिद्धांत से जुड़ी है लाल किताब में उपायों की परंपरा, जो विषम संख्या के दिनों तक उपाय करने की सलाह देती है। माना जाता है कि कोई भी उपाय कम से कम यदि लगातार छः सप्ताह से अधिक विषम संख्या के दिनों में किया जाए तो वह फलीभूत होने लगता है जिसका प्रभाव जीवन में स्थायी रूप से दिखने लगता है।

संपादकीय

नईं सरकार की चुनौतियां

नईं सरकार की चुनौतियां दिल्ली में 27 वर्षो बाद फिर भाजपा की सरकार ने सुश्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को कार्यकाल संभाल लिया। मुख्यमंत्री सहित और छह मंत्रियों ने भी शपथ ली। इन सभी मंत्रियों के प्रातिनिधित्व का आधार भी बताने का प्रायास किया गया है। पंजाबी चेहरा आशीष सूद हैं तो सिख चेहरा मनजिन्दर सिह सिरसा। पूर्वाचली चेहरा पंकज सिह हैं। ब्राण चेहरा कपिल मिश्रा हैं तो दलित चेहरा रविन्द्र इंद्राजा इन सभी मंत्रियों के विभागों का आवंटन भी कर दिया गया है। मंत्रिपरिषद के गठन में इस बात का ध्यान रखा गया है कि इनमें से कोईं भी ऐसा सदस्य न हो जो मुख्यमंत्री को असहज कर सके। बहरहाल अब भाजपा की दिल्ली में सरकार बन गईं तो लोगों की उम्मीदें भी जगना स्वाभाविक है। सरकार के सामने दो तरह की चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। पहली तो पूर्व सरकार के कारण सरकार की मशीनरी को चुस्त दुरुस्त करना है। सभी विभागों में आम आदमी पाटा की सरकार के कारण सहजता नाम की चीज नहीं रह गईं थी। पूरा विभाग ही प्राइवेट एजेंसी के हवाले कर दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए आवश्यक है कि वह अपने मंत्रियों के साथ मिलकर शीला दीक्षित के समय की स्थिति लाएं। जो भी केजरीवाल सरकार द्वारा बदलाव किए गए हैं वे पारदर्शिता के दुश्मन साबित हुए हैं ऐसे में कोईं भी लोकतांत्रिक सरकार चल ही नहीं सकती। सच तो यह है कि केजरीवाल ने केन्द्र से लड़ने का जो बहाना बनाया था, वह उनकी सोची समझी रणनीति थी। अरविन्द केजरीवाल जानते थे कि वेंद्र शासित प्रादेश में आईंएएस अधिकारी उपराज्यपाल और वैडर वंट्रोल अथारिटी गृह मंत्रालय की ही बातें सुनते हैं क्योंकि मुख्यमंत्री उनसे सेवाएं तो ले सकता है लेकिन सेवाओं का निर्धारण नहीं कर सकता। फिर भी वह आईंएस अधिकारियों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए लड़ते हुए दिखते रहे ताकि वे जिन प्राइवेट कर्मियों को रख रहे थे उन पर कोईं चर्चा न हो सके। वुल मिलाकर लगता तो यही है कि रेखा गुप्ता बड़ी आसानी से प्राशासनिक ढांचे का वास्तविक स्वरूप वापस ला सवेंगी। लेकिन दूसरी चुनौती उनके लिए दिल्ली में भाजपा के अस्तित्व से ही जुड़ा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सत्ता में आने के लिए भाजपा ने जिन रेविड़यों का आश्वासन जनता को दिया है, उन्हें पूरा नहीं किया तो 2030 का चुनाव मुश्किल हो जाएगा। केजरीवाल ने तो हर महिला को 2100/- देने का वादा किया तो भाजपा ने 2500/- का आश्वासन दे दिया। अब भाजपा की सरकार को आयुष्मान योजना को तो लागू करना जरूरी है ही, साथ ही यह भी जरूरी है कि दिल्ली की बसों में मिलने वाली, महिलाओं की सुविधाएं जारी रखी जाएं वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन फिर शुरू होनी चाहिए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि तमाम खैरात की योजनाओं को बंद किए बिना नईं खैराती योजनाओं को लागू करना क्या रेखा गुप्ता सरकार के लिए बहुत बड़ी वित्तीय समस्या बनकर उभरने वाली है। मुश्किल काम तो यह है कि अब दिल्ली में पुरानी खैराती सुविधाओं को जारी रखना और नईं को लागू करने में ही यह सरकार उलझ जाएगी तो यमुना की सफाई, वूड़ों में पहाड़ों और टूटी सड़कों की मरम्मत, दिल्ली विश्वविद्दालय से संबंद्ध कालेजों के शिक्षकों एवं कर्मियों का वर्षो से रूका हुआ वेतन राशि का भुगतान और नियमित रूप से उन्हें मिलने वाली राशि को सुनिाति करना भी बहुत बड़ी चुनौती है। लब्बोलुआब यह है कि दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार के सामने जहां चुनौतियों का पहाड़ है वहीं अनुवूल परिस्थितियां भी है क्योंकि उपराज्यपाल और वेंद्र सरकार से उन्हें यथोचित सहयोग मिलने की पूरी उम्मीद की जानी चाहिए। साथ ही सरकार भी सही दिशा और स्पष्ट नीति की रही तो वह सभी तरह की चुनौतियों को स्वीकार कर सफलता हासिल कर सवेंगी।

सरकार के सामने दो तरह की चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। पहली तो पूर्व सरकार के कारण सरकार की मशीनरी को चुस्त दुरुस्त करना है। सभी विभागों में आम आदमी पाटा की सरकार के कारण सहजता नाम की चीज नहीं रह गईं थी। पूरा विभाग ही प्राइवेट एजेंसी के हवाले कर दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए आवश्यक है कि वह अपने मंत्रियों के साथ मिलकर शीला दीक्षित के समय की स्थिति लाएं। जो भी केजरीवाल सरकार द्वारा बदलाव किए गए हैं वे पारदर्शिता के दुश्मन साबित हुए हैं ऐसे में कोईं भी लोकतांत्रिक सरकार चल ही नहीं सकती। सच तो यह है कि केजरीवाल ने केन्द्र से लड़ने का जो बहाना बनाया था, वह उनकी सोची समझी रणनीति थी। अरविन्द केजरीवाल जानते थे कि वेंद्र शासित प्रादेश में आईंएएस अधिकारी उपराज्यपाल और वैडर वंट्रोल अथारिटी गृह मंत्रालय की ही बातें सुनते हैं क्योंकि मुख्यमंत्री उनसे सेवाएं तो ले सकता है लेकिन सेवाओं का निर्धारण नहीं कर सकता। फिर भी वह आईंएस अधिकारियों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए लड़ते हुए दिखते रहे ताकि वे जिन प्राइवेट कर्मियों को रख रहे थे उन पर कोईं चर्चा न हो सके। वुल मिलाकर लगता तो यही है कि रेखा गुप्ता बड़ी आसानी से प्राशासनिक ढांचे का वास्तविक स्वरूप वापस ला सवेंगी। लेकिन दूसरी चुनौती उनके लिए दिल्ली में भाजपा के अस्तित्व से ही जुड़ा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सत्ता में आने के लिए भाजपा ने जिन रेविड़यों का आश्वासन जनता को दिया है, उन्हें पूरा नहीं किया तो 2030 का चुनाव मुश्किल हो जाएगा। केजरीवाल ने तो हर महिला को 2100/- देने का वादा किया तो भाजपा ने 2500/- का आश्वासन दे दिया।

कुछ अलग

साधु ने बताया भाग्य का सूत्र

बात काफी पुराने समय पहले की है, एक लड़का था जिसका विवाह नहीं हो पा रहा था, इस संदर्भ में वह एक सन्यासी के पास गया, सन्यासी ने उसे एक स्वर्ण मुद्रा ली और उसे एक ज्ञान की बात दोहे के रूप में बताई। सन्यासी ने उसे समझाया, 'बेटा मनुष्य को जो धन, वैभव, संपत्ति, स्त्री, जीवनसाथी मिलना है, वह तो मिलकर ही रहेगा'। यह सुनकर वह लड़का बहुत खुश हुआ और जब उसने यह बात घर आकर अपने पिता को बताई, तो पिता बड़ा नाराज हो गया और अपने लड़के को खूब डांटा कि, 'एक स्वर्ण मुद्रा का वह नुकसान करके आया है, केवल एक दोहा बताने का तुम एक स्वर्ण मुद्रा दे आए इसलिए मैं तुम्हें घर में नहीं रहने दूंगा।' उसने लड़के को घर से निकाल दिया, लड़का इतना दुखी हुआ कि वह दूसरे नगर में चला गया, परंतु साधु की बात बार-बार उसके मन में गूंज रही थी। 'मिलना है सो मिलेगा', इसी उधेड़-बुन में जब किसी ने उससे उसका नाम पूछा तो उसके मुंह से निकल गया, 'मिलना है सो मिलेगा'। संयोग से उस देश की राजकुमारी ने एक राजकुमार से मिलने के लिए रात को एक मजबूत रस्सी महल के पीछे लटकाई थी, राजकुमार तो नहीं आया परंतु उस लड़के को जब वह रस्सी दिखी तो वह कौतूहल में ऊपर चढ़ गया। अंधेरे में राजकुमारी ने उसे राजकुमार समझा इसलिए उसे गले लगा कर कहा कि, 'आपको छोड़कर कोई दूसरा मेरा पति नहीं बन सकता है,' जैसे ही उस व्यक्ति ने कहा 'मिलना है सो मिलेगा, दैव न सकहिं मिटाए,' तब राजकुमारी को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने भय के कारण उसे महल से नीचे उतार दिया।

शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा

सुनील कुमार महला

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाईं और सांस्वृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए सर्मपित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने, भाषाईं विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता पैलाने के म में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्वृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है।

आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50™ से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाईं और सांस्वृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए सर्मपित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने, भाषाईं विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता पैलाने के म में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्वृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।' बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरुआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्वृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्वृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरुआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूवा पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कईं छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीवुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा

दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम ्रामशः 'सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं (वर्ष 2025 की थीम) तथा बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़' (वर्ष 2026 की थीम) रखी गईं है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कईं भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरुआती शिक्षा (विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है। साथ ही, युवाओं को अपनी भाषाईं पहचान और सांस्वृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करना भी इसका लक्ष्य है। वास्तव में आज के समय में शिक्षा नीतियों और व्यवस्थाओं में युवाओं की भागीदारी बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वही भविष्य के समाज का निर्माण करते हैं। इसी सोच को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के माध्यम से जागरूकता पैलाता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन को लेकर आज वैश्विक और स्थानीय स्तर पर गहरी चिताएँ व्यत्त की जा रही हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्वृति, स्मृति और पहचान की संवाहक होती है। जब एक मातृभाषा दम तोड़ती है, तो उसके साथ सदियों का पारंपरिक ज्ञान और अद्दितीय विश्वदृष्टि भी लुप्त हो जाती है।इस म में संयुत्त राष्ट्र (यूएन) के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्वृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है। इतना ही नहीं, यूनेस्को के ही अनुसार, विश्व की लगभग 6,000 से अधिक भाषाओं में से करीब 43™ लुप्तप्राय की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि संरक्षण के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की आधी भाषाएँ गायब हो सकती हैं। यदि हम यहां पर भारत की स्थिति की बात करें तो पीपल्स लिग्विस्टिक सव्रे ऑफ इंडिया' के अनुसार, पिछले 50 वर्षो में भारत ने अपनी लगभग 250 भाषाएँ खो दी हैं। भारत में वर्तमान में लगभग 196 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें यूनेस्को ने 'असुरक्षित' या 'लुप्तप्राय' माना है। यह चिताजनक बात है कि आज के समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़त बनाने की होड़ में 'अंग्रेजी' जैसी भाषाओं का प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसके कारण नईं पीढ़ी अपनी मातृभाषा से कट रही है। आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50™ से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। हालांकि स्थानीय भाषाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है, लेकिन तकनीकी रूप से पिछड़ी हुईं मातृभाषाओं के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है क्योंकि वे डिजिटल युग की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं। हालांकि, भाषाओं के संरक्षण के लिये अनेक वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि संयुत्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 और वर्ष 2032 के मध्य की अवधि को स्वदेशी भाषाओं के अंतर्राष्ट्रीय दशक के रूप में नामित किया है।यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले संयुत्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था तथा वर्ष 2018 में चांगशा (चीन) में यूनेस्को द्वारा की गईं यूलु उद्घोषणा, भाषायी संसाधनों और विविधता की रक्षा के लिये विश्व भर के देशों एवं क्षेत्रों के प्रयासों का मार्गदर्शन करने में वेंद्रीय भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं, भारत ने स्वदेशी (मातृ) भाषाओं की रक्षा, संवर्धन और प्रसार के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं। देश की भाषाईं विविधता उसकी सांस्वृतिक पहचान का आधार है, इसलिए सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य कर रही हैं।भारत सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का माध्यम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। नीति के अनुसार कक्षा 5 (और संभव हो तो कक्षा 8) तक बच्चों को मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने की सिफारिश की गईं है, जिससे भाषाईं पहचान मजबूत हो और सीखने की क्षमता बढ़े। भारतीय भाषाओं के लिए डिजिटल पहल भी की गईं है। इस ्राम में भाषा संसाधन पोर्टल, ईं-लाइब्रेरी और अनुवाद प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईंआरटी) तथा अन्य संस्थाएँ स्थानीय भाषाओं में ईं-सामग्री विकसित कर रही हैं। हमारे देश में भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए संस्थान भी हैं। मसलन, वेंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारत में भाषाओं के संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण और दस्तावेज़ी करण का प्रमुख वेंद्र है। यह लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण पर भी कार्य करता है।शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण (संस्वृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओड़िया आदि) के लिए अध्ययन और शोध के लिए विशेष विश्वविद्दालय और संस्थान स्थापित किए गए हैं, जिससे उनकी परंपरा सुरक्षित रहे।

देश दुनिया से

सपा-कांग्रोस को ओवैसी के चलते मुस्लिम वोटों के बंटवारे की चिता

ओवैसी यदि जनाधार मजबूत रखें तो मुस्लिम राजनीति का नया अध्याय लिखा जाएगा। समाजवादी पाटा को रणनीति बदलनी पड़ेगी, ताकि वोट बैंक सुरक्षित रहे। कांग्रेस को तो मुस्लिम समर्थन वापस पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। सपा-कांग्रोस को ओवैसी के चलते मुस्लिम वोटों के बंटवारे की चिता उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम मतदाता सदैव निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी एकजुटता और रणनीतिक वोटिंग ने कईं चुनावों के परिणाम बदल दिए हैं। प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब बीस प्रतिशत है, जो सवा चार सौ विधानसभा क्षेत्रों में से सवा सौ से अधिक पर अपना प्रभाव डालती है। इनमें सत्तर क्षेत्र ऐसे हैं, जहां मुस्लिम मतदाताओं का प्रतिशत तीस से अधिक रहता है। कभी कांग्रेस का मजबूत आधार रहे ये मतदाता अब हवा के रुख के अनुसार अपना पाला बदल लेते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य हमेशा उन दलों को सत्ता से दूर रखना रहता है, जो हिदू हितों की बात प्रमुखता से करते हैं। यही वजह है कि कांग्रेस के कमजोर पड़ने के साथ मुस्लिम मतदाताओं ने समाजवादी पाटा और बहुजन समाज पाटा की ओर रुख करने में जरा भी गुरेज नहीं किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पाटा को अधिकांश मुस्लिम वोट मिले, लेकिन बहुजन समाज पाटा को भी वुछ हिस्सा हाथ लगा। बीते निकाय चुनावों में यह पैटर्न बदला, जब मुस्लिम मतदाताओं ने एक दल के पीछे न जाकर अपनी पसंद के उम्मीदवारों को चुना। पामि उत्तर प्रदेश के कईं इलाकों में छोटे दलों के मुस्लिम प्रत्याशियों को समाजवादी पाटा और बहुजन समाज पाटा से अधिक समर्थन मिला। इस बदलाव ने राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया। मुस्लिम नेताओं ने अपनी अलग परटियां बनाकर इन मतों को लुभाने की कोशिश की। मुस्लिम लीग और प्रजा सोशलिस्ट पाटा जैसे पुराने संगठनों के बाद पीस पाटा तथा उलेमा काउंसिल ने मैदान संभाला। 2022 के विधानसभा चुनाव में पीस पाटा ने राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल के साथ गठबंधन कर कईं प्रत्याशी उतारे, लेकिन सफलता सीमित रही। इन प्रयासों से मुस्लिम वोटों में वुछ बिखराव तो हुआ, लेकिन कोईं बड़ा परिवर्तन नहीं आया। अब सबसे अधिक चिता का विषय है असदुद्दीन ओवैसी की पाटा का उभार। बिहार चुनावों में पांच सीटें जीतने के बाद ओवैसी ने उत्तर प्रदेश पर नजरें टिका ली हैं। पाटा ने 2017 के विधानसभा चुनाव के लिए सौ सीटों पर लड़ने की घोषणा की थी और अब 2027 के चुनावों के लिए ओवैसी की पाटा ने 200 क्षेत्रों को चार भागों में बांटकर चुनाव लड़ने की तैयारी तेज कर दी है। इसकी वजह भी है। पामि उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल जिलों जैसे सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, संभल और बरेली में पाटा का जनाधार बढ़ रहा है। निकाय चुनावों में यहां उसके प्रत्याशी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ओवैसी का यह उभार समाजवादी पाटा, कांग्रेस और बहुजन समाज पाटा सभी की नींद उड़ा रहा है। हाल ही में समाजवादी पाटा के सांसदों की बैठक में भी मुस्लिम वोटों के बंटवारे पर चिता जताईं गईं। बिहार और महाराष्ट्र के निकाय चुनावों के उदाहरण देते हुए सपा नेताओं द्वारा यहां तक कहा गया कि

समाजवादी पाटा को रणनीति बदलनी पड़ेगी, ताकि वोट बैंक सुरक्षित रहे। कांग्रेस को तो मुस्लिम समर्थन वापस पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। सपा-कांग्रोस को ओवैसी के चलते मुस्लिम वोटों के बंटवारे की चिता उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम मतदाता सदैव निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी एकजुटता और रणनीतिक वोटिंग ने कईं चुनावों के परिणाम बदल दिए हैं। प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब बीस प्रतिशत है, जो सवा चार सौ विधानसभा क्षेत्रों में से सवा सौ से अधिक पर अपना प्रभाव डालती है। इनमें सत्तर क्षेत्र ऐसे हैं, जहां मुस्लिम मतदाताओं का प्रतिशत तीस से अधिक रहता है। कभी कांग्रेस का मजबूत आधार रहे ये मतदाता अब हवा के रुख के अनुसार अपना पाला बदल लेते हैं।

ओवैसी के बिना गठबंधन से नुकसान हो सकता है। वुछ सांसदों ने गठबंधन का सुझाव दिया, हालांकि शिवपाल यादव ने ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया। फिर भी मिशन 2027 की रणनीति पर विचार चल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की चिता भी सामने आ चुकी है। संसद भवन परिसर में सांसद इमरान मसूद से बातचीत का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने हैदराबादी परेशानी को उत्तर प्रदेश में घुसने से रोकने की बात कही। सभी इसे ओवैसी पर तंज मान रहे हैं। खरगे ने चेतावनी दी कि ऐसा होने पर सभी को नुकसान होगा। यह वीडियो राजनीतिक हलकों में बहस छेड़ चुका है। बहरहाल, 2027 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाता किसके साथ खड़े होंगे, यह सवाल सभी को वुरेद रहा है। यदि पैटर्न पुराना रहा तो अधिकांश वोट समाजवादी पाटा को मिल सकते हैं, क्योंकि पिछली बार भी यही हुआ था। लेकिन ओवैसी के बढ़ते प्रभाव से पामि उत्तर प्रदेश के 70 से अधिक क्षेत्रों में वोट बंट सकते हैं। यहां मुस्लिम युवाओं में असंतोष है और ओवैसी मुस्लिम हितों पर सीधी बात करते हैं। बिहार की तर्ज पर यदि वे पांच से दस सीटें जीत लेते हैं, तो समाजवादी पाटा का नुकसान बढ़ सकता है। कांग्रेस का आधार पहले से कमजोर है, इसलिए उसके लिए मुश्किलें बढ़ेंगी। खरगे की चिता इसी का संकेत है। उधर, बहुजन समाज पाटा की बात की जाए तो बसपा मुस्लिम वोट खो चुकी है, क्योंकि उसकी रणनीति अब ब्राrणों पर वेंद्रित है। यदि समाजवादी पाटा ने ओवैसी से गठबंधन किया, तो मुस्लिम वोट एकजुट रह सकते हैं, लेकिन समाजवादी पाटा के पिछड़े वोट बैंक में दरार और मुस्लिम वोटों के जरिये ओवैसी अपने लिए नईं जमीन मजबूत कर सकते हैं। बिना गठबंधन के ओवैसी स्वतंत्र लड़ेंगे, तो मुस्लिम वोट तीन भागों में बंटेंगे, जिससे भाजपा को फायदा होगा। खैर, कहा यह भी जा रहा है कि पिछले निकाय चुनावों से साफ हो गया है कि मुस्लिम मतदाता अब विवेकपूर्ण हो गए हैं। वे एक दल के पीछे नहीं भागते, बल्कि स्थानीय मुद्दों पर पैसला लेते हैं। 2027 में आर्थिक मुद्दे, बेरोजगारी और विकास के साथ धरमिक ध्रुवीकरण भी भूमिका निभाएंगे। यदि भाजपा ने मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे, जैसा वुंदरकी उपचुनाव में हुआ, तो वहां भी सेंध लग सकती है। वुल मिलाकर मुस्लिम वोट का अधिकांश भाग समाजवादी पाटा या ओवैसी के साथ रहेगा, लेकिन बिखराव भाजपा के हित में होगा। यह चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति को नया मोड़ दे सकता है। ओवैसी यदि जनाधार मजबूत रखे, तो मुस्लिम राजनीति का नया अध्याय लिखा जाएगा। समाजवादी पाटा को रणनीति बदलनी पड़ेगी, ताकि वोट बैंक सुरक्षित रहे। कांग्रेस को तो मुस्लिम समर्थन वापस पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

आप का नज़रिया

प्रपंच से फजीहत

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरुआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। इसके साथ ही हमें एआई जगत में अपनी विश्वसनीयता भी कायम करनी होगी। ताकि फिर किसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की खुरापात से देश की फजीहत न हो। बल्कि हमारा शोध व विकास का तंत्र इतना मजबूत हो कि फिर हमारे किसी संस्थान को विदेशी उत्पाद को अपना नवाचारी उत्पाद बताने की जरूरत न पड़े। अन्यथा न केवल एआई समिट बल्कि देश की गरिमा को भी आंच आ सकती है। देश में शोध-अनुसंधान से जुड़े संस्थानों व विश्वविद्यालयों को सोचना होगा कि आज के कृत्रिम मेधा व इंटरनेट के जमाने में किसी खोज के बारे में फर्जी दावा कर पाना संभव नहीं है। बल्कि ऐसे कृत्य से उस संस्थान व देश की प्रतिष्ठा को आंच ही आती है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम मेधा आने वाले वर्षों में किसी भी देश की ताकत-संपन्नता का आधार बनेगी। लेकिन इस राह में कामयाबी हासिल करने के लिये देश में शोध-अनुसंधान की बुनियाद मजबूत करने की जरूरत है। अन्यथा देश को छद्म दावों से असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इससे देश की प्रतिष्ठा को आंच भी आ सकती है। निस्संदेह, आज भारत को देश में रोबोटिक्स को लेकर मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिये देश के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा उपलब्ध है, लेकिन जरूरत इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने की है। जिसके लिये सरकारी संबल और इंजीनियरिंग की तमाम शाखाओं में बेहतर तालमेल जरूरी है। निश्चित रूप से साठ के दशक में रोबोटिक्स की शुरुआत करने वाले अमेरिका से मुकाबला करने में हमें कुछ वक्त लगेगा। भले ही भारतीय उद्योग जगत रोबोटिक्स के शुरुआती दौर में हो, लेकिन आज देश के हर आईआईटी संस्थान में रोबोटिक्स लैब हैं। हम अपनी तेज प्रगति पर गर्व कर सकते हैं।

ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी।

दृष्टि कोण

मोदी अब गारंटी करें पूरी दिल्ली में यमुना शुद्ध कर नहाने-पीने योग्य बनाएं, करें महाआरती

देश की राजधानी दिल्ली की जनता ने डबल इंजन की भाजपा सरकार के हांथ स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता सौंप कर अपना मंतव्य स्पष्ट कर वादा पूरा कर दिया है। अब भाजपा और मोदी की अपने वादों और संकल्पों पर खरा उतरने की बारी है। हालांकि भाजपा ने मोदी की गारंटी पूरी करने के लिए यमुना की सफाईं अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि भाजपा 28 साल से दिल्ली की सत्ता से दूर थी खास कर एक कसक तो थी लेकिन इधर 2014 में जबसे वेंद्र में भाजपा की मोदी सरकार बनी तबसे भाजपा को दिल्ली की सत्ता पर कब्जा न होना खटक रहा था। भाजपा का मंसूबा था कि देश की राजधानी में यदि सत्ता भाजपा के हांथ आ जाए तो दिल्ली में विकास की गंगा बहा दे। लेकिन आम आदमी पाटा केजरीवाल लगातार 10 साल से दिल्ली की सत्ता पर कब्जा करके भाजपा के जहां मंसूबों पर पानी पेरा वही भारत में चारो दिशाओं में दो दर्जन से अधिक राज्यों में राज करने वाली और भगवा लहराने वाली भाजपा को मुंह भी चिढ़ाती रही। चुनौतियां देती रही कि दिल्ली की राजधानी में भाजपा कभी सत्तासीन नहीं होगी। भाजपा प्रति चुनाव में मुंह की खाती रही भाजपा के हर एक दांव उल्टे पड़े और आप को मात नहीं दे पाए। लेकिन इस बार भाजपा ने केजरीवाल और आप को भ्रष्टाचार के मुद्दों पर बुरी तरह से घेर कर चारो खाने चित कर दिया। केजरीवाल भाजपा की इस भ्रष्टाचार की फिरकी चाव्यूह से निकल नहीं पाए शीश महल आप दा यमुना और शराब आदि घोटालों के आरोपों से घिरे केजरीवाल और आप पाटा निकल ही नहीं पाईं। अन्ततः केजरीवाल आप पाटा का किला ढहाने में भाजपा कामयाब हुईं और दिल्ली फतह कर ली। पीएम मोदी ने दिल्ली की जनता को विश्वास दिलाया कि यदि दिल्ली में भाजपा सत्ता में आती है तो सर्व प्रथम यमुना की साफ सफाईं होगी तथा यमुना जल को नहाने धोने पीने लायक बनाया जाएगा। दिल्ली की जनता ने मोदी पर अटूट विश्वास भरोसा करके बहुमत के साथ 48 सीटों पर जीत देकर अपना वादा तो निभा दिया। अब बारी है मोदी की तो भाजपा और मोदी ने भी

यमुना सफाईं अभियान शुरू करा दिया है। मोदी ने कहा था कि मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी की गारंटी तो उस वादे और गारंटी को पूरा करने के लिए यमुना में सफाईं कार्य और आरती शुरू करा कर भाजपा ने संकेत दे दिया है कि मोदी ने दिल्ली की जनता से जो जो वादे किए है जो जो गारंटी दी है वो सब अक्षरशः पूरी की जाएगी। यमुना सफाईं जैसे अबतक नामुमकिन कार्य को प्राथमिकता पर लेकर मुमकिन बनाने पर काम शुरू करके भाजपा ने यह प्रमाणित करने की कोशिश की है कि ठमोदी है तो मुमकिन हैठ अब यमुना के दिन बहुरने वाले है। अभी दिल्ली में सरकार का गठन नहीं हुआ लेकिन डबल इंजन की सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए यमुना में सफाईं कार्य शुरू कराकर मोदी की गारंटी की गारंटी का जुमला अब जुमला नहीं पक्का कर दिया है। भाजपा ने दौरान चुनाव आप और कांग्रेस पाटा की तर्ज पर दिल्ली की जनता को लुभाने और दिल्ली की सत्ता पर सत्तारूढ़ होने के लिए तमाम लोक लुभावन दावे वादे और घोषणाएं भी की। आखिरकार दिल्ली की जनता ने आम आदमी पाटा और कांग्रेस को नकारते हुए भाजपा को सत्ता सौंप दी। अब बारी और जिम्मेदारी भाजपा एवं मोदी की है कि वह अपने वादे दावे और संकल्प घोषणाएं धरातल पर पूरी करें। दिल्ली की जनता भाजपा खासकर मोदी की तरफ विश्वास और उम्मीदों सहित निहार रही है। इस बात से भी नकारा नहीं जा सकता है कि ये दिल्ली दिल वालो की दिल्ली जनता है विश्वास और भरोसे उम्मीदों वादों पर खरा उतरती है तभी तो केजरीवाल को दस साल राज करने का मौका दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफ़िस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका–तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। ख़ाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 फरवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 09:11 तक
नक्षत्र : भरणी सायं 04:34 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 10:18 तक
करण : तैतिल प्रातः 09:11 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 10:12 तक
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सोमेश्वर महादेव पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जलमहल की पाल पर सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले का आयोजन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वायु सेना के शौर्य एवं कौशल को सराहा

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में जयपुर में जलमहल की पाल पर भारतीय वायु सेना के सूर्यकिरण एरोबैटिक एवं सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय वायुसेना के शौर्य, साहस और तकनीकी कौशल की सराहना करते हुए कहा कि जयपुर की धरती पर यह आयोजन गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आर्मी डे परेड के भव्य एवं सफल आयोजन के बाद वायु सेना की ओर से आयोजित इस अद्भुत कार्यक्रम से यह साबित हुआ है कि जयपुर ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सेना का गौरव लगातार बढ़ रहा है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर वायु सेना के अद्भुत पराक्रम एवं भारत की सुरक्षा मज़बूत हाथों में होने का परिचायक है। उन्होंने कहा कि हमारी वायु सेना सीमाओं की रक्षा के साथ–साथ प्राकृतिक आपदाओं और महामारी में भी लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने अद्वितीय हवाई कौशल और उत्कृष्ट करतबों से मंत्रमुग्ध करती है। भारतीय वायुसेना के एम्बेसडर्स सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के तीन पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वॉड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही हैं। इन पायलट्स ने वर्षों की कठिन मेहनत, अटूट अनुशासन और असाधारण कौशल के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

शर्मा ने कहा कि यह आयोजन नागरिक और सेना के बीच अटूट रिश्ते का उत्सव है। इस तरह के आयोजन से युवाओं के मन में सेना में जाने का संकल्प जन्म लेता है। इसके साथ ही राष्ट्रीय गौरव और रक्षा सेवाओं के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा देता है। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात मुख्यमंत्री ने मौजूद जनसमूह के बीच जाकर उनका अभिनंदन स्वीकार किया।

जल महल पर खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। टीम ने सारंग स्पिलिट, एरोहैड, डॉल्फिन लीप, लेवल क्रॉस, हाई स्पीड क्रॉस, क्रॉस ओवर ब्रेक, डायमंड एवं इन्वर्टेड वाइन ग्लास जैसी अनेक आकृतियां आसमान में बनाई।

सूर्य किरण और सारंग एयर शो प्रेरणा देने वाला, जोश जगाने वाला : राज्यपाल बागडे

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को जलमहल पाल पर भारतीय वायु सेना द्वारा एयरोबेटिक सूर्यकिरण एवं सारंग का मनोहारी प्रदर्शन देखा। उन्होंने इसे सेना का ऐतिहासिक बताते हुए जोश जगाने वाला, माँ भारती के लिए संकल्पबद्ध हो कार्य करने की प्रेरणा देने वाला बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी भी उपस्थित रहे।

हमारी सीमाओं पर अहर्निश कार्य करने वाले सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करने वाला है। उन्होंने कहा कि सूर्यकिरण एवं सारंग का प्रदर्शन माँ भारती के प्रति हर नागरिक को संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देने वाला है।

राज्यपाल ने जनवरी में जयपुर में आयोजित आर्मी परेड की चर्चा करते हुए कहा कि पहली बार सेना क्षेत्र से बाहर राजस्थान की धरती पर हमने भारतीय सेना की ताकत और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भता के प्रदर्शन साक्ष्यात हुए। उन्होंने ऑपरेशन सिन्दुर के दौरान भारतीय वायु सेना की रणनीतिक श्रेष्ठता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश की रक्षा के साथ साथ आतंकवाद उन्मूलन में भी सेना ने निरंतर श्रेष्ठता साबित की है। उन्होंने राजस्थान को शौर्य और वीरता की धरा बताते हुए वायु सेना के सूर्यकिरण और सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन के पायलटों, सेना अधिकारियों, प्रशासन की सराहना की।

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत द्वारा जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' प्रदर्शनी का उद्घाटन

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने आज जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र में अपनी प्रतिष्ठित प्रदर्शनी 'भारत की विश्व विरासत: राजस्थान' का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन वी. श्रीनिवास, मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, संजय रस्तोगी, महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत तथा डॉ. अनुराधा गोगिया, अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी मानवता की साझा धरोहर में राजस्थान के उत्कृष्ट योगदान को रेखांकित करती है, जिसमें विशेष रूप से इसके यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं स्थापत्य स्मारकों पर प्रकाश डाला गया है। राष्ट्रीय अभिलेखागार में संरक्षित दुर्लभ दस्तावेजों, चयनित दृश्यों और व्याख्यात्मक विवरणों के माध्यम से प्रदर्शनी ने आगंतुकों को क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत का व्यापक परिचय प्रदान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में वी. श्रीनिवास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी के गतिशील मार्गदर्शन में राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत ने अनेक नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा, लगभग 30 से 35 विषयगत पोर्टल प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, राजस्थान का गौरवशाली इतिहास तथा राज्य में प्रदर्शित शौर्य, उदारता और वीरता को दर्शाया गया है।

राजस्थान की आत्मा को अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हर रेत का टीला, हर सुर, हर पत्थर अपनी एक अलग कहानी कहता है, जो इस भूमि की स्मृतियों, परंपराओं और स्मारकों में निहित गहन ऐतिहासिक चेतना को दर्शाता है।

आध्यात्मिक, पर्यावरण और सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बनेगा कोटा : ओम बिरला

कोटा, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कोटा के पाटनपोल स्थित वल्लभ सम्प्रदाय की प्रथम पीठ श्री बड़े मथुराधीश जी मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण एवं अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कोटा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हैरिटेज वॉक में भी भाग लिया। बिरला ने कहा कि श्री मथुराधीश जी मंदिर केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि हाड़ौती की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि मंदिर के परिक्रमा मार्ग एवं अन्य विकास कार्यों की शुरुआत ऐतिहासिक अवसर है। मंदिर की प्राचीन गरिमा को सुरक्षित रखते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएँ विकसित की जाएँगी, ताकि देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिल सके। 18.24 करोड़ से प्रथम चरण का विकास –

पाटनपोल में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बिरला ने कहा कि मथुराधीश मंदिर कॉरिडोर के प्रथम चरण के अंतर्गत केडीए द्वारा 18.24 करोड़ रुपये की लागत से श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किए जाएंगे। इसके पश्चात बिरला के नेतृत्व में गणमान्यजन हैरिटेज वॉक में शामिल हुए। हैरिटेज वॉक श्री मथुराधीश जी मंदिर से पाटनपोल होते हुए गढ़ पैलेस पहुँची, जहाँ साफा फेस्ट के अंतर्गत अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया गया।

हैरिटेज वॉक के दौरान कैथूनीपोल थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ने 9.82 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली कैथूनीपोल चौराहे से सेंट पॉल स्कूल तक लिंक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

ऐतिहासिक होगा अग्रवाल वैश्य समाज का खुला अधिवेशन : सुभाष तायल

रोहतक, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का वृंदावन में आयोजित होने वाले प्रदेशस्तरीय खुला अधिवेशन के प्रति वैश्यजनों के उत्साह को देखते हुए ये आयोजन ऐतिहासिक होने जा रहा है। समाज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता में आगामी 7 मार्च 2026 को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि वृंदावन के दिल्ली श्रीधाम रुक्मणी विहार में आयोजित होने वाली ये बैठक समाज की एकता, वैचारिक चिंतन और भविष्य की दिशा तय करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग, राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता, बनारसी दास गुप्ता फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता, भाजपा नेता पंकज जैन, युवा नेता एवं समाजसेवी नवीन गोयल, उद्योगपति एवं समाजसेवी वासूदेव गर्ग, राष्ट्रीय नवचेतना मंच के अध्यक्ष विजय सोमाणी बतौर अतिथि अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। सुभाष तायल ने बताया कि आयोजन में भागीदारी को लेकर प्रदेश के कोने–कोने से वैश्यजन अपना पंजीकरण सुनिश्चित करवा रहें है। जिसे देखेते हुए निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि प्रदेश का वैश्य समाज निश्चित रूप से अग्रवाल वैश्य समाज के मंच पर एकजुटता के साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है और आयोजन की सफलता के लिए भी सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

हरियाणा में राजनीतिक बेईमानी और भ्रष्टाचार से अर्जित काले धन से बनी है भाजपा सरकार: दीपेन्द्र हुड्डा

हांसी, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज नारनौंद में नवनिर्मित कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया और अनाज मंडी में आयोजित विशाल रैली को संबोधित किया। इस दौरान सांसद जय प्रकाश 'जेपी' व सांसद सतपाल ब्रह्मचारी उपस्थित रहे। रैली में उमड़े जनसैलाब से उत्साहित सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में राजनीतिक बेईमानी, साम दाम दंड भेद, भ्रष्टाचार से अर्जित काले धन के मैनेजमेंट से बीजेपी सरकार बनी है और जो सरकार काले धन के मैनेजमेंट से बनी हो, वो जनता की परवाह नहीं करती। जनता के खिलाफ चलने वाली बीजेपी सरकार के पास तंत्र, यंत्र, षड्यंत्र का बल है,

धनबल है लेकिन हमारे पास जनता का दिया हौसले का बल है। म्हारा हौसला थारे से है और थारा हौसला म्हारे से है। भाजपा के षड्यंत्र में वो सभी शामिल थे जो पर्दे के पीछे भाजपा से मिले हुए थे। बीजेपी की बी टीम इनेलो, जेजेपी का एक ही लक्ष्य था कि किसी तरह कांग्रेस की वोट में सेंध लगाएं। लेकिन, षड्यंत्रकारियों का सारा सच धीरे–धीरे जनता के सामने आ गया। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के वायरल हुए वीडियो ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस को रोकने के लिये इनेलो, जेजेपी भी बीजेपी से मिले हुए थे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि कालेधन की शक्ति को नारनौंद ने जनशक्ति से हराने का काम किया।

सनातन धर्म की परंपराओं में बसती है भारतीय संस्कृति की आत्मा : कृष्ण कुमार बेदी

जींद, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सनातन धर्म की परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। पर्यावरण शुद्धि तथा आमजन को सनातन संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से 108 कुंडीय महायज्ञ जैसे भव्य आयोजन समाज को एकजुट करने और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृष्ण कुमार बेदी गत देर सायं जींद में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में जगतगुरु पीठाधीश चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 हरिओम जी महाराज के सान्निध्य में किये जा रहे 103वें महायज्ञ की महा आरती में शामिल होकर लोगों को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत की भूमि सदियों से संतों, ऋषि–मुनियों और महापुरुषों की तपोभूमि रही है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार अध्यात्म, नैतिकता और मानवता के उच्च आदर्शों पर टिका हुआ है। हमारे संत–महापुरुषों ने अपने उपदेशों, तप और त्याग से समाज को सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा का मार्ग दिखाया है। प्राचीन काल से ही भारत में ज्ञान की परंपरा रही है। वेद, उपनिषद, पुराण और महाकाव्य जैसे ग्रंथों ने मानव जीवन को दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जहां रामायण हमें मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश देती है, वहीं महाभारत धर्म और अधर्म के संघर्ष के माध्यम से सत्य की विजय का संदेश देती है।

महात्मा ज्योतिराव और माता सावित्री फुले ने अंधकार में शिक्षा का दीप जलाया: सैनी

चंडीगढ़, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को दिल्ली के मंगोलपुरी में अंतरराष्ट्रीय सैनी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने इस भवन में स्थापित की गई महात्मा बुद्ध, महात्मा ज्योतिराव फुले, माता सावित्री बाई फुले, महाराज शूर सैन की प्रतिमाओं का भी अनावरण किया। उन्होंने सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले ट्रस्ट को 51 लाख रूपये देने की घोषणा भी की। इस दौरान संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फुले और माता सावित्री बाई फुले ने अंधकार में शिक्षा का दीप जलाया। उन्होंने कहा कि यह समारोह उन विचारों, मूल्यों और आदर्शों का उद्घोष है, जिन्होंने भारतीय समाज को दिशा दी, नई चेतना पैदा की और सामाजिक न्याय, शिक्षा तथा समानता के मार्ग पर आगे बढ़ाया। यह गर्व का क्षण है कि मंगोलपुरी में हमारे महापुरुषों की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। यह उस चेतना को नमन करने का अवसर है, जिसने अंधकार में दीप जलाने का काम किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव और माता सावित्री फुले केवल दो नाम नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति के दो स्तंभ हैं जिन्होंने बराबरी व शिक्षा की मजबूत नींव रखने का काम किया। जब समाज में बेटियों को पढ़ाना अपराध माना जाता था तब सावित्रीबाई फुले ने ज्ञान को आगे बढ़ने का काम किया। उन्होंने जाति, भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध कलम को तलवार बनाया और अपने विचारों के माध्यम से क्रांति का दीप जलाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह मूर्तियां हमें याद दिलाती रहेगी कि शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं है, समानता से बड़ा कोई धर्म नहीं है और मानवता से बड़ा कोई राष्ट्र धर्म नहीं है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि सभी अपनी बेटियों को आगे बढ़ाएं और भेदभाव के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद करें। इसके साथ–साथ मिलकर शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लें।

शिवरात्रि पर बड़ा शक्करगा गांव में महादेव मंदिर का निर्माण

मदानूर, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में स्थानिक जनता के सहयोग से महादेव मंदिर का निर्माण किया गया।

शिवरात्रि के पवन अवसर पर पुरोहित के मंत्र उचार के साथ सदगुरु के शुभ हस्ते शिव लिंग की स्थापना की गई।

मंदिर परिसर में अखंड शिवनाम सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें सप्ताह कमिटी ने बताया कि हर रोज परम रहस्य परायण, दुपहर प्रवचन, शाम गाथा भजन और रात में शिव कीर्तन का आयोजन किया गया। सप्ताह के अंत में एक विशेष शिव जागरण भी आयोजित हुआ।इस दौरान शिव भक्तों को सदगुरु ने अमृत उपदेश दिया और श्रद्धालुओं के लिए शिव दीक्षा का आयोजन किया।अखंड शिवनाम सप्ताह के अवसर पर महा प्रसाद का आयोजन भी किया गया, जिससे गांव में शिव नाम स्मरण से गूंज उठा।यह प्रथा न केवल धार्मिक विश्वास को प्रगाढ़ करती है, बल्कि सामुदायिक सहयोग और एकता का भी प्रतीक है।शिव भक्ति के इस अद्भुत समागम ने सभी को एक सूत्र में बांधने का काम किया, जिससे ग्रामीणों में एक नई उर्जा का संचार हुआ।

मुलुगु जिले में भीषण आग: सरकारी कार्यालय का स्टोर रूम जलकर खाक

मुलुगु जिला, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुलुगु जिले के गोविंदरावपेट मंडल प्रजा परिषद कार्यालय के स्टोर रूम में आज (रविवार) भीषण आग लग गई। आग अचानक भड़क उठी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग तुरंत सतर्क हो गए और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। सूचना है कि कार्यालय में सुरक्षित रखे गए कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड इस आग की भेंट चढ़ गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने कार्यालय के स्टोर रूम से अचानक आग की लपटें उठती देखीं और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे कार्यालय परिसर में धुआं भर गया। दमकल विभाग और पुलिस को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की।

अधिकारियों का प्राथमिक अनुमान है कि यह दुर्घटना इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट के कारण हुई है। माना जा रहा है कि कार्यालय की पुरानी वायरिंग या बिजली के दोषों की वजह से आग लगी होगी। आग में कई महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज और रिकॉर्ड जल गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलते ही उच्च अधिकारियों ने जांच के आदेश दे दिए हैं। फिलहाल जले हुए रिकॉर्ड्स का विवरण जुटाया जा रहा है ताकि नुकसान का सटीक आकलन किया जा सके।

वेमुलावाडा मंडल में बाघ दिखने के बाद वन विभाग अलर्ट पर

वेमुलावाडा, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिरसिला जिले के वेमुलावाडा मंडल के चक्कापल्ली गांव और उसके आसपास के इलाकों में शनिवार रात बाघ की हलचल की खबरों के बाद दहशत का माहौल बन गया है।

कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि उन्होंने रात में एक बाघ को मुख्य सड़क पार करते हुए देखा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे और सीसीटीवी (उउढत) कैमरों की फुटेज की जांच की, जिसमें एक बड़े बाघ जैसे जानवर को सड़क पार करते हुए देखा गया।

वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, निगरानी कैमरों द्वारा कैप्चर की गई फुटेज स्पष्ट नहीं है, इसलिए इस स्तर पर हम क्षेत्र में बाघ की उपस्थिति की पुष्टि नहीं कर सकते। हम आसपास के इलाकों में पगमार्क (पदचिह्नों) की जांच कर रहे हैं और इसकी गतिविधियों के बारे में अधिक सटीक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। चक्कापल्ली गांव गोपालरावपल्ली गांव से लगभग 20 किमी दूर स्थित है, जहां पिछली बार बाघ की हलचल की सूचना मिली थी। स्थानीय ग्रामीण अपनी ओर से सतर्क हैं। बाघ को आखिरी बार थंगल्लापल्ली मंडल के गोपालरावपल्ली और चीना लिंगापुर गांवों की पहाड़ियों में देखा गया था।

वन अधिकारियों की एक टीम इन गांवों में डेरा डाले हुए है। सिरसिला जिले के कुछ मंडलों में तेंदुए की हलचल की भी खबर है। कुछ दिन पहले, वेमुलावाडा के हनुमक्का गांव में एक तेंदुए ने एक बछड़े को मार डाला था। इससे पहले, कोनरावपेट मंडल के धर्माराम गांव के पास तेंदुओं ने मवेशियों पर हमला किया था।

नागरकर्नूल में कथित जातिगत अपमान के बाद शिशु की मौत से तनाव

नागरकर्नूल, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नागरकर्नूल जिले के कुम्मेरा गांव में एक दो महीने के बच्चे की मौत और एक परिवार के खिलाफ जातिगत भेदभाव के आरोपों ने शनिवार को भारी अशांति पैदा कर दी। यह घटना एक मंदिर में हुए कथित विवाद के कुछ दिनों बाद सामने आई है।

यद्यपि घटना बुधवार को हुई थी, लेकिन तनाव तब बढ़ गया जब इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती किए गए शिशु ने शनिवार तड़के दम तोड़ दिया। आरोपियों में से एक कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है, जिससे इस घटना को राजनीतिक रंग भी मिल गया है।

नागरकर्नूल पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, सी. चंद्रकला अपने बेटे, दो बेटियों और शिशु के साथ बुधवार को दर्शन के लिए कुम्मेरा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर गई थीं। यह परिवार बीसी (पिछड़ा

वर्ग) रजक समुदाय से ताल्लुक रखता है। चंद्रकला ने आरोप लगाया कि विवाद तब शुरू हुआ जब यू. श्रीनिवास रेड्डी नामक व्यक्ति ने उन्हें जाति के नाम पर अपशब्द कहे और दर्शन के लिए 100 रुपये का टिकट खरीदने की मांग की।शिकायत के मुख्य बिंदु: अपमान और मारपीट: चंद्रकला ने कहा, उसने अपमानजनक टिप्पणियां कीं और हमें गाली दी। उसने सार्वजनिक रूप से मुझ पर और मेरे परिवार के सदस्यों पर शारीरिक हमला भी किया। बचाव की कोशिश: जब उनके बेटे गणेश ने बीच-बचाव किया, तो उसे जमीन पर धकेल दिया गया। आरोप है कि श्रीनिवास रेड्डी ने अन्य साथियों (मधु, श्रीकांत रेड्डी, सतीश रेड्डी, पी. पवन, नरेश, कुपेंद्र रेड्डी आदि) के साथ मिलकर नारियल छीलने वाले औजार से गणेश पर हमला करने की कोशिश की। गंभीर धमकियां: चंद्रकला का आरोप है कि श्रीनिवास रेड्डी ने उनके कान की बालियां और चूड़ियां छीन लीं और गांव में रहने पर जान से मारने की धमकी दी।

साथ ही, जेसीबी से उनका घर गिराने की भी धमकी दी गई।सबसे गंभीर आरोप यह है कि बार-बार विनती करने के बावजूद हमलावर नहीं रुके। चंद्रकला ने आरोप लगाया कि एस. मधु ने बच्चे को लात मारी। घटना के बाद शिशु को नागरकर्नूल के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार को उसकी मृत्यु हो गई।चंद्रकला ने नागरकर्नूल एसआई से मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा करें : अतिरिक्त एसपी चंद्रैया

सिरसिला अर्बन, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अतिरिक्त एसपी चंद्रैया ने पुलिस बल से आह्वान किया है कि वे अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ जनता को सेवाएं प्रदान कर उनकी प्रशंसा प्राप्त करें। एसपी महेश बी. गीते के आदेशानुसार, शनिवार को सिरसिला जिला पुलिस कार्यालय में जिला सशस्त्र रिजर्व , सिविल और होमगार्ड कर्मियों के लिए साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए अतिरिक्त एसपी चंद्रैया ने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर जोर दिया: नियमित व्यायाम: उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को अपने दैनिक जीवन में पैदल चलने (वॉकिंग) और व्यायाम को शामिल करना चाहिए। खान-पान में सावधानी: स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए उन्होंने यथासंभव बाहर के भोजन से परहेज करने की सलाह दी। नियमित जांच: उन्होंने सभी कर्मियों से समय-समय पर अपना हेल्थ चेकअप कराने का आग्रह किया।

अतिरिक्त एसपी ने बताया कि साप्ताहिक परेड केवल एक औपचारिक अभ्यास नहीं है, बल्कि इसके कई लाभ हैं: अनुशासन और एकता: इससे कर्मचारियों में अनुशासन की भावना और टीम वर्क (एकता) मजबूत होती है। शारीरिक दक्षता: यह पुलिस बल की फिजिकल फिटनेस को बनाए रखने में अत्यंत सहायक है। जन सेवा: अनुशासित रहकर ड्यूटी करने से जनता के बीच पुलिस की छवि बेहतर होती है।

उन्होंने पुलिस कर्मियों को आश्वासन दिया कि यदि उन्हें कोई भी व्यक्तिगत या पेशेवर समस्या है, तो वे कभी भी उनसे मिलकर अपनी बात साझा कर सकते हैं।

इस परेड में आरआई , सीआई कृष्णा, मधुकर, यादगिरी, रमेश, और एसआई (डख) किरण कुमार, साई किरण, जुनैद सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पक्षी 'हनी ट्रैप': कोत्तागुडेम में चोरों ने मुर्गे को चुराने के लिए मुर्गी को बनाया चारा

कोठागुडेम, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हनी ट्रैपिंग, एक ऐसी रणनीति जिसे आमतौर पर जासूसी थ्रिलर और राजनीतिक साजिशों से जोड़कर देखा जाता है, अब ग्रामीण कोत्तागुडेम में एक असामान्य रूप में सामने आई है- इस बार भावनाओं के बजाय पंखों का खेल था। पुलिस में दर्ज एक शिकायत के अनुसार, जिसे 'बर्ड हनी ट्रैप' कहा जा सकता है, अज्ञात युवकों ने कथित तौर पर जुलुरपाड मंडल के मशीननीपेट थांडा में एक किसान के कीमती मुर्गे को लुभाने और चुराने के लिए एक मुर्गी का इस्तेमाल किया।

50 वर्षीय किसान लकावत जेठ राम ने शनिवार को जुलुरपाड पुलिस से संपर्क कर उन युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जिन पर उनके एक मुर्गे को चुराने का आरोप है। उन्होंने बताया कि उनके पास तीन मुर्गे और एक मुर्गी थी, जिन्हें वे अपने निवास पर पालते थे।

माना जा रहा है कि चोरी गुरुवार दोपहर को हुई जब जेठ राम काम के लिए अपने कृषि खेत में गए थे। शाम को घर लौटने पर उन्होंने पाया कि उनका एक मुर्गा गायब है। पड़ोसियों से पूछताछ करने पर घटनाओं का एक असामान्य क्रम सामने आया।

शिकायत के अनुसार, कुछ युवक दोपहिया वाहन पर एक मुर्गी लेकर आए और उसे किसान के घर के अहाते के पास छोड़ दिया।

लालच: मुर्गी की उपस्थिति से आकर्षित होकर, अनजान मुर्गा उसके पास पहुंचा।

वारदात: जैसे ही मुर्गा करीब आया, युवकों ने उसे तेजी से दबोच लिया और अपने वाहन पर सवार होकर मौके से फरार हो गए।

पोल्ट्री चोरी के इस आविष्कारशील तरीके का वर्णन करने वाली यह शिकायत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। लोग चोरों द्वारा अपनाए गए इस अजीबोगरीब तरीके पर काफी मनोरंजन महसूस कर रहे हैं, जबकि किसान अब पुलिस की कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

खम्मम: यूट्यूबर बोगुला श्रीनिवास की हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

खम्मम, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुसुमांची पुलिस ने यूट्यूबर बोगुला श्रीनिवास की कथित हत्या में शामिल चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। श्रीनिवास का शव 14 फरवरी को जिले के पालैर जलाशय में एक कार के भीतर मिला था।मीडिया से बात करते हुए खम्मम रूरल एसीपी तिरुपति रेड्डी ने बताया कि मृतक श्रीनिवास और उसके दोस्त मेकाला वेणु माधव रेड्डी (कूकटपल्ली, हैदराबाद निवासी) के बीच वित्तीय विवाद ही इस हत्या का मुख्य कारण बना।एसीपी ने बताया कि मृतक और मुख्य आरोपी माधव रेड्डी ने श्रीनिवास के जीएसटी लाइसेंस बोग्गुला बीबीक्यू' का उपयोग करके 90 लाख रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी की थी, जिसमें दोनों की बराबर की हिस्सेदारी थी। हालांकि, माधव रेड्डी ने श्रीनिवास को केवल 15 लाख रुपये दिए और बाकी के 30 लाख रुपये बाद में देने का वादा

किया।इसी बीच श्रीनिवास का जीएसटी लाइसेंस रद्द कर दिया गया और जीएसटी विभाग की ओर से दोनों को नोटिस जारी किए गए। इसके बाद श्रीनिवास ने माधव रेड्डी से अपने बकाया 30 लाख रुपये और जीएसटी लाइसेंस को फिर से सक्रिय करने के लिए 1 करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग शुरू कर दी। इसी विवाद के चलते माधव रेड्डी ने श्रीनिवास को रास्ते से हटाने की साजिश रची।मुख्य आरोपी ने पोकाला कोटेश्वर राव, शेख अब्दुल हफीज और मोहम्मद अजमत अली खान की मदद से श्रीनिवास की हत्या की योजना बनाई। इस काम के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी।13 फरवरी की रात: आरोपियों ने श्रीनिवास को बकाया पैसे देने के बहाने विजयवाड़ा चलने के लिए कार में बैठाया।14 फरवरी की सुबह: नकरेकल और जनगाँव के बीच एक सुनसान जगह पर चाकू और लोहे की रॉड से उसकी हत्या कर दी गई।साक्ष्य मिटाना: हत्या को प्राकृतिक मौत का रूप देने के लिए शव को कार सहित पालैर जलाशय में फेंक दिया गया।कुसुमांची पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या), 61 (आपराधिक साजिश), 238 (सबूतों के साथ छेड़छाड़) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीपी के अनुसार, आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।उल्लेखनीय है कि बोगुला श्रीनिवास 2014 में 'पवन कल्याण हटाओ-पॉलिटिक्स बचाओ' नामक पुस्तक प्रकाशित करने के बाद काफी चर्चा में आए थे, जिससे तेलुगु राज्यों में सनसनी मच गई थी। उस समय उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिली थीं। वह मूल रूप से आंध्र प्रदेश के नंदयाल जिले के नंदीकोटकुरा मंडल के अल्लुरु गांव के निवासी थे और हैदराबाद में रह रहे थे।

आदिलाबाद पुलिस ने सड़क सुरक्षा और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए 'खाकी किड्स' पहल की शुरुआत की

आदिलाबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पुलिस अधीक्षक (SP) अखिल महाजन ने कहा कि यदि स्कूली छात्रों को जागरूकता और प्रवर्तन प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाए, तो वे सड़क सुरक्षा मानदंडों को बढ़ावा देने और साइबर अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने शनिवार को यहाँ आयोजित 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम में 'खाकी किड्स' का औपचारिक शुभारंभ किया। यह अपनी तरह की पहली पहल है जिसमें यातायात नियमों के पालन को मजबूत करने और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए स्कूली बच्चों को शामिल किया गया है।

पहल के उद्देश्य को स्पष्ट

करते हुए अखिल महाजन ने कहा कि 'खाकी किड्स' को जागरूकता और भागीदारी के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाकर सड़क दुर्घटनाओं के साथ-साथ साइबर अपराधों को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

साप्ताहिक सत्र: इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, पास के पुलिस स्टेशन का एक पुलिस कांस्टेबल हर हफ्ते तीन स्कूलों का दौरा करेगा।

जागरूकता कार्यक्रम: वे सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध की रोकथाम पर जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे। खाकी किड्स का चयन: जो छात्र सफलतापूर्वक इस जागरूकता कार्यक्रम को पूरा करेंगे, उन्हें 'खाकी किड्स' के रूप में नामित किया जाएगा।एसपी ने बताया कि इन छात्रों को अपने समुदायों में सुरक्षा के राजदूत के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया जाएगा।

पुलिस विभाग द्वारा उनकी भूमिका की मान्यता में उन्हें विशेष बैज जारी किए जाएंगे।

उन्होंने छात्रों को अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बीच सड़क सुरक्षा मानदंडों और साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सक्रिय सहयोग की मांग करते हुए, एसपी ने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से सड़क दुर्घटनाओं और उससे होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी, साथ ही साइबर अपराधों को रोकने के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) पी. मौनिका, आदिलाबाद डीएसपी एल. जीवन रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

क्रिकेट के बाद हाकी भी बर्बाद करने की तैयारी में नकवी! पाक टीम को दिया समर्थन का आश्वासन

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में खेलों की बदहाली अब छिपाए नहीं छिप रही। क्रिकेट में लगातार विवादों और प्रशासनिक उठापटक के बीच अब हाकी का संकट भी सड़कों पर आ गया है। ऐसे समय में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी का आगे आकर इज्जत बचाने का दावा करना कई लोगों को राहत से ज्यादा दिखावा लग रहा है। सवाल यह है कि क्या वह सच में मदद करने आए हैं या फिर एक और खेल को राजनीतिक अखाड़ा बनाने की तैयारी है क्रिकेट संभला नहीं, अब हाकी की बारी आस्ट्रेलिया दौरे पर एफआईएच प्रो हाकी लीग खेलने गई पाकिस्तान हाकी टीम ने जो खुलासे किए, वे शर्मनाक थे। खिलाड़ियों का आरोप है कि उनके लिए होटल तक बुक नहीं कराया गया। उन्हें घंटों सड़कों पर भटकना पड़ा, खुद खाना बनाना पड़ा और बर्तन धोने पड़े। यह किसी स्थानीय क्लब टीम की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय टीम की दुर्दशा है। इस विवाद के बाद पाकिस्तान हाकी संघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने इस्तीफा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया, लेकिन जाते-जाते कप्तान अम्माद शकील बट को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि, विरोध के बाद अंतरिम अध्यक्ष ने इस कार्रवाई को गलत बताया और प्रतिबंध हटाया। अब इस फजीहत के बाद क्रिकेट बोर्ड की एंट्री ने नई बहस छेड़ दी है कि क्या एक और खेल भी सत्ता और सियासत की भेंट चढ़ने वाला है नकवी का सम्मान वाला बयान, या सियासी स्टंट ऐसे माहौल में मोहसिन नकवी का सामने आना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इज्जत से समझौता नहीं होने दिया जाएगा और क्रिकेट बोर्ड हर संभव मदद करेगा।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि जब क्रिकेट खुद विवादों और अस्थिरता से जूझ रहा है, तब हाकी में दखल देना समाधान कम और शक्ति प्रदर्शन ज्यादा लगता है। क्या यह वही माडल होगा जिसमें प्रशासनिक अव्यवस्था पर पर्दा डालने के लिए पैसों की बारिश कर दी जाए पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट जियो सुपर के मुताबिक हर खिलाड़ी को 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की सहायता दी गई। पैसा जरूरी है, लेकिन क्या सिर्फ आर्थिक मदद से सिस्टम की सड़ांध दूर हो जाएगी दोहरी कुर्सी, दोहरा संकट नकवी पहले से देश के गृह मंत्री और क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख हैं।

न्यूज ब्रीफ

फ्लायड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली। मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लायड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है। 2017 में कानर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकार्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जान गोटी तृतीय से हुआ था। अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बाक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है। दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके। टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है। टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा। हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है।

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी। पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी। पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे। 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है। इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा। अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा। भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है।

वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है। ऐसे में उसकी आगे की राह बेहद कठिन है।

इमरान खानः 21 साल का अनुशासित करियर और विश्व कप विजेता कप्तान जेल में

नई दिल्ली। क्रिकेट में अनुशासन और नियंत्रण किसी भी गेंदबाज की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है, और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। तेज गेंदबाजों के लिए नो-बाल करना आम गलती होती है, लेकिन इमरान ने अपने 21 साल के टेस्ट करियर में 18,644 गेंदें फेंकते हुए एक भी नो-बाल नहीं की। यह रिकार्ड उनकी असाधारण लाइन-लेन्थ और रन-अप नियंत्रण की मिसाल है। टेस्ट क्रिकेट में 362 विकेट और वनडे में 182 विकेट लेने वाले इमरान खान हमेशा अनुशासन और आक्रामकता का संतुलित मिश्रण रहे। इमरान खान ने 3 जून 1971 को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 2 जनवरी 1992 को श्रीलंका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला। वनडे में उन्होंने 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआत की और 1992 तक खेलते रहे। अपने करियर में उन्होंने टेस्ट में 3,807 और वनडे में 3,709 रन बनाए। कप्तान और खिलाड़ी दोनों के रूप में उनका योगदान पाकिस्तान क्रिकेट में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। 1992 क्रिकेट विश्व कप में इमरान की कप्तानी में पाकिस्तान ने अपना पहला और अब तक का एकमात्र वनडे वर्ल्ड कप जीता। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ इमरान ने 72 रन की अहम पारी खेली और जावेद मियांदाद ने 58 रन बनाए।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

साउथ अफ्रीका ने भारत को हराया

अहमदाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 सुपर 8 में भारत के विजय रथ को रोककर करोड़ों भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अहमदाबाद की पिच पर जहां भारतीय गेंदबाजों की धार कुंद नजर आई, वहीं 'विस्फोटक' बल्लेबाजी क्रम भी ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस करारी शिकस्त ने न केवल टीम इंडिया के आत्मविश्वास को झकझोर दिया है, बल्कि सेमीफाइनल की डगर को भी 'कांटों की सेज' बना दिया है. हार के इस कड़वे घूंट के बाद अब भारत की किस्मत खुद के अलावा समीकरणों की दया पर भी टिक गया है। भारतीय टीम सुपर 8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे से जबकि तीसरे मैच में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी। भारत की 76 रनों की यह हार टी20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी हार है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की यह दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले 2019 में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड ने टी20 में 80 रनों से हराया था। जब रनों की दरकार थी और साख दांव पर लगी थी, तब दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की आग उगलती गेंदों के सामने भारतीय धुरंधर बल्लेबाज असहाय नजर आए। प्रोटियाज टीम के गेंदबाजों ने अपनी रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ से भारतीय बल्लेबाजी की नींव हिला दीं, जिससे क्रीज पर बड़े-बड़े सूरमाओं का टिकना मुहाल हो गया। इस निर-ाशाजनक पतन के बीच केवल शिवम दुबे ने ही अपनी फौलादी इच्छाशक्ति का परिचय दिया और हार न मानने वाला जिगरा दिखाया। जहां एक तरफ विकेटों की पतझड़ लगी थी, वहीं दुबे ने अकेले मोर्चा संभालते हुए जवाबी प्रहार किए, लेकिन उनका यह साहसी संघर्ष भी टीम को हार की गर्त से बाहर निकालने के लिए नाकाफी साबित हुआ. दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सुपर 8 मैच में हराकर उसकी सेमीफाइनल की राह मुश्किल कर दी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से रखे गए 188 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ढेर हो गई। शिवम दुबे ने 37 गेंदों पर सबसे ज्यादा 42 रन बनाए. भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। भारत ने पहले ओवर की चौथी ही गेंद पर ईशान किशन का विकेट गंवा दिया. उस समय टीम का खाता भी नहीं खुला था। ईशान 4 गेंद खेलने के बावजूद खाता नहीं खोल सके. पिछले तीन मैचों में डक का शिकार अभिषेक शर्मा का इस मैच में खाता खुला लेकिन वह भी 15 रन बनाकर चलते बने। तिलक वर्मा एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए. कप्तान सूर्यकुमार यादव 18 रन बनाकर आउट हुए वहीं वॉशिंगटन सुंदर 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. हार्दिक पंड्या 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए वहीं रिंकू सिंह का खाता भी नहीं खुल सका. अर्शदीप सिंह एक रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज ने 3 विकेट चटकाए वहीं मार्को यानसन ने चार विकेट अपने नाम किए.कॉबिन बॉश के खाते में दो विकेट गए. एक विकेट लुंगी एंगिडी ने चटकाया। इससे पहले, डेविड मिलर के अर्धशतक और डेवाल्ड ब्रेविस के साथ उनकी बड़ी अर्धशतकीय साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट पर 187 रन बनाए. मिलर ने 35 गेंद में तीन छक्कों और सात चौकों से 63 रन की पारी खेलने के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस (45रन, 29 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 51 गेंद में 97 रन की साझेदारी करके पारी को उस समय संवारा जब टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों से हराया

पल्लेकेले, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मेजबान श्रीलंका को टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले सुपर-8 मुकाबले में हार झेलनी पड़ी है। पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम पर इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों से हराया। पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड की टीम 9 विकेट पर 146 रन ही बना पाई। घरेलू परिस्थिति में श्रीलंका के लिए यह लक्ष्य आसान माना जा रहा था। इसके बाद भी श्रीलंका की पारी 17वें ओवर में 95 रनों पर ही सिमट गई।

श्रीलंका की इंग्लैंड से लगातार 12वीं हार

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की यह लगातार 12वीं जीत है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 18 मुकाबले हुए हैं। शुरुआत 6 मैचों में श्रीलंका को चार जीत मिली थी। श्रीलंका ने आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ इस फॉर्मेट में 2014 में जीत हासिल की थी। टी20 विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड ने पल्लेकेले में ही हुए तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका को क्लीन स्वीप कर दिया था।जोस बटलर ने फिल साल्ट के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ 16 रन की साझेदारी की। बटलर 14 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इसके बाद बैथेल भी सिर्फ 3 रन ही बनाकर आउट हुए। टॉम बैंटन (6) और हैरी ब्रूक (14) सस्ते में आउट हो गए। इस बीच फिल साल्ट ने अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 40 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 62 रन बनाए।

विल जैक्स ने 14 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर टीम को 146 रनों तक पहुंचा दिया। दुनिथ वेल्लालागे ने 26 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। दिलशान मदुशंका और महीश तिक्षाणा ने 2-2 विकेट मिले।

श्रीलंका की बैटिंग पूरी तरह फेल रही। पावरप्ले में ही इंग्लैंड ने आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। फॉर्म में चल रहे पाथुम निसांका 15 के स्कोर पर पहले बल्लेबाज के रूप में आउट हु।

दुबई टेनिस टूर्नामेंट

दुबई में अमेरिका की जैसिका पैगुला दुबई टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती हुई।

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की: युजवेंद्र चहल ने बारात में डांस किया; क्रिकेटर ने 2023 में पहली पत्नी से तलाक लिया था

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं।

40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है। पिछले महीने धवन ने सगाई की थी धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले ढ्ढक्क में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं। कौन हैं सोफी शाइन सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब ब्ब श्व में जाब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नार्दर्न ट्रस्ट कारपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की ष्टह्रह्र (चीफ आपरेटिंग आफिसर) हैं। उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कैसलराय कालेज से पूरी की। सोफी, धवन के इंस्टाग्राम पर आने वाले कई मजेदार वीडियो में भी नजर आती रहती हैं। धवन तलाक के बाद मुश्किल दौर से गुजरे थे पिछले साल एक इंटरव्यू में धवन ने अपने तलाक के बाद के मुश्किल दौर को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह लंबे समय से अपने बेटे जोरावर से नहीं मिल पाए हैं और संपर्क भी टूट गया है। धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी का अक्टूबर 2023 में आधिकारिक तौर पर तलाक हुआ था। दोनों की शादी 2011 में हुई थी और यह रिश्ता करीब 11 साल चला। आयशा की पहले की शादी से दो बेटियां हैं। धवन के साथ उन्होंने बेटे जोरावर को जन्म दिया। तलाक के फैसले के दौरान दिल्ली की अदालत ने कहा था कि धवन को मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी और उन्हें कई सालों तक अपने इकलौते बेटे से दूर रखा गया। हालांकि कोर्ट ने धवन को स्थायी कस्टडी नहीं दी थी, बल्कि मिलने और वीडियो काल की सीमित अनुमति दी थी। धवन का कहना है कि बाद में उन्हें बेटे से वर्चुअल बातचीत से भी रोका गया।

राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस : कुणाल, प्रमोद व नवीन क्वार्टर फाइनल में, महिला वर्ग में संध्या और संस्कृति चमकीं

किशन चंद मंघनानी स्मृति स्पर्धा में कड़े मुकाबले; इंदौर के अभय प्रशाल में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

इंदौर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश वेटरन्स टेबल टेनिस कमेटी द्वारा आयोजित किशन चंद मंघनानी स्मृति राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा के ग्रुप लीग मुकाबलों में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इंदौर के अभय प्रशाल में जारी इस प्रतियोगिता में भोपाल के कुणाल गजभिये, इंदौर के प्रमोद सोनी, नवीन नातू और ग्वालियर के एस.टी. दहोवासे ने अपने-अपने आयु वर्गों में जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भी कड़े मुकाबले देखने को मिले, जहाँ भोपाल की संध्या सोमानी, संस्कृति मिश्रा, छिंदवाड़ा की मीनाक्षी श्रीवास, इंदौर की मनीषा कटारिया और नीता वैष्णव ने शानदार खेल दिखाते हुए अंतिम आठ में जगह पक्की की।

प्रतियोगिता के पुरुष 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में कुणाल गजभिये ने रोहित गुप्ता को 3-0 से, नवीन नातू ने श्रीकृष्ण राजपूत को 3-0 से और मनीष जोशी ने विशाल वर्मा को 3-0 से पराजित किया। इसी तरह 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में विशाल जोशी ने इरफान शेख को, ओम गुप्ता ने विक्रम वडनेरे को और नितिन खाब्या ने दीपनारायण भट्टाचार्य को समान अंतर 3-0 से शिकस्त दी। 50 वर्ष से अधिक वर्ग में विशाल अरोरा ने राकेश पांडे को और प्रशांत महंत ने विवेक चौकसे को मात देकर अगले दौर में प्रवेश किया। 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में किशोर मोटवानी ने अमिताभ श्रीवास्तव को 3-0 से और प्रभाकर राव ने जितेंद्र तवरी को 3-1 से हराकर अपना वर्चस्व कायम रखा।

ग्रुप लीग के अन्य मुकाबलों में 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ग्वालियर के एस.टी. दहोवासे ने सतीश बाबरे को 3-0 से और अजय पंडित ने मोहन बोदनकर को 3-1 से हराया। 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ वर्ग में प्रमोद सोनी ने अशोक मांजरेकर को 3-1 से और जयंत रतन पारखी ने सुरेंद्र वशिष्ठ को 3-0 से शिकस्त दी। महिला एकल में संध्या सोमानी ने मीनाक्षी श्रीवास को 3-0 से और संस्कृति मिश्रा ने साधना नेहलानी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया। युगल वर्ग में प्रभाकर राव और जितेंद्र तवरी की जोड़ी ने शांतनु बनर्जी व एस.पी. पाटिल को हराकर अपनी लय बरकरार रखी।

स्पर्धा का औपचारिक शुभारंभ महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया तथा मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जयेश आचार्य, आसना मंघनानी, रिंकू आचार्य, नीलेश वेद व गौरव पटेल भी उपस्थित थे।

डब्ल्यू सीरीज के 60 साल पूरे होने पर कावासाकी ने खास टीज़र किया जारी

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी कावासाकी ने अपनी प्रतिष्ठित डब्ल्यू सीरीज के 60 साल पूरे होने पर एक खास टीज़र जारी किया है। टीज़र में दिखाई गई बाइक डब्ल्यू 800 है ध्यान देने वाली बात यह है कि यह माडल फिलहाल भारत में उपलब्ध नहीं है। बताया जा रहा हैं कि कंपनी जल्द ही अपनी रेट्रो लाइनअप भारत में विस्तार कर सकती है। कावासाकी की डब्ल्यू सीरीज क्लासिक और रेट्रो डिजाइन की उन मोटरसाइकिलों की लाइन है, जिसकी शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी। भारत में कंपनी के रेट्रो सेगमेंट में अभी प्रमुख विकल्प केवल कावासाकी झेड650 आरएस है, जिसे हाल में अपडेट किया गया था। अब डब्ल्यू 800 के संकेत मिलने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि कावासाकी भारत में अपने रेट्रो पोर्टफोलियो को मजबूत करने जा रही है। कावासाकी डब्ल्यू 800 एक प्रापर रेट्रो रोडस्टर बाइक है। इसमें 773सीसी एयर-कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 51.3 बीएचपी की पावर और 62.9 एनएम का टार्क जेनरेट करता है। इसका गोल हेडलाइट, क्रोम फिनिश और क्लासिक डिज़ाइन इसे विंटेज लुक देता है, जबकि परफार्मेंस पूरी तरह माडर्न है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए आदर्श मानी जाती है, जो पुरानी स्टाइलिंग के साथ आधुनिक प्रदर्शन चाहते हैं। अगर यह बाइक भारत में लान्च होती है, तो इसका सीधा मुकाबला रायल एनफील्ड की दो प्रमुख बाइक्स रायल इनफील्ड इंटरसेप्टर 650 और रायल इनफील्ड क्लासिक 650 से होगा। इसके अलावा कावासाकी की एक और संभावित रेट्रो बाइक डब्ल्यू230 भी चर्चा में है, जो छोटे सेगमेंट में यामाहा एक्सएसआर155 और रायल एनफील्ड की हंटर 350 जैसी बाइक्स को टक्कर दे सकती है।

फोनपे ने माइक्रोसाफ्ट फाउंड्री के साथ एआई-संचालित नेचुरल लैंग्वेज सर्च किया लान्च

नई दिल्ली। फोनपे ने माइक्रोसाफ्ट फाउंड्री आधारित एक नया एआई-संचालित नेचुरल लैंग्वेज सर्च फीचर लान्च किया है। इससे यूजर्स साधारण आवाज या टेक्स्ट कमांड के जरिये एप में आसानी से नेविगेट (संचालन) कर सकते हैं, भुगतान कर सकते हैं और अपने ट्रांजैक्शन ट्रैक कर सकते हैं। कंपनी के अनुसार, यह फीचर डिजिटल पेमेंट को अधिक सरल, तेज और सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार किया गया है। इस फीचर के जरिए पारंपरिक मेन्यू-आधारित संचालन की जगह अब इंटेंट-आधारित रूटिंग मिलेगी। इससे यूजर बातचीत की तरह अपने काम पूरे कर सकेंगे। जैसे हेमंत को 20 रुपये भेजो कहने पर सीधे भुगतान स्क्रीन खुलेगी और सही रिसीवर पहले से चयनित होगा। केवल आवाज से ही कर सकेंगे ये काम वहीं, फास्टटैग रिचार्ज या सोने का भाव टाइप करने पर यूजर सीधे संबंधित सेवा या जानकारी पेज पर पहुंच जाएगा। यह टूल केवल सर्च तक सीमित नहीं है, बल्कि यूजर के इरादे को समझकर भुगतान, खरीदारी या सहायता से जुड़े कामों को पूरा करता है। यह आन-डिवाइस और क्लाउड-आधारित हाइब्रिड माडल पर काम करता है, जिससे यूजर का कोई भी निजी या ट्रांजैक्शन डाटा फोनपे के सुरक्षित वातावरण से बाहर नहीं जाता। फोनपे के संस्थापक और सीटीओ राहुल चारी ने कहा कि यह लान्च पेमेंट एप्स को केवल लेन-देन तक सीमित रखने की सोच से आगे बढ़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

न्यूज ब्रीफ

फरवरी में फिंक्स कैपिटल और एंजेल वन करेंगे स्टाक स्प्लिट, फिंक्स कैपिटल ने अपने शेयरों का 1:10 अनुपात में स्प्लिट करने की घोषणा की

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेशकों के लिए फरवरी के आखिरी हफ्ते में हलचल बढ़ने वाली है। दो बड़ी कंपनियां फिंक्स कैपिटल और एंजेल वन अपने शेयरों का स्टाक स्प्लिट करने जा रही हैं। स्टाक स्प्लिट का उद्देश्य शेयर की कीमत कम करना है ताकि छोटे और रिटेल निवेशक भी आसानी से इसमें निवेश कर सकें। फिंक्स कैपिटल ने अपने शेयरों का 1:10 अनुपात में स्प्लिट करने की घोषणा की है। कंपनी ने 25 फरवरी को एक्स-डेट और रिकार्ड डेट तय की है। इसका मतलब है कि वर्तमान में 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले शेयर की कीमत घटकर 1 रुपए हो जाएगी। जिन निवेशकों के पास रिकार्ड डेट तक शेयर होंगे, उनके पास हर शेयर के बदले 10 शेयर हो जाएंगे। इससे कुल निवेश की वैल्यू में कोई बदलाव नहीं आएगा, लेकिन शेयरों की संख्या और लिक्विडिटी बढ़ जाएगी। ब्रोकरेज सेक्टर की प्रमुख कंपनी एंजेल वन भी 1:10 अनुपात में स्टाक स्प्लिट कर रही है। कंपनी ने 26 फरवरी को एक्स-डेट और रिकार्ड डेट घोषित की है। इसका अर्थ है कि 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले शेयर अब 1 रुपए पर ट्रेड करेंगे और निवेशकों के पास शेयरों की संख्या दस गुना बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टाक स्प्लिट से कुल निवेश की वैल्यू पर तुरंत असर नहीं पड़ता, लेकिन बाजार में लिक्विडिटी बढ़ती है। इसके परिणामस्वरूप इन दोनों कंपनियों के शेयरों में ट्रेडिंग वाल्यूम बढ़ने की संभावना है।

सिर्फ 12 मिनट में चार्ज होगी सीएटीएल की ईवी बैटरी

नई दिल्ली। चीन की बैटरी निर्माता कंपनी सीएटीएल ने एक नई हाई-परफार्मेंस ईवी बैटरी विकसित की है, जिसे सिर्फ 12 मिनट में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है। यदि यह तकनीक वास्तविक उपयोग में सफल रहती है, तो लंबी दूरी की यात्रा करने वाले ईवी उपयोगकर्ताओं की चार्जिंग संबंधी चिंता काफी हद तक खत्म हो सकती है। इलेक्ट्रिक कारों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ सकती है। कंपनी का दावा है कि यह बैटरी लगभग 1.5 मिलियन मील यानी करीब 24 लाख किलोमीटर तक चल सकती है। खास बात यह है कि इतनी दूरी तय करने के बाद भी इसकी परफार्मेंस लगभग 80 प्रतिशत तक बरकरार रह सकती है। बैटरी में उन्नत स्मार्ट कूलिंग सिस्टम, सेल्फ-रिपेयर टेक्नोलाजी और हाई-एफिशिएंसी सेल डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इसकी उम्र और भरोसेमंद प्रदर्शन सुनिश्चित होता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह सुपरफास्ट चार्जिंग तकनीक आम इलेक्ट्रिक कारों में कब तक उपलब्ध हो सकेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में इसे व्यावहारिक रूप से बाजार में उतारा जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो ईवी सेक्टर में यह तकनीक एक गेम-चेंजर साबित होगी और इलेक्ट्रिक कारों की लोकप्रियता में बड़ी छलांग देखने को मिल सकती है।

इन्फोबीन्स ने की घोषणा, निवेशकों को 3:1 बोनस शेयर का तोहफा, 27 फरवरी 2026 तय हुई एक्स-डेट और रिकार्ड डेट

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए आने वाला सप्ताह काफी अहम साबित हो सकता है। आईटी सेक्टर की जानी-मानी कंपनी इन्फोबीन्स टैक्नोलाजी लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए 3:1 के अनुपात में बोनस इश्यू की घोषणा की है। इस फैसले के तहत कंपनी अपने शेयरधारकों को हर एक शेयर पर तीन अतिरिक्त शेयर मुफ्त में देगी। यानी अगर किसी निवेशक के पास एक शेयर है, तो बोनस के बाद उसके पास कुल चार शेयर हो जाएंगे। कंपनी ने 27 फरवरी 2026 को एक्स-डेट और रिकार्ड डेट दोनों के रूप में तय किया है। इसका मतलब है कि इस तारीख से पहले जिन निवेशकों के डीमैट खाते में कंपनी के शेयर होंगे, वही इस बोनस इश्यू का लाभ उठा सकेंगे। निवेशकों के लिए यह जरूरी है कि वे समयसीमा का ध्यान रखें, क्योंकि रिकार्ड डेट के बाद खरीदे गए शेयरों पर बोनस का लाभ नहीं मिलेगा। नस शेयर जारी करने का मुख्य उद्देश्य बाजार में शेयरों की लिक्विडिटी बढ़ाना होता है। जब किसी कंपनी के शेयर की कीमत अधिक हो जाती है, तो छोटे निवेशकों के लिए उसमें निवेश करना कठिन हो सकता है। बोनस इश्यू के बाद शेयरों की संख्या बढ़ती है और कीमत उसी अनुपात में समायोजित हो जाती है, जिससे यह अधिक किफायती दिखने लगता है।

अब एनएसई पर 1000 गुना बढ़ जाएगी ट्रेडिंग की रफ्तार, 10 करोड़ ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड की क्षमता

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

देश का प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया 11 अप्रैल से अपने ट्रेडिंग सिस्टम को नैनोसेकंड स्तर पर अपग्रेड करने जा रहा है। यह घोषणा एक्सचेंज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एसोसिएशन आफ एनएसई मेंबर्स आफ इंडिया (एएनएमआई) के एक कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि नया सिस्टम मौजूदा स्पीड से करीब 1000 गुना तेज होगा और असली रियल-टाइम फाइनेंस की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। फिलहाल एनएसई का रिस्पान्स टाइम लगभग 100 माइक्रोसेकंड है, जिससे एक्सचेंज एक सेकंड में 50 से 60 लाख ट्रांजेक्शन प्रोसेस कर पाता है। अपग्रेड के बाद यह क्षमता बढ़कर लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) ट्रांजेक्शन प्रति सेकंड हो जाएगी। एक सेकंड में 10 लाख माइक्रोसेकंड होते हैं, जबकि एक नैनोसेकंड सेकंड का अरबवां हिस्सा है।

इतनी तेज स्पीड से आर्डर मैचिंग और एक्जीक्यूशन में देरी लगभग समाप्त हो जाएगी। जार में अलग-अलग सेगमेंट में ट्रेडिंग गतिविधि लगातार बढ़ रही है। बढ़ते वाल्यूम को संभालने के लिए एक्सचेंज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रहा है। वर्तमान में कोलोकेशन में 2000 से अधिक रैक्स हैं, जिन्हें बढ़ाकर 4500 तक ले जाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इससे हाई-फ्रीक्वेंसी और बड़े निवेशकों को तेज निष्पादन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतनी हाई स्पीड के साथ साइबर जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने ब्रोकर्स और टेक्नोलाजी वेंडर्स से साइबर सिक्योरिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की, ताकि सिस्टम की स्थिरता और विश्वसनीयता बनी रहे।

फरवरी के आखिरी हफ्ते में निवेशकों के लिए डिविडेंड का अवसर

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेशकों के लिए फरवरी का आखिरी हफ्ता खास रहने वाला है। छह बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को इंटरिम डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड का मतलब है कि कंपनी अपने मुनाफे का एक हिस्सा निवेशकों को नकद के रूप में देती है। यदि आपके पास शेयर एक्स-डेट से पहले हैं, तो आप डिविडेंड के हकदार होंगे। सोमवार को पहला नंबर है पीआई कंपनी का। कंपनी का सिक्योरिटी कोड 523642 और सिक्योरिटी नेम पीआईआईएनडी है। कंपनी ने 23 फरवरी को एक्स-डेट और रिकार्ड डेट तय की है। कंपनी 5 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। 24 फरवरी को एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। रिकार्ड डेट भी 24 फरवरी ही है। कंपनी ने 22 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह इस सूची में सबसे ज्यादा प्रति शेयर डिविडेंड है। 25 फरवरी को एनबीसीसी की बारी है। कंपनी ने 0.1200 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकार्ड डेट दोनों 25 फरवरी तय की गई हैं। 26 को स्टाटमांट कंपनी एक्स-डेट पर जाएगी। कंपनी 0.1000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दे रही है। रिकार्ड डेट भी 26 फरवरी ही है। 27 फरवरी को दो कंपनियां एक साथ एक्स-डेट पर ट्रेड करेंगी। पहली है धनसेरी। कंपनी ने 3.5000 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। एक्स-डेट और रिकार्ड डेट 27 फरवरी तय की गई हैं। इसकी रिकार्ड डेट भी 27 फरवरी है।

जेवर में एचसीएल-फाक्सकान का ओएसएटी संयंत्र लगेगा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

2028 तक शुरू होगी 3,700 करोड़ की परियोजना, सरकार देगी 60-70 फीसदी प्रोत्साहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम बुद्ध नगर के जेवर में स्थापित होने जा रहे एचसीएल-फाक्सकान के संयुक्त ओएसएटी संयंत्र को भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता के लिए ऐतिहासिक पहल बताया। वर्चुअल माध्यम से आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत तेजी से उन देशों की श्रेणी में शामिल हो रहा है जो आधुनिक उपकरणों के लिए उन्नत चिप्स का निर्माण करते हैं। उन्होंने जोर दिया कि देश साफ्टवेयर के साथ-साथ हार्डवेयर क्षेत्र में भी समान गति से प्रगति कर रहा है।

करीब 3,700 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना का नाम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड रखा गया है। यह 60:40 की साझेदारी पर आधारित है, जिसमें एचसीएल ग्रुप और फाक्सकान शामिल हैं। परियोजना के 2028 तक पूरी तरह संचालित होने की संभावना है। कुल निवेश का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों की प्रोत्साहन योजनाओं, विशेषकर इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। यह संयंत्र 48 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगा, जिसमें पहले चरण में 15 एकड़ में ओएसएटी सुविधा स्थापित की जाएगी। प्रस्तावित इकाई प्रतिमाह लगभग 20 हजार वेफर्स की प्रोसेसिंग कर सकेगी। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट ओएसएटी इकाई होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी और एचसीएल समूह की चेयरपर्सन ने कहा कि यह परियोजना भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेसी पहले...

मोदी ने कहा- पूरा देश कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा है। दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता लाजने के बजाए गाजते हैं। बेशर्मी के साथ देश की बेइज्जती करने वालों का जयकारा कर रहे हैं। ये मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। संसद में खुद परफॉर्म नहीं कर पा रहे तो अपने साथी को भी बोलना का मौका नहीं देते। सदन को चलने नहीं देते। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है।

उन्होंने कहा- मैं नम्रतापूर्वक देश के मीडिया से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि कृपा करके हम जब इस प्रकार की हरकतों की आलोचना करें तो इस तरह की हेडिंग न बनाएं कि मोदी ने विपक्ष को धो डाला। ये विपक्ष-विपक्ष करके आप कांग्रेस को बचा रहे हैं। विपक्ष में जो और साथी बैठे हैं, वो भी समझ गए हैं कि पाप कांग्रेस करती है और भुगतना उन्हें पड़ता है।

मोदी बोले- महिला सांसदों को भेजकर प्रधानमंत्री नहीं बन सकते

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने से पहले जनता का दिल जीतना पड़ता है। महिला सांसदों को आगे कर सीट पर कब्जा कर प्रधानमंत्री नहीं बना जा सकता।पीएम मोदी ने कांग्रेस से सवाल पूछा- क्या आप इतने खोखले हो गए हैं कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो? कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है और उसकी राजनीति जनभावनाओं से कट चुकी है।

फेरारी की...

जिससे युवक को केवल मामूली चोटें आईं। हालांकि, इस चेन कोलिजन (शृंखलाबद्ध टक्कर) की चपेट में आने से अन्य वाहनों में सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया।

सुरक्षा और ओवरस्पीडिंग पर उठे सवाल

इस घटना ने जुबली हिल्स जैसे व्यस्त रिहायशी इलाकों में तेज रफ्तार ड्राइविंग के खतरों को एक बार फिर उजागर कर दिया है। हादसे के कारण सड़क पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल देखा गया। फिलहाल पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

ओवैसी की गाड़ी ...

यह अपेक्षा की जाती है कि उनके द्वारा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए ताकि जनता के लिए एक सकारात्मक उदाहरण पेश हो सके। फिलहाल इन जुर्मानों के भुगतान को लेकर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

शहर के व्यस्त मार्गों पर तेज रफ्तार ड्राइविंग न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी खतरा पैदा करती है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और निर्धारित गति सीमा पार करने पर लागू की जाती है, जिसमें भारी जुर्माने का प्रावधान है।

राजा नहीं...

उधर शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना के कार्यक्रम को ऐन वक्त पर रोक दिये जाने से नाराज आयोजकों ने घोषणा की कि जब तक राजा सिंह नहीं आएंगे तब तक प्रतिमा का अनावरण नहीं होगा।

राव हाउस...

हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद आगे बढ़ने की कोशिश करने पर उन्हें हिरासत में लिया गया। श्री राव के आवास के बाहर उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्र हो गए। इस दौरान कथित रूप से कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई भाजपा कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया। मामले को लेकर क्षेत्र में एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

झूठे मामले बर्दाश्त नहीं : राव

एन. रामचंदर राव ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार उनकी पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और हिंदूवादी कार्यकर्ताओं की गैरकानूनी गिरफ्तारी करवा रही है और झूठे मामले दर्ज करवा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री राव ने संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया कि कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा में 70 से 80 भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और हिंदूवादी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। उन्होंने इसे पुलिस अत्याचार बताया। उन्होंने दावा किया कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के किसी भी कार्यकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार एमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के प्रभाव में काम कर रही है। बांसवाड़ा में धारा 144 लगाने पर सवाल उठाते हुए श्री राव ने कहा कि भाजपा ने कथित पुलिस ज्यादतियों के विरोध में शांतिपूर्ण बंद का आह्वान किया था।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और बांसवाड़ा के लोगों को भरोसा दिलाया कि भाजपा राज्य सरकार के कुशासन का विरोध करती रहेगी और इससे प्रभावित लोगों के साथ खड़ी रहेगी। श्री राव ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारियों से भी अपील की कि वे बिना किसी भेदभाव के काम करें और बिना किसी राजनीतिक असर के अपनी ड्यूटी निभाएं।

भाजपा ने आरोप लगाया कि श्री वेंकटरमणा रेड्डी पर कामारेड्डी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें उन्हें रोक नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों का समर्थन करने के लिए बांसवाड़ा जाएंगे।

फर्जी क्लिनिक...

रद्दीकरण और कानूनी अभियोजन जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को अनिवार्य रिकॉर्ड बनाए रखने और दवाओं के वितरण के समय सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

ट्रंप के घर पर हमले...

इस दौरान युवक को गोली लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई), यूएस सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने संयुक्त रूप से जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

जांच एजेंसियां घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और तकनीकी इनपुट के आधार पर यह पता लगाने में जुटी हैं कि युवक की मंशा क्या थी और क्या वह वास्तव में किसी बड़े हमले की योजना बना रहा था।

मार-ए-लागो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का निजी रिसॉर्ट और प्रमुख निवास स्थान है। इस लिहाज से यहां सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी रहती है। ऐसे में परिसर के बाहर इस प्रकार की घटना को सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

गौरतलब है कि सितंबर 2024 में वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश के आरोपी रयान रूथ को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, रूथ ने अदालत में हत्या के इरादे से इनकार किया था।

ताजा घटना के बाद एक बार फिर ट्रंप की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 23 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

290 रोगियों ने उठाया लाभ

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा यादव सेवा संघम तेलंगाना के सहयोग से 161वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर दमईगुडा-नागाराम रोड स्थित साईं सिद्धार्थ हाई स्कूल में आयोजित किया गया।अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल की टीम ने जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप एवं आरबीएस जैसी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान डॉ. गायत्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी टेक्नीशियन अनिल, 2डी इको टेक्नीशियन अक्षिता तथा मार्केटिंग विभाग से जगदीश ने सहयोग दिया।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ़ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल द्वारा नेत्र जांच की गई। कुल 178 रोगियों की स्क्रीनिंग के बाद 75 जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया तथा एक रोगी के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने योगदान दिया।

इसी अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पूरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी गई, जबकि दंत चिकित्सा सेवाएं सीनियर डेंटल विशेषज्ञ डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज ने प्रदान कीं। शिविर में कुल 290 रोगियों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, निखिल राणासरिया तथा स्थानीय सहयोगी यादव सेवा संगम के ए. शरद यादव, ए. रमेश यादव, ए. अनिल यादव, ए. अरविंद यादव, ए. अजय यादव, ए. सिद्धेश्वर यादव, डी. शिव कुमार यादव, डी. श्रीकांत यादव, सुरेश यादव, ई. सुशील यादव, जे. महेश यादव सहित स्वयंसेवक जीतेंद्र गोयल, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सरला अग्रवाल एवं पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया।

आईएसपी का डोर-टू-डोर अभियान घर-घर पहुँचाया चुनाव चिह्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंकलाब सेना पार्टी (आईएसपी) ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगमकी सीमाओं के भीतर अपना व्यापक जनसंपर्क अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया। इस अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक घर तक पहुँच कर पार्टी का चुनाव चिह्न कप और तश्तरी वितरित किया और लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराया।अभियान के दौरान पार्टी के अध्यक्ष और महासचिव ने स्थानीय निवासियों के साथ सीधा संवाद किया। नेताओं ने जनता को आश्वस्त किया कि इंकलाब सेना पार्टी जीएचएमसी क्षेत्र के आम लोगों के सामने आने वाली हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।इंकलाब सेना पार्टी ने अपने इस अभियान के माध्यम से तीन मुख्य संकल्पों को जनता के सामने- सार्वजनिक समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निवारण करना। आम आदमी की आवाज को प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना और बुनियादी ढाँचे और नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए निरंतर कार्य करना रखा।पार्टी नेतृत्व ने कहा कि यह अभियान केवल चुनाव चिह्न बाँटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम आदमी और राजनीति के बीच की दूरी को कम करने की एक कोशिश है। निवासियों ने भी नेताओं के समक्ष स्थानीय मुद्दों जैसे सड़क, पानी और साफ-सफाई से जुड़ी अपनी शिकायतें रखीं, जिस पर पार्टी ने ठोस कार्रवाई का भरोसा दिया।

राधे-राधे ग्रुप की सेवाएं बेहतरीन : सविता अग्रवाल

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नदान सेवा केंद्र पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सविता अग्रवाल ने कहा कि ग्रुप की सेवाएं वास्तव में बेहतरीन और प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है और राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि नामपल्ली पब्लिक गार्डन, बेगम बाजार क्षेत्र तथा अन्य स्थानों पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिदिन अनेक जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सेवा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में अपनत्व और संवेदनशीलता का संदेश भी दे रही है।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, गौरव गोयल, जयप्रकाश सारडा, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, अनिता नथानी, ई-जगन चंपापेट, बिमल किशोर संघी, नयन संघी, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, गोविंद केडिया, सुमित अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, जागवी अग्रवाल एवं गुणगुण अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सविता अग्रवाल ने सभी सदस्यों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और संस्कार ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान है।

फाल्गुन माह के अवसर पर खाटू श्याम जी मंदिर, खाटू में श्रद्धा और आस्था के साथ दर्शन करने के लिए संदीप सुल्तानिया(तेलंगाना सरकार में प्रधान सचिव), श्रीमती रीटा सुल्तानिया, गौरांग सुल्तानिया, प्रमुख समाज-सेवी नरेंद्र गोयल, लीला देवी गोयल एवं हर्ष सोनथालिया ने बाबा श्याम के चरणों में हाजिरी लगाकर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की प्रार्थना की ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की 19वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डाटा कमेटी की उन्नतीसवीं बैठक रविवार को समाज कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में संयोजक सतीश कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल एवं गोविन्द अग्रवाल उपस्थित रहे और कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन किया।

बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान चार नए बायोडाटा प्राप्त हुए। उपस्थित अभिभावकों को उनकी पारिवारिक एवं वैवाहिक प्राथमिकताओं के अनुसार आपसी संवाद का अवसर प्रदान किया गया, जिससे संभावित रिश्तों पर सकारात्मक चर्चा हो सकी।सभा के अंत में संयोजक सतीश कुमार अग्रवाल ने सभी अभिभावकों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।

हैदराबाद से खाटू धाम तक श्री श्याम आशीर्वाद पदयात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 21 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 20 फरवरी 2026 को खाटू धाम पहुंची श्री श्याम आशीर्वाद पदयात्रा का समापन श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ हुआ। हैदराबाद से प्रारंभ हुई यह पदयात्रा राजस्थान स्थित पवित्र धाम खाटू श्याम जी मंदिर तक पहुंची, जहां सभी यात्रियों का मंदिर समिति की ओर से भावपूर्ण स्वागत किया गया।

मंदिर परिसर में पदयात्रियों का पुष्प वर्षा, माल्यार्पण एवं जयकारों के साथ अभिनंदन किया गया। श्याम भक्तों ने जय श्री श्याम के उद्घोष के साथ बाबा के चरणों में शीश नवाया और यात्रा की सफल पूर्णता पर आभार व्यक्त किया।

यह पदयात्रा अजय गोयल के नेतृत्व में 10 साथियों के साथ दूसरी बार पूर्ण की गई। लगभग दो माह की इस लंबी यात्रा के दौरान भक्तों ने विभिन्न नगरों और गांवों से होकर श्याम नाम का प्रचार-प्रसार किया तथा सत्संग, भजन-कीर्तन और सेवा कार्यों के माध्यम से श्रद्धा का संदेश दिया।

यात्रियों ने बताया कि मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीय श्रद्धालुओं ने जल, भोजन और विश्राम की व्यवस्था कर सहयोग प्रदान किया। खाटू धाम पहुंचने पर श्याम मंदिर समिति द्वारा सभी पदयात्रियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा का होली महोत्सव 4 मार्च को

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होलीका-महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। उक्ताशय का निर्णय शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य रमेश कुमार अग्रवाल के निवास स्थल पर आयोजित शाखा की कार्यकारिणी सभा के दौरान लिया गया।

शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि कार्यकारिणी सभा का शुभारंभ महाराज श्री अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। मानद मंत्री मनीष कुमार अग्रवाल ने शाखा की गतिविधियों की जानकारी सभा को की। सभा में गहन विचार-विमर्श के पश्चात होलिकोत्सव के बृहद आयोजन का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत मंगलबार 3 मार्च को प्रातःकाल 5.00 बजे रोड ने 11, बंजारा हिल्स स्थित रोटल मिनर्वा ग्रांड के समीप होलिका दहन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। डांडा-रोपण सोमवार 2 मार्च को प्रातः काल 9 बजे किया जाएगा। इसी कड़ी में बुधवार 4 मार्च को रोड नं 13, बंजारा हिल्स स्थित होटल एमराल्ड के समीप स्थित परिसर में धुलंडी के संदर्भ में प्रातः 9.00 बजे से रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसके अंतर्गत शाखा सदस्य परिवारों के लिए आर्गनिक गुलाल, डीजे संगीत, रेन डांस व सुरुचिपूर्ण भोजन इत्यादि का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल व सुचारु आयोजन के लिए शाखा अध्यक्ष ने रमेशकुमार अग्रवाल को संयोजक व नवल किशार बंसल को सह संयोजक के रूप में नामित किया।

सभा में कोषाध्यक्ष जयदीप गुप्ता, शाखा परामर्शदाता मोहन मित्तल व विनोद टिकमाणी, कार्यकारिणी सदस्य सुभाष केडिया, गोपाल अग्रवाल, विनय गुप्ता, महेश अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, अनिल झुझुनवाला आदि उपस्थित रहे।

श्री वैष्णव सत्संग मण्डल सुल्तान बाजार द्वारा होली के आयोजन हेतु बैठक की। बैठक में भाग लेते हुए राधेश्याम दुर्गा राठी, बद्री प्रसाद सुरेखा सारडा, गोपीकिशन इंदिरा बंग, गुलाब देवडा, इंदिरा भराड़ीया, पवन भराड़ीया एवं अन्य।

श्याम निशान यात्रा: तलसानी श्रीनिवास यादव ने की शिरकत

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के पॉश और व्यापारिक क्षेत्रों में रविवार को श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखा गया। भव्य श्याम निशान यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। यह यात्रा सिकंदराबाद के प्रसिद्ध पॉट मार्केट से शुरू होकर महेंद्र हिल्स स्थित श्याम मंदिर तक पहुँची। इस धार्मिक आयोजन में पूर्व मंत्री और स्थानीय विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने भगवान श्याम बाबा की पूजा-अर्चना की और निशान उठाकर यात्रा में भाग लिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने की रामचंद्र राव के नजरबंद की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के अध्यक्ष जगमोहन सिंह ने पार्टी वरिष्ठ नेता एवं तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को अवैध रूप से घर में नजरबंद किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश करार दिया है।

जगमोहन सिंह द्वारा जारी बयान के अनुसार, एन. रामचंद्र राव को लगभग 12 घंटों से उनके आवास पर नजरबंद रखा गया है। उन्होंने बताया कि रामचंद्र राव का गुनाह सिर्फ इतना था कि वे बांसवाड़ा के पीड़ितों के हक में आवाज उठा रहे थे और कामारेड्डी में पार्टी कार्यकर्ताओं का समर्थन करने जा रहे थे।भाजपा नेता ने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में न्याय के लिए आवाज उठाना अपराध नहीं माना जा सकता। विपक्ष को घर में कैद करके खामोश करना सरकार की असहिष्णुता और जवाबदेही से बचने के डर को दर्शाता है।

प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया कि इस तरह की दमनकारी कार्रवाइयां पार्टी के संकल्प को कमजोर नहीं कर पाएंगी। जगमोहन सिंह ने कहा, हम एन. रामचंद्र राव के साथ मजबूती से खड़े हैं। लोकतांत्रिक अधिकारों और न्याय के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को श्रवण करते हुए भाजपा नेता लाल सिंह, बी. कमल सिंह, उदय सिंह, रणवीर सिंह, विपिन, नटराज नामधारी, अक्षय साहु, सुधाकर गौड़, अमरदीप सिंह, गुणवंत बिरादर, जुगल सोनी, मंजीत और रोहित एवं अन्य।

अप्पर धूलपेट के बलरामगली स्थित शालीग्राम ज्योतिशालय के स्वर्गीय पंडित अशोक कुमार महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोध क्षत्रिय सदर पंचायत के संचालक मातावाले महेश सिंह एडवोकेट, विशाल सिंह एडवोकेट, एडवोकेट नीतेश सिंह, प्रणय तिवारी व अन्य।

तेलंगाना में राज्यसभा की दो सीटों के लिए मची होड़

अभिषेक मनु सिंघवी और जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के नामों की चर्चा तेज

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में राज्यसभा की दो सीटें खाली होने और चुनाव आयोग द्वारा 26 फरवरी को अधिसूचना जारी किए जाने की सुगबुगाहट के बीच, प्रदेश कांग्रेस में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं।कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, इस रेस में दो नाम सबसे प्रमुखता से उभर रहे हैंवरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी। अभिषेक मनु सिंघवी वर्तमान में अगस्त 2024 के उपचुनाव के जरिए राज्यसभा सदस्य हैं, लेकिन उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। दिल्ली नेतृत्व उन्हें ऊपरी सदन में कानूनी पक्ष रखने के लिए एक पूर्ण 6 साल का कार्यकाल देने के पक्ष में है।

हालांकि, स्थानीय स्तर पर उन्हें बाहरी के तौर पर देखा जा रहा है। बी. सुदर्शन रेड्डी रंगारेड्डी जिले के मूल निवासी स्थानीय विकल्प के रूप में सबसे मजबूत दावेदार हैं। 2025 में वे गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी रह चुके हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का उनकी पोती के विवाह समारोह में शामिल होना इस चर्चा को और बल दे रहा है कि दिल्ली उनके नाम पर गंभीरता से विचार कर रही है।जहाँ पहली सीट के लिए कानूनी दिग्गजों के बीच मुकाबला है, वहीं दूसरी सीट के लिए जमीनी नेताओं के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा है। चर्चा में ये तीन प्रमुख नाम हैं-

1.वेमा नरेंद्र रेड्डी: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी सलाहकार और विश्वासपात्र। इनकी नियुक्ति सीएम

की राज्य के संसदीय प्रतिनिधिमंडल पर मजबूत पकड़ का संकेत होगी।

2.जी. चिन्ना रेड्डी: राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष, जो 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान एआईसीसी द्वारा किए गए वादे के आधार पर अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं।

मधु याश्की गौड़: पूर्व सांसद और टीपीसीसी के प्रमुख नेता, जो पार्टी के पारंपरिक नेतृत्व और राष्ट्रीय संगठनात्मक विंग में गहरी पैठ रखते हैं।

जातिगत समीकरण और केंद्र बनाम राज्य का द्वंद्व

5 मार्च की नामांकन समय सीमा से पहले एआईसीसी कई पहलुओं पर विचार कर रही है। हाल ही में संपन्न हुए मजाति सर्वेक्षण के बाद पार्टी पर सामाजिक जनसांख्यिकी को संतुलित करने का भारी दबाव है। साथ ही, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि हाईकमान अपने राष्ट्रीय चेहरों को प्राथमिकता देता है या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी सहयोगियों को। आने वाले दिनों में दिल्ली के 10 जनपथ और खड़गे के आवास पर बैठकों का दौर और तेज होने की उम्मीद है।

सेवाभावी प्रेमचंद शर्मा का राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा सम्मान

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ, लोकप्रिय एवं सेवाभावी व्यक्तित्व प्रेमचंद शर्मा के समाजहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद - सिकंदराबाद की ओर से उनका भव्य सम्मान किया गया।समारोह के दौरान सभा पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्यजनों ने प्रेमचंद शर्मा को शाल, साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके समाजसेवी योगदान की सराहना की।इस अवसर पर रामदेव नागला, श्रीलाल पारीक, गोविंद मंडी, श्रीगोपाल व्यास, ओ.पी. शर्मा, सुरेश व्यास, दीपक पुरोहित सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। विशेष रूप से सिखवाल ब्राह्मण समाज के प्रमुख भगवान जी उपाध्याय (मोटू) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष आयाम प्रदान किया।वक्ताओं ने प्रेमचंद शर्मा के सेवा, समर्पण और समाज एकता के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम का समापन आपसी सद्भाव एवं सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ हुआ।

बेगम बाजार में सेवा का संगम, राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान आयोजन

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा, समर्पण और संस्कार की भावना को आगे बढ़ाते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित श्री भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धा और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। ग्रुप का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और समाज में सहयोग व करुणा की भावना निरंतर बढ़ती रहे।

इस अवसर पर शिव भगवान अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया और नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

आर्य समाज में स्वामी श्रद्धानंद जी की 170वीं जयंती पर

डॉ. नयन कुमार आचार्य का ओजस्वी प्रवचन

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्यसमाज महर्षि दयानंद मार्ग में साप्ताहिक यज्ञ के उपरांत स्वामी श्रद्धानंद जी की 170वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर परली, महाराष्ट्र से पधारे डॉ. नयन कुमार आचार्य ने विशेष प्रवचन दिया।

डॉ. आचार्य वैदिक गर्जना (महाराष्ट्र आर्य प्रतिनिधि सभा का मुख पत्र) के संपादक तथा इलातूर समाचारफसाप्ताहिक के परामर्शदाता हैं। अपने ओजस्वी उद्बोधन में उन्होंने जीवन को काल की अश्वगति के समान निरंतर गतिमान बताते हुए सत्कर्म, सत्य और अनुशासन के मार्ग पर चलते रहने का संदेश दिया।

उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार स्वामी श्रद्धानन्द ने मुंशी राम से महर्षि महर्षि दयानंद सरस्वती के अनन्य भक्त बनकर गुरुकुल परंपरा का पुनरुद्धार किया। वे शुद्धि आंदोलन के प्रणेता रहे तथा कांग्रेस में हिंदी में भाषण देने वाले प्रथम व्यक्तियों में शामिल थे। एक साधारण व्यक्ति से महान व्यक्तित्व बनने तक की उनकी यात्रा त्याग, तपस्या, पुरुषार्थ और सत्यनिष्ठा का प्रेरक उदाहरण है।

कार्यक्रम में डॉ. प्रताप रूद्र ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए उन्हें मंच पर आमंत्रित किया। प्रवचन के पश्चात संगठन सूत्र तथा आर्य समाज के नियम एवं उद्देश्यों का सामूहिक पाठ किया गया।

इस अवसर पर नगरद्वय के अनेक प्रतिष्ठित आर्य सज्जन उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. धर्म तेजा, भरत मुनि, प्रदीप दत्त, राज भूषणम, शिवाजी, अरविंद कुमार, दयानंद रेड्डी, अरुण कुमार लाठकर, रणधीर सिंह, प्रदीप जाजू, काशीराम, के. संदीप, एम. राधिका, सुचित्रा चंद्र, मीरा आर्य, सौ. मनीषा नयन कुमार आचार्य, चि. अजिंक्य नयन कुमार आचार्य, भक्त राम सहित अन्य श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम को सफल बनाया।अंत में डॉ. आचार्य ने उपस्थित जनों से स्वामी श्रद्धानंद जी के आदर्शों पर चलने तथा विश्व को आर्य बनाने के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

'कांग्रेस का एटीएम बन गया है तेलंगाना'

गांधी परिवार के लिए 1,000 करोड़ रुपये वाले बयान पर घिरे रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के गांधी परिवार के लिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाने संबंधी बयान पर राज्य की राजनीति में घमासान मच गया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा आमने-सामने आ गए हैं।

हाल ही में एक भाषण के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि गांधी परिवार आर्थिक कठिनाई में हो तो तेलंगाना कांग्रेस के कार्यकर्ता उनके लिए 1,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने में सक्षम हैं। इस टिप्पणी के बाद भाजपा नेताओं, जिनमें अमित मालवीय और एनवी सुभाष शामिल हैं, ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

रेवंत रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा, गांधी परिवार के लिए पैसे की क्या अहमियत है? जिनकी तीन पीढ़ियों ने देश के लिए बलिदान दिया। यदि वास्तव में गांधी परिवार को धन की आवश्यकता होती, तो क्या कांग्रेस कार्यकर्ता उनके लिए 10,000 करोड़ रुपये नहीं जुटा सकते?

कांग्रेस और देश को अलग नहीं किया जा सकता। कांग्रेस इस राष्ट्र की आत्मा है।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गांधी परिवार के लिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की क्षमता है।

भाजपा का पलटवार, राज्य का राजस्व किसके लिए?

रेवंत रेड्डी के इस बयान पर भाजपा की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य के राजस्व को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का एटीएम बना रहे हैं।

उन्होंने सवाल उठाया, क्या तेलंगाना की मेहनत की कमाई जनता के कल्याण के लिए है या दिल्ली के एक परिवार की सेवा के लिए? कांग्रेस के लिए तेलंगाना विकास का राज्य है या 10 जनपथ का एटीएम? जब तेलंगाना के युवा डीएससी नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे हैं और किसान रैयतु भरोसा के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब मुख्यमंत्री गांधी परिवार की वित्तीय जरूरतों के लिए 1,000 करोड़ जुटाने की बात कर रहे हैं।

बीआरएस का भी हमला: एआईसीसी का एटीएम

मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा। पार्टी प्रवक्ता कृषांक माने ने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान से स्पष्ट हो गया है कि तेलंगाना राज्य अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का एटीएम बन गया है।

गौरतलब है कि रेवंत रेड्डी की यह टिप्पणी केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आई। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के लिए धन का कोई महत्व नहीं है और उन्होंने हमेशा देशहित को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार की तीन पीढ़ियों ने राष्ट्र सेवा के लिए बलिदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक साजिशों के तहत झूठे मामलों में फंसाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राहुल गांधी के नाम आवंटित आवास को भी वापस ले लिया।

इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

तेलंगाना: नगर निकायों में को-ऑप्टेड सदस्यों की संख्या बढ़ाने की तैयारी में रेवंत सरकार

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार नगर पालिकाओं और नगर निगमों में को-ऑप्टेड (मनोनीत) सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य उन कांग्रेस नेताओं को जगह देना है, जो हालिया चुनावों में हार गए थे या जिन्हें टिकट नहीं मिल पाया था।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, नगर पालिकाओं में को-ऑप्टेड सदस्यों की संख्या वर्तमान में 2 से बढ़ाकर 5 की जा सकती है। वहीं, नगर निगमों में यह संख्या 3 से बढ़ाकर 6 या 7 होने की संभावना है। अभी नगर पालिकाओं में 2 और निगमों में 3 सदस्य होते हैं, जिनमें एक महिला का होना अनिवार्य है।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में फिलहाल 5 सदस्यों का प्रावधान है। पिछली बीआरएस सरकार ने इसे बढ़ाकर 15 करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे तत्कालीन राज्यपाल ने मंजूरी नहीं दी थी।राज्य में अगले कुछ हफ्तों में इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। कई विधायकों और मंत्रियों ने अपने समर्थकों को इन पदों पर मनोनीत कराने का आश्वासन दिया है। ये सदस्य मतदान के अधिकार को छोड़कर पार्षदों को मिलने वाले अन्य सभी विशेषाधिकारों और सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं।

चयन प्रक्रिया और योग्यता के मानक

नियमों के अनुसार, परिषदों और निगमों की पहली बैठक के छह दिनों के भीतर इन सदस्यों के चुनाव के लिए आवेदन मांगे जाते हैं। को-ऑप्टेड सदस्य के रूप में आमतौर पर उन लोगों को चुना जाता है जिनके पास प्रशासन का अनुभव हो, जैसे: पूर्व महापौर, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष। सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी । नगर निगम के स्थायी वकील या अनुभवी क्षेत्रीय सभा सदस्य।

कार्टून कॉर्नर

गोदावरी जल विवाद: सीएम रेवंत रेड्डी का बीआरएस पर तीखा हमला बोले

दो साल में पूरे होंगे सभी सिंचाई प्रोजेक्ट

मुलुगु, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को नदी जल विवाद को लेकर विपक्षी दल बीआरएस पर करारा हमला बोला। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार अगले दो वर्षों के भीतर सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करेगी और गोदावरी नदी के जल पर तेलंगाना के अधिकारों की रक्षा करेगी। मुलुगु में सिंचाई अधिकारियों के साथ देवादुला परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी नदी पर तुम्मिदिहट्टी से भद्राचलम के बीच के सभी प्रोजेक्ट्स को पूरा किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन यदि मुद्दे शांतिपूर्ण ढंग से नहीं सुलझे, तो कानूनी रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए रेवंत रेड्डी ने उन आरोपों को सस्ता करार दिया कि कांग्रेस सरकार पड़ोसी राज्यों को पानी के दोहन में मदद कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा: उन्होंने केसीआर को जहर उगलना बंद करने की सलाह दी और व्यंग्यात्मक रूप से उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और योग करने का सुझाव दिया।मुख्यमंत्री ने साफ किया कि सरकार कालेश्वरम परियोजना को छोड़ेगी नहीं क्योंकि इसमें जनता का पैसा लगा है। तकनीकी पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई गई है ताकि भविष्य में नुकसान को रोका जा सके।लागत में भारी वृद्धि: देवादुला परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2001 में शुरू हुई इस परियोजना की लागत 6,000 करोड़ से बढ़कर 18,500 करोड़ हो गई है।कर्ज के बावजूद फंड: राज्य पर 8.11 लाख करोड़ के कर्ज के बोझ के बावजूद, कार्यों में तेजी लाने के लिए तुरंत फंड जारी किया जाएगा।रेवंत रेड्डी ने विपक्ष को गोदावरी जल के उपयोग पर विधानसभा में बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी सरकार का लक्ष्य हर एकड़ जमीन को पानी और हर नागरिक को पीने का पानी पहुंचाना है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

टॉप नक्सली कमांडर देवजी का सरेंडर, 1 करोड़ के इनामी तिरुपति ने क्यों डाले हथियार?

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) को बड़ा झटका देते हुए शीर्ष नक्सली कमांडर थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी (62) ने आत्मसमर्पण कर दिया है। देवजी मूल रूप से तेलंगाना के जगतियाल जिले का निवासी है और उस पर 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था।

देवजी ने माओवादी संगठन में दिवंगत महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू की जगह ली थी, जिनकी मई 2025 में मृत्यु हो गई थी। उनके साथ माओवादी नेता मल्ला राजी रेड्डी ने भी आत्मसमर्पण किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, देवजी और अन्य नक्सली नेताओं का सरेंडर औपचारिक रूप से कुछ दिनों में सार्वजनिक किया जाएगा। फिलहाल वे तेलंगाना पुलिस की निगरानी में हैं।

संगठन में लंबा सफर: छात्र राजनीति से पोलित ब्यूरो तक

देवजी को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के गठन में अहम भूमिका निभाने वालों में गिना जाता है। बाद में वह सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी का सदस्य और पार्टी के पोलित ब्यूरो का मेंबर बना। वह सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) का इंचार्ज भी रहा और छत्तीसगढ़ के माड इलाके से गतिविधियों का संचालन करता था।

साल 1982 में जगतियाल जिले के कोरुट्ला में इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान वह रेडिकल स्टूडेंट यूनियन से प्रभावित हुआ। उसी समय करीमनगर जिले में आरएसयू और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बीच झड़पें हुईं, जिनमें देवजी को आरोपी बनाया गया।

साल 1983 में वह भूमिगत हो गया। 1983-84 के दौरान उसने गढ़चिरौली दलम में काम किया। 1985 में उसे एरिया कमेटी मेंबर बनाया गया। वर्ष 2001 में वह सेंट्रल कमेटी मेंबर बना और 2016 में सीएमसी का इंचार्ज नियुक्त हुआ। सूत्रों के अनुसार, उसके इस पद पर आने का कुछ वरिष्ठ नेताओं ने विरोध भी किया था।

केजीएच-2 ऑपरेशन का दबाव

इसी बीच, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की अगुवाई में सुरक्षा बलों ने 17 फरवरी को छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर नांबी और कोरगोटालू हिल्स क्षेत्र में केजीएच-2 नाम से बड़ा अभियान शुरू किया था। यह इलाका कर्रेगुट्टा हिल्स के नाम से भी जाना जाता है।

इस अभियान के दौरान लगभग 300 नक्सलियों की तलाश की जा रही थी, जिनमें कई शीर्ष और वांछित कमांडर शामिल थे। इनमें मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर, देवजी, रामन्ना उर्फ गणपति उर्फ लक्ष्मण राव और राजी रेड्डी प्रमुख थे। सुरक्षा बलों ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि या तो ये नेता आत्मसमर्पण करें, अन्यथा मार्च 2026 की तय समयसीमा से पहले ऑपरेशन के दौरान कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी शिवधर रेड्डी ने 15 फरवरी को नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि जो भी आत्मसमर्पण करेगा, उसे राज्य सरकार की सरेंडर एवं पुनर्वास नीति के तहत तत्काल सहायता और लाभ दिए जाएंगे।

डीजीपी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में तेलंगाना पुलिस के प्रयासों से 588 माओवादी नेता और विभिन्न स्तर के कैडर सामान्य जीवन में लौट चुके हैं।

ऐसे समय में देवजी का आत्मसमर्पण माओवादी संगठन के लिए रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इसे नक्सल नेटवर्क के कमजोर पड़ने के संकेत के रूप में देख रही हैं।

'शतक' फिल्म का विशेष प्रदर्शन

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्र के प्रति समर्पित, अनुशासित और चरित्रवान नागरिकों के निर्माण के उद्देश्य से वर्ष 1925 में प्रारंभ हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य एवं योगदान पर आधारित फिल्म ङ्कशतकफ का विशेष प्रदर्शन नेकलेस रोड स्थित प्रसाद आईमैक्स थियेटर में आयोजित किया गया।

यह विशेष स्क्रीनिंग अशोक फाउंडेशन द्वारा पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य संघ की स्थापना से लेकर उसके सौ वर्षों की यात्रा, कार्यशैली और समाज जीवन में उसके योगदान को फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत करना रहा।

इस अवसर पर मेघा रानी अग्रवाल, उमेश सिंघानिया, अनिरुद्ध अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, मालती देवी अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, ऋषित अग्रवाल, तृषा अग्रवाल, चंदना जैन, सुमेधा, रुणिचा, गीता सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक परिवार सहित उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने फिल्म के संदेश को समाज में सकारात्मक ऊर्जा और राष्ट्रभावना के प्रसार के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

बांसवाड़ा सांप्रदायिक संघर्ष: अब तक 19 गिरफ्तार फर्जी खबरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के बंसवाड़ा में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बहाल हो रही है, वहीं जिला पुलिस ने रविवार, 22 फरवरी को सांप्रदायिक झड़प में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

कामारेड्डी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश चंद्र ने कहा, हमने 42 लोगों की पहचान की है, जिनमें से 19 को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने चेतावनी दी कि पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें, मॉर्फ्ड वीडियो या भड़काऊ पोस्ट फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने में संकोच नहीं करेगी, जो सांप्रदायिक नफरत को भड़काते हैं। उन्होंने कहा, 120 व्यक्तियों पर निगरानी रखी जा रही है और कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

एसपी चंद्र ने लोगों से शांति बनाए रखने में पुलिस के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। नागरिकों से सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से व्यवहार करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया।

20 फरवरी को, मुज़म्मिल नामक एक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर एक विक्रेता द्वारा गाना बजाने पर आपत्ति जताने के बाद सांप्रदायिक झड़पें भड़क उठीं। यह विवाद जल्द ही बढ़ गया और मुसलमानों और हिंदुओं के बीच झड़पों में तब्दील हो गया। बताया जाता है कि दोनों समूहों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए।

इस अशांति के कारण कस्बे के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ हुई, जिसमें कथित तौर पर कई छोटी दुकानों को बदमाशों ने नुकसान पहुंचाया।

पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और तनाव को कम करने की कोशिश की।

इसी दौरान पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिसमें एक कांस्टेबल घायल हो गया।

गुरु गोबिंद सिंह ऑडिटोरियम में एआई समिट का आयोजन, 600 से अधिक छात्रों की सहभागिता

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस टेक्निकल कैंपस के गुरु गोबिंद सिंह ऑडिटोरियम में एआई समिट 2026 का भव्य उद्घाटन किया गया। यह आयोजन इंजीनियरिंग छात्रों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

यह समिट विशेष रूप से स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों और राज्यों से 200 से अधिक टीमों तथा 600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

समिट का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं शोधार्थियों को अपने नवीन विचारों और एआई क्षेत्र में शोध निष्कर्षों के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत शोध-पत्र प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति और स्टार्टअप एक्सपो के माध्यम से नवाचार एवं स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा दिया गया।

इस अवसर पर 65 शोध-पत्र, 85 नवाचारी पोस्टर तथा 50 स्टार्टअप आइडिया प्राप्त हुए। मूल्यांकन जूरी सदस्योंश्री वी. किशोर (प्रोजेक्ट मैनेजर, विप्रो टेक्नोलॉजी), डॉ. रामाकृष्ण (प्रोफेसर, सीबीआईटी) एवं डॉ. टी. ममता (प्रोफेसर, श्रीनिधि इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र 20 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि श्री गोपाला कृष्ण कुप्पुस्वामी, सह-संस्थापक उेस-पळवर.रळ ने की। उन्होंने एआई आधारित उद्यमिता और औद्योगिक परिवर्तन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने विषयगत ज्ञान को एआई क्षमताओं के साथ जोड़कर स्केलेबल स्टार्टअप विकसित करें और बदलती तकनीकों के साथ स्वयं को अद्यतन रखें।

विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रवीण गोरला (प्रिंसिपल रिसर्च तखड-थअच.अख एवं कार्यकारी समिति सदस्य, स्वेच्छा तेलंगाना) ने जनरेटिव एआई और ओपन एआई में शोध पर अपने विचार साझा किए।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष सरदार गगनदीप सिंह कोहली ने वर्तमान समय में एआई के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि प्रबंध निदेशक डॉ. एच. एस. सैनी ने एआई अनुसंधान की प्रासंगिकता पर संक्षिप्त संबोधन दिया।

प्रथम कीनोट सत्र में डॉ. प्रवीण गोरला ने जनरेटिव एआई: नवाचार, उद्योग और समाज का रूपांतरण विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्वदेशी एआई अनुसंधान के महत्व पर बल दिया और छात्रों को समाजोपयोगी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. श्रीनाथ रेड्डी (निदेशक, जीएनआईटीसी), डॉ. ऋषि सयाल (एसोसिएट डायरेक्टर, जीएनआईटीसी) तथा एस. मधु (विभागाध्यक्ष – एआईएमएल/एआई एंड डीएम) भी उपस्थित रहे।

दूसरे दिन की शुरुआत डॉ. एम. डी. जावेद (सह-संस्थापक एवं निदेशक, मैक्सपार्क प्राइवेट लिमिटेड) के कीनोट सत्र से हुई, जिसमें उन्होंने एआई के साथ एकीकृत आईओटी की भूमिका पर विचार रखे।कार्यक्रम के दौरान 15 फूड एवं गेम्स स्टॉल ने परिसर में उत्साह का वातावरण बनाया। दोपहर में डीजे कार्यक्रम के पश्चात समापन सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विजेताओं एवं उपविजेताओं को सरदार गगनदीप सिंह कोहली, डॉ. एच. एस. सैनी, डॉ. श्रीनाथ रेड्डी तथा डॉ. ऋषि सयाल द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

एआई समिट 2026 ने तकनीकी नवाचार, शोध और उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान की।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Parmar Heenaben W/O Makwana Sunilkumar, R/O. C/30 Pawandham Society Opposite Vaikundham Makarpura, P.O:O.N.G.C Makarpura, Dis & tes Vadodara, Pin:390014 Gujarat have changed my name as PARMAR HEENABEN to MAKWANA HEENABEN SUNILKUMAR vide affidavit dt:23-2-2026 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No 2548432, Rank- Hony NB SUB, Name- MICHAEL, Residing at H.No-3-16-758, S.C.B No-7-05-033, Srinagar Colony, Trimulgherry, Secunderabad, Telangana, I have to change my Wife name & Date of Birth from ANJALA (DOB: 18-06-1952) to ANJILINA MICHAEL (DOB: 09-05-1951) for all purpose vide affidavit dated: 21/02/2026.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

iDO EVENTS

ANVITA
BUILDING HAPPINESS

NAVKAR ENTERTAINMENT

PRESENTS

THE BIGGEST HOLI BASH IN HYDERABAD

POWERED BY

FINECAB WIRES AND CABLES

ASSOCIATED WITH

Regd. No. 5583/1998

Balaji INFRA We Build Your Dreams

POWERED BY

manepally Jewellers Pvt Ltd.

ASSOCIATED WITH

The Gujarati Social Welfare Society Hyd'sec
Prerna Ladies wing

SKYLINE Backpackers

VASAVI GROUP A legacy of Trust, Since 1994.

OFFICIAL EMCEE

MC KRUPA PATEL

OFFICIAL PHOTOGRAPHY BY

CLICK MAGIK

JASWIR KAUR
BOLLYWOOD ACTRESS
(FEATURED IN ANUPAMA)

DJ ABISHEK

Balam Pichkari

Thoda Desi, Thoda Videshi

SEASON 7

DJ PREET-E

4 MARCH

JALVIHAR NECKLACE ROAD

9 AM ONWARDS

WEDNESDAY

EVENT HIGHLIGHTS

PUNJABI DHOL I ORGANIC COLOURS I VEG BUFFET I FLORAL HOLI I THANDAI I FREE KIDS ZONE I VIP CABANAS I RAIN DANCE I BOLLYWOOD CELEBRITY

SPONSORS

Mayur Pan House
SANKALP STEELS Hitesh Saraf
SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection
THE VogueNaari BY SALONI JAIN
MOHA INDIA
HIMALAYA
SCAPE ROCKS A Unit of Banjara Marble and Granites
KULTURE CRAFT YOUR LIVING
POOJA SAREES POOJA DESIGN STUDIO
PAREKH TEXTILES (P) LTD. Since 1995

UMESH BAGRECHA
AMIT MUNOTH
PARAG SHAH
LALA MAHARAJ
PARAS DOSHI
PAVAN PANDYA
CHINTAN MEHTA
HIMANSHU JAIN
PRITI JAIN

PARTNERS

HOSPITALITY	DECOR & SOUND	CATERING	REEL
THE PLATINUM HOTELS	VARMALA	RAMDEV CATERERS PH:- 7842751001	KshN

IN ASSOCIATION : JIGNESH DOSHI PRESIDENT OF GUJARATI WELFARE SOCIETY

FOR BOOKINGS CONTACT : 8142111145, 8019161198, 9032797797